हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शनिवार • 01.08.2026 • वर्ष : 17 • अंक : 11 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन समेत 5 दोषियों को उम्रकैद

नयी दिल्ली : दिल्ली दंगों के दौरान अंकित शर्मा की हत्या के दोषी ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में ये दंगे हुए थे और इसी दौरान आईबी के अधिकारी अंकित शर्मा का कत्ल हो गया था। इस मर्डर केस में ताहिर हुसैन समेत 5 लोगों को उम्रकैद की सजा दी गई है।
दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने इन लोगों को पहले ही दोषी ठहरा दिया था, लेकिन आज सजा का ऐलान हुआ है। इस मामले मे कडकडूमा कोर्ट ने 13 जुलाई को पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को हत्या और आपराधिक साजिश जैसी गंभीर धाराओं मे दोषी करार दिया था। इस मामले में सजा पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने ताहिर हुसैन समेत अन्य दोषियों को मौत की सजा देने की मांग किया था। आईबी अधिकारी अकिंत शर्मा का शव एक नाले से बरामद किया गया था। इस मामले में सजा का ऐलान करते हुए जज ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर घटना थी। उन्होंने कहा कि अंकित शर्मा की बुरी तरह से हत्या की गई , उनकी बॉडी जानवर की तरह छोड़ दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह घटना समाज को झकझोर देने वाली थी।

पीएम किसान योजना को लेकर केंद्रीय कैबिनेट में लिया गया बड़ा फैसला

किसानों को 2031 तक मिलते रहेंगे ₹6,000

एजेंसी

नयी दिल्ली : देश के करोड़ों किसानों के लिए मोदी सरकार ने बड़ी खुशखबरी दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। यानी अब वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर 2030-31 तक पात्र किसानों को पहले की तरह हर साल 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलती रहेगी। ऐसे में अब किसानों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि 24वीं किस्त के 2,000 रुपये कब उनके खाते में आएंगे।

केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना को अगले पांच साल तक जारी रखने का फैसला किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के लिए 3.15 लाख करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से किसानों को खेती के जरूरी खर्च पूरे करने में मदद मिलेगी। साथ ही उनकी आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी यह योजना अहम भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर साल 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह रकम एक साथ नहीं बल्कि 2,000 रुपये की तीन बराबर किस्तों में दी जाती है। पैसा सीधे किसानों के आधार से जुड़े बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए भेजा जाता है।

अब तक 23 किस्तों में भेजे जा चुके हैं 4.47 लाख करोड़ रुपये

सरकार के अनुसार, पीएम किसान योजना के तहत अब तक 23 किस्तों में किसानों के बैंक खातों में 4.47 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सीधे ट्रांसफर की जा चुकी है। 23वीं किस्त के तहत 9.49 करोड़ से अधिक किसानों को 18,984 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि भेजी गई थी। वहीं कोविड-19 महामारी के दौरान किसानों को राहत देने के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की सहायता भी इसी योजना के जरिए दी गई।

महिला किसानों को भी मिला बड़ा फायदा

पीएम किसान योजना का लाभ महिला किसानों को भी बड़ी संख्या में मिला है। अब तक महिला लाभार्थियों के खातों में 1.06 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि भेजी जा चुकी है। सरकार के मुताबिक, योजना के हर चार लाभार्थियों में लगभग एक महिला किसान शामिल है। सरकार के मुताबिक, यह राशि फसल चक्र को ध्यान में रखकर जारी की जाती है ताकि किसानों को बुवाई, खाद, बीज, सिंचाई और खेती के दूसरे जरूरी कामों के समय आर्थिक मदद मिल सके। सरकार का कहना है कि इस योजना से किसानों को समय पर खेती के लिए पैसा मिल रहा है। इससे वे बीज, खाद, सिंचाई, कृषि उपकरण और दूसरी जरूरतों पर समय पर खर्च कर पा रहे हैं।

नीति आयोग के डेवलपमेंट मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन ऑफिस के आकलन के मुताबिक, 92 प्रतिशत से ज्यादा किसानों ने बताया कि उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल खेती और कृषि निवेश में किया। वहीं करीब 85 प्रतिशत किसानों ने माना कि उनकी कृषि आय में सुधार हुआ है और उन्हें साहूकार या अनौपचारिक कर्ज पर पहले की तुलना में कम निर्भर रहना पड़ रहा है।

अब सबसे ज्यादा चर्चा इसी बात की है कि पीएम किसान योजना की 24वीं किस्त कब जारी होगी। फिलहाल सरकार ने इसकी आधिकारिक तारीख का ऐलान नहीं किया है। हालांकि, पिछली किस्तों के पैटर्न को देखें तो उम्मीद की जा रही है कि 24वीं किस्त अक्टूबर 2026 में जारी हो सकती है। अगर चार महीने के अंतराल वाला पैटर्न जारी रहता है तो पात्र किसानों के खाते में 2,000 रुपये अक्टूबर के दौरान ट्रांसफर किए जा सकते हैं।

'प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना' को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को मंजूरी दे दी। 5,070 करोड़ रुपये की इस योजना के तहत देश के जलाशयों, बांधों, झीलों, नहरों और अन्य जल निकायों की सतह का उपयोग कर 5,000 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर ऊर्जा क्षमता विकसित की जाएगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में कहा कि देश में जल निकायों की सतह का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि बांध, झील, नहर और अन्य जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी, जिससे स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और भूमि पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ेगा।

अपतटीय ऊर्जा क्षमता के दोहन के लिए 'समुद्र मंथन' योजना को मंजूरी

नयी दिल्ली : केन्द्र सरकार ने देश की विशाल अपतटीय ऊर्जा क्षमता का दोहन करने के लिए एक योजना को मंजूरी दी है जिससे तेल के भंडार में 60 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना 'समुद्र मंथन' को मंजूरी दी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्र योजना के लिए वित्त वर्ष 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया है। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में पत्रकार वार्ता में कहा कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, घरेलू अन्वेषण और उत्पादन में तेजी लाने, तकनीकी नेतृत्व को बढ़ावा देने और विकसित भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक लोकसभा में बिना चर्चा के पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक 2026 बिना चर्चा के पारित किया गया। इस विधेयक में देरी से जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के लिए नियम कड़े किये गये हैं। एक साल से अधिक की देरी से लेकिन दो साल के भीतर जन्म या मृत्यु पंजीकरण के लिए जिला मजिस्ट्रेट या उपमंडलीय मजिस्ट्रेट या फिर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नियुक्त कार्यकारी मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य था जो सत्यापन के बाद यह आदेश देने के लिए प्राधिकृत है। वहीं, दो साल से अधिक की देरी की स्थिति में प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर ही जन्म या मृत्यु पंजीकरण होगा। वर्तमान में एक साल बाद किसी भी समय तक संबंधित क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट या उपमंडलीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नियुक्त कार्यकारी मजिस्ट्रेट का आदेश ही पर्याप्त था और दो साल से ऊपर के लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं था।
पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने इसी बीच विधायी दस्तावेज पटल पर रखवाये। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से शोरगुल न करने और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने की अपील की, लेकिन शोरगुल जारी रहा।
इसी दौरान श्री सैकिया ने गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश करने को कहा। विधेयक पेश किये जाने के बाद पीठासीन अधिकारी ने इस पर चर्चा के लिए नाम और संशोधन के नोटिस देने वाले सदस्यों को पुकारा। इन सदस्यों में से किसी के विधेयक पर पर अपनी बात न कहने पर उन्होंने विधेयक पर खंडवार विचार करने का एलान किया। इसके बाद श्री सैकिया ने श्री राय को विधेयक पारित करने का प्रस्ताव करने की अनुमति दी। विपक्षी सदस्यों के शोरगुल के बीच ही विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद श्री सैकिया ने विपक्षी सदस्यों से कहा कि उनके सहयोग के बिना ही विधेयक पारित करना पड़ा। यह परम्परा ठीक नहीं है।

स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट के आयोजन में विजेताओं को प्रतीक चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट की ओर से स्वामी विवेकानंद संचालन समिति के निर्देशन में उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के पावन अवसर पर पुस्तकालय सभागार में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष प्रोफेसर हीरामन साहू एवं संचालन ट्रस्ट के सचिव कृष्ण प्रजापति ने किया। बतौर मुख्य अतिथि एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, बरही थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार, सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी, स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्ता, उपाध्यक्ष डॉ सुनील कुमार यादव, पाठ्यक्रम प्रभारी सत्येंद्र कुमार शर्मा, खेल प्रभारी रविकांत ओम,आईटी सेक्टर प्रभारी हिमांशु बमबम एवं शुभम कुमार, आरपी शर्मा, बिपिन बिहारी पांडेय,समाजसेवी मिथिलेश कुमार सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। सभी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर पुष्प अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों को अंगवस्त्र एवं बुके के साथ स्वागत किया गया। मौके पर कार्यक्रम में कौशल विकास केंद्र, आर.एन.वाई.एम. कॉलेज बरही की छात्राओं द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत किया गया।

पूर्व निर्धारित विषय के आधार पर आयोजित भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में 22 विद्यालयों से चयनित कुल 44 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर बरही इंटर कॉलेज से सेवानिवृत प्रो राम पदार्थ शर्मा, पाठ्यक्रम प्रभारी सत्येंद्र कुमार शर्मा एवं बरही आर.एन.वाई.एम. कॉलेज के प्रोफेसर हीरामन साहू ने मुख्य भूमिका निभाई। वहीं निबंध प्रतियोगिता में शुभम कुमार, विपिन बिहारी पांडे, प्रोफेसर हीरामन साहू, मिथिलेश कुमार सिंह एवं दिलीप गुप्ता निर्णायक रहे।

निर्णायक मंडली द्वारा जारी परिणाम के अनुसार भाषण प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल बरही की शिंकू कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रेनबो स्कूल शिवपुरी की नुजहत परवीन ने द्वितीय तथा इंडियन पब्लिक स्कूल शिवपुरी ओरिया की हिमांशु कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता में देव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल रसोइया धमना की अर्पना गुप्ता प्रथम, आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल करीमाटी के शिवम कुमार यादव द्वितीय तथा सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल रसोइया धमना की जूही कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय की ओर से प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुस्तकालय की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में उच्च विद्यालय करियातपुर, सनराइज एकेडमी करियातपुर, उच्च विद्यालय बरियथा, परियोजना उच्च विद्यालय गोरियाकरमा, डीएवी पब्लिक स्कूल बरही, रेनबो स्कूल बरही, भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही, उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोड़ाहार, मां शारदा एकेडमी बरही, प्लस टू हाई स्कूल बरही, डॉ. भीमराव अंबेडकर पब्लिक स्कूल मलकोको , सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल रसोइया धमना, देव इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल रसोइया धमना, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय बरही, झारखंड नेशनल पब्लिक स्कूल बरही, विवेकानंद विद्यालय बरही, इंडियन पब्लिक स्कूल बरही, आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल , सरस्वती विद्यापीठ पब्लिक स्कूल बरही, इंडियन एंथम पब्लिक स्कूल श्रीनगर, कौशल विकास केंद्र बरही एवं सुंदरलाल जैन स्कूल ने अपनी भागीदारी निभाई।

एक नजर

पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव में प्रबंधन समिति का हुआ गठन

बड़कागांव : विभागीय निदेर्शानुसार पीएम श्री मध्य विद्यालय बड़कागांव में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार एवं संचालन विद्यालय के शिक्षक दीपक कु राणा ने किया। चुनाव से पूर्व उपस्थित मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सर्वसम्मति से 19 सदस्यों का चयन किया गया और पांच सदस्य विद्यालय व जनप्रतिनिधियों को मिलकर 24 सदस्ये समिति का गठन किया गया। जिसमें निर्विरोध तारणि प्रसाद को दोबारा अध्यक्ष वहीं उपाध्यक्ष पुनिया देवी को बनाया गया। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को शिक्षकों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर देने की बात कही।

मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार, मुखिया मो तकरीमुल्लाह, पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, स्कूल के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, पर्यवेक्षक मो मेराज, शिक्षक चेतलाल राम, दीपक कु राणा, देवेंद्र कुमार के अलावा दर्जनों अभिभावक एवं सैकड़ों बच्चे उपस्थित थे।

यूथ विंग ने गौशाला कर्मियों के बीच बांटे रेनकोट, बरसात में सेवा करने वालों को मिली राहत

हजारीबाग : लगातार हो रही बारिश के बीच भी गौ माता की सेवा में जुटे गौशाला कर्मचारियों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग ने शुक्रवार को हजारीबाग गौशाला परिसर में रेनकोट का वितरण किया। इस दौरान गौशाला में कार्यरत सभी कर्मचारियों के बीच रेनकोट बांटे गए। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि गौशाला के कर्मचारी मौसम की परवाह किए बिना लगातार गौ माता की सेवा में लगे रहते हैं। गौसेवकों की सेवा समाज की जिम्मेदारी और पुण्य का कार्य है। रेनकोट भले ही एक छोटा सहयोग हो, लेकिन बारिश के दौरान यह कर्मचारियों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। संस्था आगे भी सेवा से जुड़े जरूरतमंद लोगों की मदद करती रहेगी। अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग का प्रयास है कि समाज में सेवा और जिम्मेदारी निभाने वाले प्रत्येक वर्ग तक सहायता पहुंचाई जाए। गौशाला के कर्मचारी गौ माता की देखभाल के साथ-साथ शहर के कई घरों तक दूध पहुंचाने का कार्य भी करते हैं। बारिश में उन्हें परेशानी न हो, इसी उद्देश्य से रेनकोट वितरण की पहल की गई। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों से जुड़े लोगों के साथ खड़ा होना ही वास्तविक सेवा भावना है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले संस्था ने बारिश के दौरान ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक जवानों के बीच भी रेनकोट वितरित किए थे। मौके पर संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव रितेश खण्डेलवाल, संस्था के मार्गदर्शक विकाश केशरी, संजय कुमार, कार्यकारिणी सदस्य सेजल सिंह, उदित तिवारी एवं गौशाला के कोषाध्यक्ष बजरंग अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर छाए अंबिका पाण्डेय, आर्यावर्त न्युज 11 बना क्षेत्र का सबसे लोकप्रिय न्यूज चैनल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : चालकुसा एवं उसके आस पास सोशल मीडिया पर आजकल अंबिका पांडेय का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है । कुछ ही दिन पहले उन्होंने AARYAVART NEWS 11 के नाम से अपना न्यूज चैनल शुरू किया था। मेहनत और जमीनी खबरों के दम पर आज उनका चैनल पूरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला प्लेटफॉर्म बन गया है। अंबिका ने शुरूआत से ही ठान लिया था कि क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी खबर और आम लोगों की समस्या को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। इसी सोच के साथ वे लगातार ग्राउंड पर उतरकर रिपोर्टिंग कर रहे हैं। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य, पंचायत से लेकर त्योहार और जनसमस्याओं तक - हर मुद्दे को उन्होंने अपने कैमरे में कैद किया। लोगों ने उनकी इस मेहनत को खूब सराहा। आज AARYAVART

NEWS 11 की वीडियो को रोजाना हजारों-लाखों लोग देखते हैं और शेयर करते हैं। कम समय में ही यह चैनल क्षेत्र की आवाज बन चुका है। अम्बिका ने बताया कि एक साल में उनके फेसबुक पेज पर लगभग 50 मिलियन से अधिक लोग उनकी विडियो को देख चुके हैं।

शिक्षा और सफर

अंबिका पाण्डेय ने अपनी मैट्रिक और इंटर तक की पढ़ाई अपने गांव के ही स्कूल से की है। उसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई के साथ-साथ पत्रकारिता की दुनिया में कदम रखा।

केबीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में नई प्रबंधन समिति का हुआ गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : विद्यालय के समग्र विकास और अभिभावकों की सहभागिता को मजबूत बनाने के उद्देश्य से केबीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, चौपारण में शुक्रवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन उत्साहपूर्ण एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यालय परिवार की मौजूदगी में आयोजित चुनाव प्रक्रिया में शंकर राणा उर्फ घनश्याम राणा को सर्वसम्मति से समिति का अध्यक्ष तथा सीता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। नई समिति के गठन पर उपस्थित लोगों ने दोनों पदाधिकारियों का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक

विश्वनाथ साव एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक कालीचरण राम के मार्गदर्शन में किया गया, जबकि अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप कुमार राणा ने की। बड़ी संख्या में अभिभावकों की मौजूदगी में समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के चयन के बाद अभिभावकों ने विश्वास जताया कि नई समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान तथा आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक विश्वनाथ साव, प्रभारी प्रधानाध्यापक कालीचरण राम, रेशमी कुमारी, सुलेखा कुमारी, सुभाषिनी कुमारी, सुषमा कुमारी, जितेंद्र कुमार, निवास चंद्र सिन्हा, नीरज कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अभिभावक उपस्थित थे।

प्रेमचंद की जयंती पर कर्णपुरा महाविद्यालय में सेमिनार का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में प्राचार्य डॉक्टर कीर्तिनाथ महतो के निदेर्शानुसार प्रेमचंद की जयंती पर हिंदी विभाग की ओर से सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय- "प्रेमचंद के साहित्य में किसानों की समस्या" रखा गया। सेमिनार का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मंच का संचालन हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अन्नु कुमारी के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 में वाराणसी के लम्ही नामक गांव में हुआ था। इनके 300 से भी अधिक कहानियाँ एवं उपन्यासों में यथार्थवादी चित्रण मिलता है।प्रेमचंद के साहित्य में किसानों की मुख्य समस्याएं - जमींदारी प्रथा, नौकरशाही शोषण ,कर्ज की अन्तहीन दास्ता आदि का यथार्थवादी चित्रण किया गया है।

"गोदान" में ग्रामीण भारत का यथार्थ चित्रण मिलता है। "कर्मभूमि" में किसानो की मुख्य समस्याएं भारी लगान ,सूदखोरी और जमींदारों द्वारा शोषण है। ₹बलिदान₹ कहानी में महाजनों और जमींदारी व्यवस्था के कारण किसानों के शोषण को उजागर किया गया है। किसान के लिए उसकी जमीन सिर्फ मिट्टी ही नहीं बल्कि उसकी प्रतिष्ठा और प्राण होती है। प्रो.ज्योति जलधर ने कहा कि प्रेमचंद की लगभग सभी उपन्यासों एंव कहानियों में गरीबी, जमींदारी प्रथा, लगान, कर्ज आदि का चित्रण मिलता है। हिंदी विभाग की डॉ.ललिता कुमारी ने कहा कि प्रेमचंद ने गोदान, गबन, रंगभूमि,कर्मभूमि आदि उपन्यास लिखें जिसमें किसानों की समस्याओं का चित्रण किया गया है। "पूस की रात" में किसानों की मार्मिक स्थिति को दशार्या गया है। सेमिनार का समापन डॉ. निरंजन प्रसाद नीरज में धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया । सेमिनार मे डॉ. सुरेश महतो, प्रो. नरेश कुमार दांगी, डॉ. पवन कुमार, डॉ. रंजीत प्रसाद, प्रो.ऋतुराज दास, डॉ. दिव्या शालू, प्रो.रामकिशोर प्रसाद दांगी, प्रो.लालदेव महतो, अनीता देवी ,नेमधारी राम,सनवीर ,रेणु,मालती तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में गांधी हाउस का दबदबा, 12-8 से जीता खिताब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : छात्राओं में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करने के उद्देश्य से नवभारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में आयोजित बालिका वर्ग की इंटर हाउस बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ। खिताबी मुकाबले में गांधी हाउस ने शानदार खेल, बेहतर तालमेल और आक्रामक रणनीति का प्रदर्शन करते हुए सुभाष हाउस को 12-8 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं पूरे टूनामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गांधी हाउस की मैरी कुमारी को प्लेयर ऑफ द टूनामेंट चुना गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या रीना पांडे ने टॉस उछालकर किया। आयोजन को लेकर छात्राओं में

काफी उत्साह देखने को मिला। सभी टीमों की खिलाड़ियों ने पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया। पहले सेमीफाइनल में गांधी हाउस ने टैगोर हाउस को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सुभाष हाउस ने जेपी हाउस को पराजित कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला गांधी हाउस और सुभाष हाउस के बीच बेहद रोमांचक रहा। दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने हर अंक के लिए कड़ा संघर्ष किया। मुकाबले के दौरान गांधी हाउस की खिलाड़ियों ने सधी हुई रणनीति, बेहतर तालमेल और शानदार डिफेंस के साथ लगातार बढ़त बनाए रखी।

एनटीपीसी विस्थापितों के न्याय और अधिकारों के लिए केंद्रीय कोयला मंत्री से मिले विधायक, सौंपा 9 सूत्री मांग पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी ने नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में भारत सरकार के केंद्रीय कोयला मंत्री से मुलाकात कर बड़कागांव एवं केरेडारी प्रखंड में एनटीपीसी की विभिन्न कोयला खनन परियोजनाओं से प्रभावित हजारों विस्थापित एवं भू-रैयत परिवारों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान उन्होंने एक विस्तृत मांग पत्र सौंपते हुए विस्थापितों के अधिकारों की रक्षा और समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग की।विधायक रौशन लाल चौधरी ने बताया कि पंकरी

बरवाडीह, चट्टी-बरियातू, केरेडारी, बादम, सहित अन्य खनन परियोजनाओं के लिए हजारों एकड़ कृषि एवं रैयती भूमि का अधिग्रहण किया गया। बावजूद इसके, प्रभावित परिवारों को अब तक उचित मुआवजा, रोजगार और मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल सकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीपीसी प्रबंधन द्वारा पूर्व में किए गए कई एकरारनामों का भी समुचित पालन नहीं किया गया, जिससे विस्थापित परिवार कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। मांग पत्र में विधायक रोशन लाल चौधरी ने वर्ष 2016 और 2022 की कट-ऑफ तिथियों को निरस्त कर वर्तमान तिथि तक नया एवं पारदर्शी विस्थापन सर्वे कराने तथा सभी पात्र परिवारों को प्रोजेक्ट अफेक्टेड फैमिली कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की। विधायक रौशन लाल चौधरी ने स्थानीय युवाओं को कोयला परिवहन सहित सभी परियोजनाओं में शत-प्रतिशत प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने, बाहरी ट्रांसपोर्टरों पर निर्भरता कम करने तथा खनन से क्षतिग्रस्त सरकारी विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों, मंदिरों, मस्जिदों, कब्रिस्तानों और शमशान स्थलों के पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने विस्थापित परिवारों के लिए आधुनिक टाउनशिप के निर्माण, 100 बेड के मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, आईटीआई, सीबीएसई स्कूल और डिग्री कॉलेज की स्थापना, तकनीकी शिक्षा का खर्च एनटीपीसी द्वारा वहन करने, स्थानीय विस्थापित वेंडरों को दो करोड़ रुपये तक के टेंडरों में प्राथमिकता देने तथा प्रभावित परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए 'विस्थापित लाडली योजना' के तहत दो लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की मांग भी की।

संक्षिप्त खबरें

राज्य संपोषित +2उच्च विद्यालय हाई स्कूल के अध्यक्ष बने कुलदीप उर्फ बहादुर पासवान

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के कराली पंचायत में स्थित राज्य संपोषित +2उच्च विद्यालय हाई स्कूल के प्रांगण में अध्यक्ष सचिव बनाने को लेकर बैठक रखी गई थी जिसकी अध्यक्षता सत्येंद्र सिंह एवं संचालन शिवचरण साहू ने किया जिसमें सर्व समिति से निर्णय लिया गया जिसमें कुलदीप उर्फ बहादुर पासवान को अध्यक्ष एवं सोनी देवी पति मुन्ना वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया अध्यक्ष बनने के बाद कुलदीप उर्फ बहादुर पासवान ने सभी को धन्यवाद किया और कहा कि स्कूल में अब से अनुशासन रहेगा और मैं स्कूल को अच्छे से ध्यान दूंगा और अच्छे से सारे बच्चों बच्चियों को पढ़ाई करवाए इसके लिए मैं सभी शिक्षक एवं शिक्षाओं को अपील करता हूं एवं चुने गए सम्मानित सदस्यों को अंक वस्त्र एवं बुके देखकर सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में उपस्थित राज्य संपोषित उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेंद्र दास शिक्षक राम सेवक मिश्रा अभिभावक महेश साव सोनी देवी मंजू देवी बसंती देवी गुड़िया सोनी शीतल देवी आदि उपस्थित थे।

शिव मंदिर कांवरिया संघ कांडतरी बुढ़वा महादेव में किया जलाभिषेक

बड़कागांव : शिव मंदिर कांवरिया संघ कांडतरी के द्वारा बड़कागांव मध्य जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी के नेतृत्व में एवं ग्राम अध्यक्ष योगेंद्र महतो की अध्यक्षता में मां पंच बहिनी बादम से बुढ़वा महादेव जल पदयात्रा की गई। इस जल पदयात्रा में सैकड़ो महिला पुरुष बच्चे एवं बच्चियां इस जल पदयात्रा में शामिल होकर गुरुवार को मां पंचबहिनी बादम से जल उठाकर लगभग 21 किलोमीटर पैदल जल पदयात्रा कर बड़कागांव महुदी पहाड़ बुढ़वा महादेव मंदिर में भगवान शिव का प्रसिद्ध मंदिर में जलाभिषेक किया। बड़कागांव मध्य जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी ने कहा कि इस जल पदयात्रा में शामिल होकर सभी श्रद्धालुओं ने क्षेत्र के सुख शांति एवं समृद्धि को लेकर पूजा अर्चना तथा भगवान शिव से प्रार्थना किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिप सदस्य सुनीता देवी, उप प्रमुख बचन देव कुमार, प्रभारी मुखिया कांडतरी राजदेव महतो, ग्राम अध्यक्ष कांडतरी योगेंद्र महतो, ग्राम सचिव सुरेश महतो, अध्यक्ष रीता देवी, उपाध्यक्ष गायत्री कुमारी , सचिव मीना देवी, उपसचिव शोभा कुमारी, कोषाध्यक्ष बाली देवी , उपकोषाध्यक्ष उषा देवी, संरक्षक कौशल्या कुमारी, संगठन मंत्री कलावती देवी , महा संगठन मंत्री विनीता कुमारी, संचालन मंत्री समुद्री देवी , कार्यकर्ता संगीता कुमारी, सदस्य इंदु देवी, शांति देवी, बसंती देवी, सागरी देवी, ललिता कुमारी, सुलेखा कुमारी, कौशल्या कुमारी , मसोमात शोभा देवी , सहित सैकड़ो श्रद्धालु शामिल थे।

30 वर्षों की निष्ठावान सेवा के बाद शिक्षक नारायण प्रसाद मेहता को मिली भावभीनी विदाई

पदमा : पदमा प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय रोमी के प्रांगण में शुक्रवार को एक अत्यंत भावुक और गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया।तीन दशकों से भी अधिक समय तक शिक्षा की अलख जगाने वाले इस मार्गदर्शक को पूरा विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी और ग्रामीण अश्रुपूरित आंखों से विदाई देने के लिए एकत्र हुए।?नारायण प्रसाद मेहता वर्ष 1994 बैच के शिक्षक थे। अपने 30 वर्षों से अधिक के बेदाग और अटूट शैक्षणिक कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभिन्न विद्यालयों में अपनी महती सेवाएं दीं। उनका एक लंबा समय पदमा पंचायत स्थित ऐतिहासिक रामनारायण उच्च विद्यालय में बीता, जहाँ उन्होंने लगभग 11 वर्षों तक अध्यापन कार्य किया।विदाई की इस पावन वेला पर विद्यालय परिवार एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा नारायण प्रसाद मेहता को अंगवस्त्र (शॉल), पुष्पमाला और स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई। सभी ने एक स्वर में उनके भावी जीवन के लिए स्वस्थ, सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की ईश्वर से कामना की। सम्मान और अपार स्नेह से अभिभूत होकर शिक्षक नारायण प्रसाद मेहता ने कहा कि सहयोगियों, ग्रामीणों और बच्चों का यह प्यार ही उनकी जीवन भर की असली कमाई है, जिसे वे ताउम्र संजोकर रखेंगे।इस भावनात्मक समारोह के दौरान माहौल में खुशी और बिछड़ने का मलाल दोनों साफ झलक रहा था। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र राणा, राजकुमार मेहता, पिरु मेहता, अश्वनी पांडेय, बब्लू कुमार,सौरभ सिंह, ध्रुव रवानी, सुरेंद्र मेहता सहित पूरा विद्यालय परिवार, भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहकर इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

हाथियों के हमले से 71 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, वन विभाग ने दी एक लाख रुपये की तत्काल सहायता

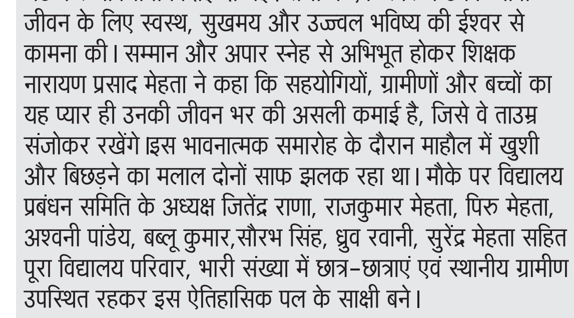

चलकुशा : चलकुशा थाना क्षेत्र के बेडमक्की गांव में शुक्रवार अलसुबह हाथियों के हमले में 71 वर्षीय शंकर पंडित की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक स्वर्गीय दुलार पंडित के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार, शंकर पंडित लगभग 5 बजे सुबह शौच के लिए घर से निकला था इसी दौरान उनका सामना जंगली हाथियों के झुंड से हो गया। हाथियों ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना ग्रामीण रघु यादव ने मुखिया प्रतिनिधि सीताराम पंडित को दी। इसके बाद सीताराम पंडित ने चलकुशा थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार पांडेय और वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। वन विभाग के अधिकारी राकेश सिंह एवं उनकी टीम ने पीड़ित परिवार को तत्काल एक लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि प्रदान की। विभाग ने बताया कि शेष मुआवजे की राशि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएससी के 17वें स्थापना दिवस पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा-

पंचायत स्तर पर मिल रही डिजिटल सुविधाएं, 15 नवंबर तक सभी पंचायतों में आधार सेवा का लक्ष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई) में शुक्रवार को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) का 17वां स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम स्तरीय उद्यमियों को सम्मानित किया गया। साथ ही सीएससी ई-स्टोर और जेएसएलपीएस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का डिजिटल भारत का सपना अब धरातल पर साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाएं अब गांव-गांव तक पहुंच चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों को सरकारी कार्यों के लिए जिला और प्रखंड कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड, आधार, बैंकिंग, जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र जैसी कई महत्वपूर्ण सेवाएं अब पंचायत स्तर पर उपलब्ध हैं। इससे ग्रामीणों के समय, धन और श्रम की बचत हो रही है तथा डिजिटल व्यवस्था ने लोगों का जीवन पहले की तुलना में अधिक सरल बना दिया है।

मंत्री ने कहा कि सीएससी ई-स्टोर और झारखंड राज्य आजीविका प्रोत्साहन सोसाइटी के बीच हुआ समझौता ग्रामीण महिलाओं के लिए नए अवसर लेकर आया है। अब स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार 'पलाश' और 'आदिवा' ब्रांड के उत्पादों की बिक्री सीएससी के ऑनलाइन व्यापार नेटवर्क के माध्यम से होगी। इससे उत्पादों को बड़ा बाजार मिलेगा और महिलाओं की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने ग्राम स्तरीय उद्यमियों से पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि पंचायत भवनों में सीएससी संचालन से लोगों का भरोसा बढ़ा है और राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि पंचायतों में आधार सेवाएं तेजी से शुरू की जा रही हैं। सरकार का लक्ष्य 15 नवंबर, झारखंड स्थापना दिवस से पहले राज्य की सभी पंचायतों में आधार सेवाएं शुरू करना है, ताकि लोगों को आधार संबंधी कार्यों के लिए प्रखंड या जिला कार्यालय नहीं जाना पड़े। उन्होंने कहा कि पंचायती राज विभाग और सीएससी मिलकर डिजिटल पंचायत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। आने वाले समय में पंचायत भवनों के माध्यम से और अधिक सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कार्यक्रम में पंचायती राज निदेशक राजेश्वरी बी., भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) रांची के निदेशक नीरज कुमार, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर सचिव राज कुमार गुप्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, सीएससी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्राम स्तरीय उद्यमी उपस्थित रहे।

किराया विवाद : सरकार और निगम से हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के फिरायालाल चौक के निकट स्थित 15 दुकानदारों की ओर से दुकान के किराया (रेंट) विवाद के समाधान को लेकर दायर रिट याचिका पर शुक्रवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने राज्य सरकार, रांची नगर निगम (आरएमसी) और सदर अस्पताल, रांची से जवाब तलब किया है।

अदालत ने संबंधित पक्षों को यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया कि रांची नगर निगम की ओर से आवंटित इन दुकानों का किराया वसूलने का वैधानिक अधिकार किस प्राधिकरण के पास है। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अनुराग कश्यप ने अदालत में पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि फिरायालाल चौक के निकट रांची नगर निगम ने कुल 35 दुकानों का आवंटन किया था। याचिकाकर्ता रंजीत कुमार सहित अन्य दुकानदारों का कहना है कि वर्ष 2012 तक नगर निगम उनसे नियमित रूप से किराया वसूलता रहा, लेकिन इसके बाद संबंधित दुकानों को अतिक्रमण की श्रेणी में बताते हुए किराया लेना बंद कर दिया गया।

याचिका में यह भी बताया गया कि इस विवाद को लेकर पहले भी उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई थी। वर्ष 2023 में न्यायालय ने उस याचिका को सुनवाई योग्य नहीं माना था।

14वीं जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामला : एल खियांग्ते से तीसरे दिन भी सीआईडी की पूछताछ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

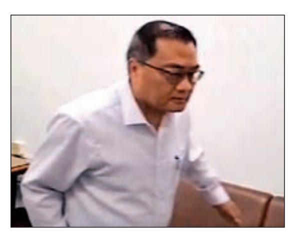

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन सीआईडी मुख्यालय पहुंचे, जहां सीआईडी के अधिकारियों ने भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा संचालन और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को लेकर उनसे विस्तृत पूछताछ की।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सीआईडी दस्तावेजी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है। पहले दिन एल. खियांग्ते से लगभग आठ घंटे और दूसरे दिन करीब नौ घंटे तक पूछताछ की गई थी। इस दौरान अधिकारियों ने भर्ती प्रक्रिया, परीक्षा संचालन, प्रश्नपत्र प्रबंधन, निजी एजेंसी की भूमिका तथा चयन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी ली। तीसरे दिन भी इन्हीं पहलुओं पर पूछताछ जारी रही। जांच के दौरान सीआईडी ने एल. खियांग्ते का पासपोर्ट भी जब्त कर लिया है। जांच एजेंसी का मानना है कि जांच पूरी होने तक यह कदम आवश्यक है, ताकि बिना अनुमति उनके विदेश जाने की संभावना पर रोक लगाई जा सके।

इससे पहले सीआईडी ने नोटिस जारी करने से पूर्व कांके रोड स्थित एल. खियांग्ते के सरकारी आवास और जेपीएससी कार्यालय में उनके कक्ष पर छापेमारी की थी। करीब पांच घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान जांच अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच की और उनसे प्रारंभिक पूछताछ भी की थी। जांच के क्रम में सीआईडी ने जेपीएससी कार्यालय के अलावा परीक्षा संचालन से जुड़ी निजी एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के कार्यालय में भी तलाशी अभियान चलाया।

महादेव उरांव की अवमानना याचिका खारिज हाई कोर्ट ने लगाया 12 लाख रुपये का जुर्माना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने महादेव उरांव की ओर से दायर अवमानना याचिका पर फैसला सुनाते हुए न केवल याचिका खारिज कर दी, बल्कि रिट याचिका में पूर्व में पारित एकल पीठ के आदेश को भी वापस ले लिया। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ने महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया और न्यायालय को गुमराह किया। इसके लिए उस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत ने अपने आदेश में कहा कि रिट याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने प्रतिवादियों से प्राप्त लगभग एक करोड़ रुपये की राशि की जानकारी अदालत से छिपाई। इतना ही नहीं, जिन लोगों का मामला सीधे तौर पर प्रभावित था, उन्हें रिट याचिका में प्रतिवादी भी नहीं बनाया गया। अदालत ने इसे गंभीर तथ्य मानते हुए पहले पारित उस आदेश को वापस ले लिया, जिसमें रातू रोड स्थित मधुकम क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के लिए अंचल अधिकारी (सीओ) को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने शपथ पत्र में गलत और भ्रामक तथ्य प्रस्तुत किए तथा हस्तक्षेपकताओं के साथ हुए धन के लेनदेन की जानकारी भी छिपाई। न्यायालय ने इसे न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग की श्रेणी में माना और 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। आदेश के अनुसार, यह राशि मामले के 12 प्रतिवादियों (पीड़ितों) को एक-एक लाख रुपये के रूप में दी जाएगी। मामले में हस्तक्षेपकताओं की ओर से अधिवक्ता सचिन कुमार और अधिवक्ता गौरव राज ने न्यायालय में पक्ष रखा।

भाजपा के मौन उपवास को कांग्रेस ने बताया राजनीतिक ढोंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के द्वारा दिए गए बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि जिस भाजपा के दस वर्षों के शासनकाल में देश का युवा पेपर लीक, बेरोजगारी और भर्ती घोटालों से सबसे अधिक पीड़ित रहा, वही पार्टी आज छात्रों की सबसे बड़ी हितैषी बनने का नाटक कर रही है। यह राजनीति नहीं, बल्कि बेशर्मी की पराकाष्ठा है। दरअसल शुक्रवार को संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष झारखंड भाजपा के सांसदों ने मौन उपवास किया। वहीं आदित्य साहू ने कहा कि दिल्ली में गला फाड़-फाड़ कर प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस झारखंड के मुद्दे पर किस बिल में घुसी हुई है। उनके इस बयान के बाद दोनों ओर से आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए। सिन्हा ने कहा कि आदित्य साहू को कांग्रेस पर उंगली उठाने से पहले अपने प्रधानमंत्री और भाजपा शासित राज्यों से जवाब मांगना चाहिए कि आखिर देश में बार-बार प्रतियोगी परीक्षाएं के प्रश्न पत्र क्यों लीक हुईं। युवाओं को दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने का वादा क्यों छलावा साबित हुआ। लाखों सरकारी पद आज भी खाली क्यों पड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का मौन उपवास सबसे बड़ा राजनीतिक ढोंग है। संसद परिसर में एक घंटे बैठने से युवाओं को नौकरी नहीं मिलेगी। अगर भाजपा सांसदों में सचमुच हिम्मत है तो वे संसद में केंद्र सरकार से पूछें कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर अब तक निर्णायक कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

मैंने पूरी निष्ठा, समर्पण और संवैधानिक मर्यादाओं के साथ दो साल का कार्यकाल पूरा किया : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में अपने दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर शुभकामना देने आए राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों, विभिन्न समाचार-पत्रों के संपादकों, ब्यूरो प्रमुखों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों तथा लोक भवन परिवार के सदस्यों से आत्मीय संवाद के क्रम में राज्य की जनता के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड की महान संस्कृति, समृद्ध जनजातीय विरासत, प्राकृतिक संपदा तथा यहाँ के परिश्रमी एवं सरल लोगों के बीच कार्य करना उनके सार्वजनिक जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आत्मीय अनुभव रहा है। राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2024 में झारखण्ड की सेवा का अवसर प्राप्त होना उनके सार्वजनिक जीवन का एक नया एवं महत्वपूर्ण अध्याय था, जिसका निर्वहन उन्होंने पूर्ण निष्ठा, समर्पण तथा संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप करने का सतत प्रयास किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का पद केवल एक संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि जनता के विश्वास एवं आकांक्षाओं से जुड़ी एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इसी भावना के साथ उन्होंने अपने कार्यकाल में राज्य के विकास, शिक्षा, युवाओं, किसानों, महिलाओं तथा वंचित एवं कमजोर वर्गों के हितों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी। राज्यपाल ने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान उन्हें राज्य के विभिन्न जिलों, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों का व्यापक भ्रमण करने तथा समाज के विविध वर्गों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का अवसर मिला।

इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया तथा झारखण्ड के लोगों की सरलता, परिश्रमशीलता और आत्मीयता को निकट से अनुभव किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की सराहना करते हुए कहा कि विकास की दिशा में अभी भी सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। संतोष गंगवार ने कहा कि उन्होंने लोक भवन को केवल एक संवैधानिक एवं प्रशासनिक संस्था के रूप में नहीं, बल्कि जनता के साथ संवाद, विश्वास एवं सहभागिता के एक प्रभावी मंच के रूप में विकसित करने का प्रयास किया। समाज के विभिन्न वर्गों, शिक्षाविदों, किसानों, युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं बुद्धिजीवियों के साथ नियमित संवाद का क्रम निरंतर बना रहा तथा आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु लोक भवन के द्वार सदैव खुले रहे।

एक नजर

वनवासी फाउंडेशन ने चलाया पौधारोपण अभियान

रांची : पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने को लेकर शुक्रवार को एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन ने विशेष पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्रों में लीची, आम और अमरूद सहित विभिन्न फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर फाउंडेशन की कार्यकारी अध्यक्षा बबीता जालान ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि अभियान के तहत फलदार, छायादार और उपयोगी पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण करने का संदेश दिया गया। बबीता ने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका पालन-पोषण करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। फाउंडेशन के प्रवक्ता अमित बजाज ने बताया कि अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखना, प्रदूषण कम करना और स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना है। वहीं केंद्रीय प्रमुख संजय साहू ने कहा कि संस्था ग्रामीण और वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर कार्य कर रही है। सभी सदस्यों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

सेक्टर-3 में एचईसी वर्कर्स को बी-टाइप क्वार्टर आवंटित करे प्रबंधन : शनि

रांची : एचईसी श्रमिक संघ के अध्यक्ष शनि सिंह ने एचईसी के निदेशक (कार्मिक) से सेक्टर-3 में खाली पड़े बी-टाइप क्वार्टर एचईसी वर्कर्स को आवंटित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की लंबे समय से मांग रही है कि उन्हें सेक्टर-3 में आवास उपलब्ध कराया जाए। इसलिए एचईसी प्रबंधन जल्द काउंसिलिंग कराकर खाली क्वार्टरों का आवंटन कराए। शनि सिंह ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि निदेशक (कार्मिक) टीए डिवीजन की कमियों को दूर करने और उसकी आय बढ़ाने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में टीए डिवीजन से बेहतर राजस्व प्राप्त होगा, जिससे कंपनी की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि एचईसी परिसर में संचालित सभी स्कूलों में कर्मचारियों के बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसकी जिम्मेदारी कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख प्रशांत कुमार को सौंपी गई है।

आरपीएफ ने आठ लाख का गांजा जब्त किया

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन नार्कोस के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हटिया रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन से 16 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में अज्ञात तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार पोस्ट मुरी की आरपीएफ एस्कॉर्ट पार्टी के प्रभारी उपनिरीक्षक सचिन कुमार ने ट्रेन के एस-4 कोच के शौचालय के पास दो संदिग्ध लावारिस बैग पड़े होने की सूचना आरपीएफ पोस्ट हटिया और फ्लाइंग टीम, आरपीएफ रांची को दी। सूचना मिलते ही टीम सतर्क हो गई और ट्रेन के शुक्रवार की सुबह लगभग 7 बजे हटिया रेलवे स्टेशन पहुंचने पर संबंधित कोच की गहन तलाशी ली गई। आरपीएफ जवानों ने पहले कोच में मौजूद यात्रियों से दोनों बैगों के संबंध में पूछताछ की, लेकिन कोई भी यात्री बैग का दावा करने आगे नहीं आया। इसके बाद दोनों बैगों को सुरक्षा के साथ प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर उतारकर नियमानुसार जांच की गई।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में बारिश के बीच मौसम सुहावना लातेहार सबसे ठंडा, गुड़ाबांधा में सर्वाधिक वर्षा

रांची : झारखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच मौसम सुहावना बना हुआ है। राज्य में न तो तेज गर्मी का असर है और न ही अत्यधिक ठंड महसूस की जा रही है। अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने से सुबह और रात के समय हल्की ठंडक का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इन दिनों राज्य में सबसे सुहावना मौसम लातेहार में दर्ज किया गया है। शुक्रवार को यहां अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री और न्यूनतम 21.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच महज 5.3 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहने से मौसम काफी संतुलित बना हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक तापमान 34 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड हुआ। इसी अवधि में पूर्वी सिंहभूम जिले के गुड़ाबांधा में सर्वाधिक 66.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इधर, राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार सुबह बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप निकलने के बावजूद दिन में हल्की उमस महसूस की गई। शुक्रवार को रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 32.6 डिग्री और न्यूनतम 25.6 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 26.3 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.5 डिग्री और न्यूनतम 25.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 32.8 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मारवाड़ी महाविद्यालय में डॉ. रंजु लाल को दी गई भावभीनी विदाई

रांची : मारवाड़ी महाविद्यालय के महिला प्रभाग की प्रोफेसर इंचार्ज व संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रंजु लाल को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर महाविद्यालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। संस्कृत विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उनके शैक्षणिक व प्रशासनिक योगदान को याद किया गया। समारोह का शुभारंभ छात्राओं मनीषा कुमारी व मीनाक्षी कुमारी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ. इसके बाद विभाग के छात्रों विकास और आशुतोष ने गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावुक बना दिया। मुख्य अतिथि व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि डॉ. रंजु लाल की कार्यनिष्ठा, अनुशासनप्रियता और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने महिला प्रभाग की प्रोफेसर इंचार्ज के रूप में संवेदनशील व कुशल प्रशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। डीएसडब्ल्यू डॉ. तरुण चक्रवर्ती ने कहा कि डॉ. रंजु लाल ने अपने लंबे शैक्षणिक जीवन में समर्पण, अनुशासन और सादगी का अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। उनका शिक्षण और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीय व्यवहार हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर सुमन चौबे, डॉ. सुनीति नायक, डॉ. रीना माथुरी, डॉ. तमन्ना सिंह, डॉ. आशा होरो, डॉ. अनुजा विवेक, डॉ. (लेफ्टी) अवध बिहारी महतो, डॉ. सीमा चौधरी, डॉ. सुमंती तिर्की, संगीता तिग्गा, डॉ. अशोक कुमार महतो, डॉ. अनुभूति श्रीवास्तव, डॉ. लता, डॉ. अभिषेक आर्यन, विनोद कुमार सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी और संस्कृत विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रिनपास की प्रभारी निदेशक को हटाने की मांग कांग्रेस नेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

रांची : रिनपास की प्रभारी निदेशक डॉ. जयति सिमलाई को हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में मंत्री को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस सचिव और सिल्ली विधानसभा प्रभारी मदन कुमार महतो ने किया। उनके साथ प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मृदुल राज, रांची जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष रोहित कुमार साहू, जिला कांग्रेस सचिव मिथिलेश तिवारी, पंकज वर्मा, राजेश कुमार और अन्य नेता मौजूद थे। ज्ञापन में कहा गया है कि रिनपास से जुड़े कथित वित्तीय और प्रशासनिक मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। कांग्रेस नेताओं ने संस्थान की खरीद प्रक्रिया, वित्तीय लेन-देन, मरीजों की भर्ती और निजी कंपनियों के प्रचार-प्रसार से जुड़े मामलों की भी जांच कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि रिनपास राज्य का प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य संस्थान है। ऐसे संस्थान में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। नेताओं ने मांग की कि जांच पूरी होने तक किसी निष्पक्ष और सक्षम अधिकारी को रिनपास का प्रभारी निदेशक बनाया जाए। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने प्रतिनिधिमंडल को मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। कांग्रेस नेताओं ने उम्मीद जताई कि सरकार इस मामले में जल्द फैसला लेगी।

सुमित अग्रवाल हत्याकांड में त्वरित कार्रवाई की मांग, डीजीपी एवं विधायक को भेजा पत्र

रांची : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने रामगढ़ निवासी मारवाड़ी समाज के सदस्य सुमित अग्रवाल की निर्मम हत्या की घटना पर गहरा आक्रोश एवं चिंता व्यक्त करते हुए झारखंड के पुलिस महानिदेशक को पत्र प्रेषित कर हत्याकांड में त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि सुमित अग्रवाल की हाल में निर्मम हत्या कर दी गई, जिससे मारवाड़ी समाज में काफी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। विशेष रूप से रामगढ़ का मारवाड़ी समाज इस घटना से अत्यंत विचलित और मर्माहत है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की इस प्रकार निर्मम हत्या न केवल उसके परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंचाती है,बल्कि समाज में भी असुरक्षा एवं भय का वातावरण उत्पन्न करती है। सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि स्व. सुमित अग्रवाल अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे।

एक नजर

रामनगर उच्च विद्यालय में लाखों की चोरी

चतरा : कान्हाचट्टी प्रखंड स्थित रामनगर उच्च विद्यालय में बीती रात अज्ञात चोरों ने सुनियोजित तरीके से बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देकर विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी। शुक्रवार सुबह जब प्रधानाध्यापक और शिक्षक विद्यालय पहुंचे तो कार्यालय का मुख्य दरवाजा खुला मिला। अंदर का सामान बिखरा पड़ा था और कई महत्वपूर्ण उपकरण गायब थे। घटना की सूचना मिलते ही राजपुर थाना प्रभारी रूपेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि चोर विद्यालय से सीसीटीवी सेट, पांच कंप्यूटर सेट, प्रोजेक्टर, इनवर्टर और साउंड सिस्टम सहित लाखों रुपये मूल्य के उपकरण चोरी कर ले गए। वारदात के दौरान विद्यालय परिसर में तोड़फोड़ भी की गई। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाकर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि विद्यालय जैसी महत्वपूर्ण सरकारी संस्था में चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोगों ने विद्यालयों में रात्रि सुरक्षा बढ़ाने, नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित करने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर 87 हजार की साइबर ठगी

हंटरगंज (चतरा) : साइबर अपराधियों ने अब सोशल मीडिया को ठगी का नया हथियार बना लिया है। हंटरगंज थाना क्षेत्र के खूटहेरा गांव निवासी सूर्यभान साव के नाम और फोटो का दुरुपयोग करते हुए अज्ञात साइबर ठगों ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बना ली। इसके बाद ठग ने उनके दोस्तों और रिश्तेदारों को इमरजेंसी का हवाला देकर रुपये मांगने शुरू कर दिए। झांसे में आकर दो लोगों ने कुल 87 हजार रुपये ठगों के खाते में ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित सूर्यभान साव ने बताया कि वह ओमान में मजदूरी करता है और इन दिनों छुट्टी पर अपने गांव आया हुआ है। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी तस्वीर का इस्तेमाल कर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट तैयार कर लिया। इसके बाद आरोपी ने मैसेंजर और व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों को तत्काल पैसों की जरूरत बताकर संदेश भेजे तथा साथ में फट कोड भेजकर ऑनलाइन भुगतान कराने लगा। इस साइबर ठगी में प्रिंस कुमार ने 27 हजार रुपये और अब्दुल्ला खान ने 60 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर (कोडरमा) : प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में शनिवार को प्रखंड सभागार, जयनगर में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पंचायती राज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, निर्वाचन कार्य, आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम, कृषि, कल्याण, सांख्यिकी सहित अन्य विभागों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से आम जनता तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने नियमित क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की निगरानी करने, लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

बैठक में प्रखंड के सभी विभागों के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय किसान महासभा का बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड के पिपचो में अखिल भारतीय किसान महासभा का जिला स्तरीय बैठक किसान महासभा के जिला सचिव अशोक यादव की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में मुख्य रूप से किसान महासभा के केंद्रीय सदस्य कॉ पुरण महतो उपस्थित थे। किसान महासभा के केंद्रीय सचिव प्रेम सिंह गहलावत, एक्टु बिहार राज्य सचिव आर एन ठाकुर कोडरमा जिला सीपीएम जिला कमेटी सदस्य महेंद्र तूरी मरकच्चो प्रखंड के पपहारा

पंचायत पूर्व पंचायत समिति सदस्य बबीता देवी के निधन पर 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि देकर बैठक की शुरूआत की गई कॉ पुरण महतो ने कहा देश भर में किसानों की समस्या गंभीर है उससे हमारा झारखंड अछूता नहीं है यहां पर किसानों के साथ जमीन लूट की समस्या झेल रहे हैं केंद्र की भाजपा सरकार अपने पूंजीपति मित्रों को किसानों के उपजाऊ भूमि और जल जंगल उनके हवाले कर रही है साथ खाद बीज जमीन संबंधी ऑनलाइन दाखिल खारिज गंभीर सवाल बना हुआ है बड़े पैमाने पर किसान महासभा के द्वारा सदस्यता चला कर सदस्य बनाने की जरूरत है और किसानों के आंदोलन को लेकर प्रखंड अंचल जिला मुख्यालय तक बड़े आंदोलन की जरूरत है ।किसान महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन पंजाब के जालंधर में 20-21 सितंबर को सफल बनाने का निर्णय लिया गया। महासभा के जिला सचिव ने कहा सभी साथियों को जिम्मेवारी लेते हुए सदस्यता अभियान को तेज करने की जरूरत है सदस्यता अभियान चलाते हुए 15 अगस्त के बाद जयनगर प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर किसान और मजदूरों के सवाल को लेकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा किसने की लड़ाई किसान महासभा मजबूती के साथ लड़ेगी जयनगर माले प्रखंड सचिव मुंना यादव ने कहा कोडरमा जिला में डीएपी यूरिया खाद कालाबाजारी पर रोक लगाया जाए उन्होंने आगे कहा किसान मजदूर के सवाल को लेकर पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा भ्रष्टाचार और जमीन लूट के खिलाफ आंदोलन को तेज किया जाएगा बैठक में डोमचांच से बबन मेहता कृष्णकांत मेहता मरकच्चो से सरयू यादव, कोडरमा से शेरू निशा जयनगर से खरियोडीह पंचायत के मुखिया राजेंद्र प्रसाद यादव विजय ठाकुर हकीम खान असगर अंसारी इस्लाम अंसारी भोला यादव रामचंद्र साव, महेंद्र चौधरी, चंद्र देव यादव सलीम अंसारी विनोद दास मुंशी दास विजय कुमार ठाकुर उपस्थित थे।

मिश्रौल साप्ताहिक बाजार टांड़ का होगा सौंदर्यीकरण एक करोड़ की लागत से बनेंगे पेवर ब्लॉक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा (चतरा) : टंडवा प्रखंड के मिश्रौल साप्ताहिक बाजार टांड़ परिसर का जल्द ही सौंदर्यीकरण किया जाएगा। शुक्रवार को स्थानीय जिला परिषद सदस्य देवती देवी, सांसद प्रतिनिधि ईश्वर दयाल पाण्डेय, मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह, मिश्रौल मुखिया सुबेश राम तथा उपप्रमुख जितेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। बताया गया कि यह निर्माण कार्य चतरा सांसद कालीचरण सिंह एवं स्थानीय विधायक उज्ज्वल दास के निर्देश पर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) योजना मद से लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। निर्माण एजेंसी के रूप में जिला परिषद, चतरा कार्य का निष्पादन करेगी। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि बाजार परिसर में पेवर ब्लॉक, पीसीसी सड़क एवं नाली निर्माण कराया जाएगा, जिससे बाजार क्षेत्र अधिक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनेगा। साथ ही

व्यापारियों एवं आम लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा बरसात के दिनों में जलजमाव की समस्या से भी राहत मिलेगी। संवेदक महावीर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे बाजार क्षेत्र का स्वरूप बदलेगा और आने वाले समय में लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर बिमला देवी, बनवारी साव, दुलार साहू, गजेंद्र साव, प्रयाग राम, प्रमोद सिंह, रविन्द्र सिंह, पूनम देवी, शमीम अंसारी, महेंद्र साहू, विजय साव, रबिन्द्र सिंह सहित अनेक ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जन शिकायत निवारण दिवस में अपर समाहर्ता ने सुनी लोगों की समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जन शिकायत निवारण दिवस के दौरान अपर समाहर्ता संजय पीएम कूजूर ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जन शिकायत निवारण दिवस में खातियानी रैयती जमीन पर अवैध कब्जा कर रास्ता अवरुद्ध करने, भूमि से अतिक्रमण हटाने, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी, जमीन पर जबरन पिलर खड़ा करने, पति द्वारा मारपीट और प्रताड़ना, अवैध रूप से फैक्ट्री संचालन तथा जमीन की गलत तरीके से रजिस्ट्री सहित जनहित से जुड़े विभिन्न मामलों के आवेदन प्राप्त हुए।

अपर समाहर्ता संजय पीएम कूजूर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आवेदनों की नियमानुसार जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

जेईई एडवांस में उज्जवल कुमार का शानदार प्रदर्शन, आईआईटी मुंबई में हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बीआर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र उज्जवल कुमार ने जेईई एडवांस-2026 में शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। उज्जवल ने ऑल इंडिया कॉमन मेरिट सूची में 6040वीं रैंक और ओबीसी श्रेणी में 1349वीं रैंक प्राप्त कर देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी मुंबई में प्रवेश हासिल किया है।

उज्जवल ने इससे पहले 10वीं बोर्ड परीक्षा में 88 प्रतिशत और 12वीं में 80 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा साबित की थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह अनुशासन और मेहनत के लिए भी जाने जाते थे। जेईई जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी के दौरान उज्जवल ने लगातार मेहनत की। विद्यालय की टेस्ट सीरीज, शंका समाधान सत्र और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उसकी

तैयारी को मजबूत बनाया।

विद्यालय के निदेशक ओपी राय, उप प्राचार्य नवल किशोर, प्रशासक सुनील कुमार सहित सभी शिक्षक और कर्मचारियों ने उज्जवल की सफलता पर बधाई दी।

निदेशक ओपी राय ने कहा कि उज्जवल की उपलब्धि यह साबित करती है कि लक्ष्य तय कर मेहनत करने से सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि बीआर इंटरनेशनल स्कूल के साथ-साथ पूरे कोडरमा जिले के लिए गर्व का विषय है और अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी।

प्रशासक सुनील कुमार ने कहा कि उज्जवल शुरू से ही जिज्ञासु और मेहनती छात्र रहा है। उसकी लगन और मेहनत को देखते हुए विद्यालय परिवार को उसकी सफलता का विश्वास था।

सफलता के बाद उज्जवल ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और बीआर इंटरनेशनल स्कूल को दिया। उसने कहा कि माता-पिता के सहयोग और शिक्षकों के सही मार्गदर्शन से वह आईआईटी मुंबई तक पहुंच सका।

उज्जवल की सफलता की खबर से परिवार और आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार ने विश्वास जताया कि उज्जवल भविष्य में भी अपनी मेहनत से देश और समाज का नाम रोशन करेगा।

संक्षिप्त खबरें

निजी विद्यालयों की मान्यता पर जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (आरटीई) के तहत निजी विद्यालयों को मान्यता प्रदान किए जाने संबंधी जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के निजी विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त मान्यता आवेदनों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों एवं क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारियों के स्थलीय निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर कुल 10 निजी विद्यालयों के मान्यता संबंधी मामलों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान समिति ने निर्णय लिया कि जिन विद्यालयों में निर्धारित मानकों एवं आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की कमी पाई गई है, उन्हें सभी कमियां दूर करने के लिए एक माह का समय दिया जाएगा। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद पुनः बैठक आयोजित कर विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी और आगे का निर्णय लिया जाएगा। बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश कक्षा में कमजोर एवं वंचित वर्ग के 25 प्रतिशत बच्चों के नामांकन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त रवि आनंद ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निजी विद्यालयों के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी निजी विद्यालयों को विभागीय दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक शैक्षणिक और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा सभी वैधानिक प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सांसद प्रतिनिधि प्रफुल्ल रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार सहित जिला कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मध्य विद्यालय पाण्डेयपुरा के एसएमसी चुनाव पर उठे सवाल

हंटरगंज (चतरा) : हंटरगंज प्रखंड की पाण्डेयपुरा पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय पाण्डेयपुरा में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों ने उपायुक्त, जिला शिक्षा अधीक्षक तथा प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार 29 जुलाई 2026 को प्रधानाध्यापक एवं पर्यवेक्षक की मौजूदगी में अध्यक्ष पद का चुनाव कराया गया, लेकिन चुनाव में विभागीय नियमों का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि पहले से अध्यक्ष रहे एक विवादित व्यक्ति को दोबारा अध्यक्ष बना दिया गया, जबकि नियमों के अनुसार ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। शिकायत में यह भी कहा गया है कि कार्यकारिणी समिति के गठन में पारदर्शिता नहीं बरती गई। एक ही टोला से छह सदस्यों का चयन कर लिया गया, जबकि लगभग 200 घरों वाली पाण्डेयपुरा बाजार बस्ती से बहुत कम लोगों को प्रतिनिधित्व मिला। कई इच्छुक अभिभावकों को चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने से भी वंचित रखा गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया निजी हितों को ध्यान में रखकर संपन्न कराई गई। उन्होंने जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा आवश्यकता पड़ने पर पुनः चुनाव कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ-साथ लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को भी बाध्य होंगे। वहीं, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी किशोर कुमार ने कहा कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी। यदि जांच में कोई भी व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पंचखेरो डैम से मछली चोरी कर बेच देने एवं रंगदारी का लगाया आरोप

मरकच्चो : प्रखंड अंतर्गत पंचखेरो जलाशय योजना के बंदोबस्त धारी विस्थापितों ने मरकचो थाना में आवेदन देकर गुरुवार को कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी हो कि पंचखेरो जलाशय योजना में मत्स्य पालन एवं मत्स्य बीज विपणन का कार्य हेतु श्री लक्ष्मी विस्थापित मत्स्य, जीवी सहयोग समिति लिमिटेड, वर्मा विस्थापित मत्स्य जीवी सहयोग समिति लिमिटेड ,कुशवाहा विस्थापित मत्स्य जीवी सहयोग समिति लिमिटेड, अकोर्शा पुनर्वश मरकच्चो को जिला मत्स्य पदाधिकारी कोडरमा से वर्ष 2021से मार्च 2031 तक 10 वर्षों का बंदोबस्त दिया गया है। बंदोबस्त धारियों के द्वारा जलाशय में डाला गया मछली को सीताराम पासवान, विकास पासवान, ग्राम गोरहांद थाना राजधनवार ,शत्रुघ्न साहनी, रंजीत साहनी ,जयराम साहनी, कुंदन साहनी ,ग्राम मझौल थाना चोरियां बरियार जिला बेगूसराय राज्य बिहार ,श्यामसुंदर राणा इत्यादि सभी लोगों के द्वारा मछली मारकर जबरदस्ती रंगदारी के साथ लगभग 20 से 25 लाख की मछली बेच दिया है। इसी को लेकर तीनों समिति के सचिव के द्वारा मरकच्चो थाना में कानूनी कार्रवाई हेतु आवेदन दिया गया है। वही समिति के सचिव माहेश्वरी कुशवाहा, कामदेव प्रसाद वर्मा, संजय कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से बताया गया कि हम लोग जलाशय में मछली का बीज डालते हैं और उपरोक्त लोगों के द्वारा मछली मारकर रंगदारी कर के बेच दिया गया है। जिससे हम लोगों को काफी नुकसान हुई है।

जरेडा सौर ऊर्जा प्लांट से बैट्री-इन्वर्टर चोरी का खुलासा, पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के सिलदाग पंचायत स्थित भंगिया गांव में झारखंड सरकार की जरेडा योजना के तहत स्थापित सौर ऊर्जा प्लांट से बैट्री और इन्वर्टर चोरी मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपी के घर से चोरी की गई बैटरियों के 48 कवर तथा एक सोलर इन्वर्टर बरामद किया है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई 2026 की सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली थी कि भंगिया गांव में लगे सौर ऊर्जा प्लांट से असामाजिक तत्व बैट्री और इन्वर्टर चोरी कर ले गए हैं। सूचना के सत्यापन के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मंधनिया गांव निवासी अरमान खान के घर में चोरी का सामान रखा हुआ है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने छापेमारी कर अरमान खान को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में लावालौंग थाना में कांड संख्या 50/2026 दिनांक 29 जुलाई 2026 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2), 317(5), 61(2), 351(2) एवं 316(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

कोडरमा में भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, संत रविदास 650वीं जयंती एवं तिरंगा यात्रा की तैयारियों पर हुआ मंथन :अनूप जोशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक शुक्रवार को कोडरमा स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव एवं नरेंद्र पाल ने संयुक्त रूप से किया। बैठक के दौरान नव नियुक्त प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामनाथ सिंह एवं डॉ. नरेश पंडित का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया।

बैठक की मुख्य अतिथि कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित एवं समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाला संगठन है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन के कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी अभियानों में पूरी सक्रियता के साथ भाग लेने का आह्वान किया ।उन्होंने कहा संत रवि दास जी जन्मस्थली से मिट्टी का कलश राँची में आ गया है और यह सभी जिला के द्वारा सभी मण्डल,शक्ति केंद्र और बूथों तक जाएगा ।संत रवि दास जी ने कहा था मन चंगा तो कठौती में गंगा

जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर पार्टी द्वारा उनकी जन्मस्थली से आए पवित्र कलश को प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं बूथ तक पहुंचाया जाएगा। इसके माध्यम से गांव-गांव जनजागरण अभियान चलाया जाएगा और समाज को यह संदेश दिया जाएगा कि भारत की सनातन परंपरा कर्मप्रधान रही है। उन्होंने कहा कि भारत में मूल रूप से जातिवाद नहीं, बल्कि कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था थी। संत रविदास जी, जगद्गुरु रामानुजाचार्य की परंपरा के शिष्य थे तथा वे सदैव राम-राम का स्मरण करते थे। उन्होंने बेगमपुरा जैसे समरस समाज का संदेश दिया तथा मन चंगा तो कठौती में गंगा का अमर संदेश देकर समाज को आंतरिक पवित्रता एवं समरसता का मार्ग दिखाया।

श्री जोशी ने आगामी तिरंगा यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि 10 अगस्त से 14 अगस्त तक जिले के सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। वहीं 13 अगस्त से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान एवं सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रध्वज फहराने का अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर सभी मंडल अध्यक्षों को राष्ट्रीय ध्वज भी उपलब्ध कराया गया।

जिला प्रभारी प्रवीण मेहता ने कार्यकताओं से संगठन की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण एवं संगठन सुदृढ़ीकरण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अनुशासन, सक्रियता एवं सेवा भाव के साथ संगठन के कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया।

नव नियुक्त प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामनाथ सिंह ने सम्मान के लिए पार्टी नेतृत्व एवं जिला संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. नरेश पंडित ने भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे तथा पार्टी की विचारधारा एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। बैठक को पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव, वीरेंद्र सिंह एवं उमेश वर्मा ने भी संबोधित किया। उन्होंने संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया ।कार्यक्रम में जिला मंत्री सुधीर सिंह,रामप्रसाद साव,कार्यालय मंत्री हरि पंडित, अरुण वर्णवाल,विजय वर्णवाल,नितिन मिश्रा, मंडल प्रवासी महेन्द्र यादव, वीरेंद्र स्वर्णकार, मंडल प्रभारी प्रभाकर लाल रावत, सूरज प्रताप मेहता, महेश वर्मा, सुनील सिन्हा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चौपारण पुलिस की बड़ी सफलता, माँ गंगोत्री होटल से हथियार समेत तीन अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : अपराध और अवैध हथियार के खिलाफ चौपारण पुलिस लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए सियरकोनी स्थित माँ गंगोत्री होटल में छापेमारी कर तीन संदिग्ध अपराधियों को अवैध हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30 जुलाई को सूचना मिली थी कि सियरकोनी स्थित माँ गंगोत्री होटल में कुछ संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ ठहरे हुए हैं और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व तथा थाना प्रभारी पंकज कुमार की सक्रिय निगरानी में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान होटल से तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उनके पास से एक देसी रिवाल्वर, 7.65 एमएम के तीन जिंदा कारतूस, एक सफेद रंग की डिजायर कार (बीआर 01डिजी6000), एक बुलेट मोटरसाइकिल (जेएच 02बीजे4723) तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अक्षय यादव (21 वर्ष), प्रिंस कुमार (19 वर्ष) और करण राज (19 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों बिहार के गया जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार प्रिंस कुमार और अक्षय यादव के खिलाफ पहले से हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक नेटवर्क, हथियार के स्त्रोत और चौपारण आने के उद्देश्य की गहन जांच कर रही है। इस संबंध में चौपारण थाना में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, थाना प्रभारी पंकज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक कृष्ण कुमार गुप्ता, कुणाल किशोर, दिग्य प्रकाश, सहायक अवर निरीक्षक बादल कुमार महतो तथा चौपारण थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बोड़ाम प्रखंड सभागार में विदाई समारोह आयोजित

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड कार्यालय सभागार में बीडीओ किकू महतो की उपस्थिति में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान अनुसेवक जितेंद्र कुमार के सेवानिवृत होने पर सम्मानित करते हुए विदाई दी गई। सभी ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए। जीवन में स्वास्थ्य जीवन,खुशहाली के साथ पूरा करने की कामना की गई। वही बोड़ाम में पदस्थापित बीपीओ बंधु महतो,कंप्यूटर ऑपरेटर रस्मिता कुमारी के अन्य प्रखंड में स्थानान्तरण पर बधाई देते हुए विदाई दी गई ।सभी ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए शुभकामनाएं देते हुए विदाई दी गई। कार्यक्रम में बीडीओ किकू महतो,प्रमुख ललिता सिंह, उप प्रमुख संतोषी महतो,पंचायत समिति सदस्य मेनका किस्कु,देवजानी दास, परमेश्वर महतो, प्रखंड कर्मी सुधाकर महतो, अरुण प्रसाद,अजीत कुमार ,नीलम कुमारी,नेहा यादव,पाठक कुंभकार,मिहिर महतो,वीरेंद्र पंडित,नमिता कुमारी सहित प्रखंड के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

बांकादा मध्य विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बने विश्वजीत महतो

पटमदा : बोड़ाम के बांकादा मध्य विद्यालय में आम सभा पूर्व अध्यक्ष तरणी कांत महतो की अध्यक्षता में आयोजित कर प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। इस दौरान अध्यक्ष विश्वजीत महतो,सचिव प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिल कु गिरी,उपाध्यक्ष गुरुवारी सिंह का चयन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार गिरी,ग्राम प्रधान चरण सिंह,सेविका मीरा सिंह,शिक्षक पशुपति महतो,सीता महतो,परेश नाथ महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

आरपीएफ ने चलाया चेकिंग अभियान, 6 पकड़ाए जुर्माना देकर हुए मुक्त

सरिया : हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन में शुक्रवार को चेकिंग अभियान चला गया। इस दौरान रेलवे अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कुल छः व्यक्तियों को पकड़ा गया। इस संबंध में आरपीएफ उप निरीक्षक ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निदेर्शानुसार यह चेकिंग अभियान चलाया गया। पकड़े गए सभी छः लोगों को रेलवे दंडाधिकारी धनबाद के समक्ष ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया। जहां दंडाधिकारी द्वारा निर्धारित जुमार्ना राशि की वसूली के पश्चात पकड़े गए सभी छः लोगों को मुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर यह चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जेपीएससी-जेएसएससी पेपर लीक के विरोध में भाजपा का मशाल जुलूस

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौका : JPSC और JSSC परीक्षाओं में पेपर लीक के मुद्दे पर झारखंड सरकार के खिलाफ भाजपा कार्यकताओं का गुस्सा सड़क पर उतर आया। 31 जुलाई की श्याम भाजपा जिला सरायकेला-खरसावां के चौका मंडल की ओर से चौका मोड़ पर विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। हाथों में मशाल और "भ्रष्ट सरकार इस्तीफा दो" के नारे लगाते हुए कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल जुलूस का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष चामू राम भूंईयां ने किया। मशाल की रोशनी में निकले कार्यकताओं ने पेपर लीक से युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार को घेरा। "युवाओं के साथ धोखा बर्दाश्त नहीं"

जुलूस के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पेपर लीक के कारण लाखों छात्रों की मेहनत बर्बाद हो गई है। सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय मामले को दबाने में जुटी है। नेताओं ने मांग की कि दोषी अधिकारियों और माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई हो, सभी प्रभावित परीक्षाएं रद्द कर फिर से पारदर्शी तरीके से कराई जाएं और छात्रों को मुआवजा दिया जाए। मशाल जुलूस चौका मोड़ से शुरू होकर मुख्य बाजार होते हुए वापस चौका मोड़ पर सभा में तब्दील हो गया। सभा में सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

एसपी मनोज स्वगीर्यारी ने कांड्रा, ईचागढ़ व तिरुलडीह थाना का किया औचक निरीक्षण

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक मनोज स्वगीर्यारी ने शुक्रवार को जिले के कांड्रा, ईचागढ़ एवं तिरुलडीह थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिसिंग व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान थानों की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण, विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा लंबित मामलों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। एसपी ने निरीक्षण के दौरान लंबित कांडों के निष्पादन, वारंट एवं कुर्की की कार्रवाई की प्रगति, थाना रिकॉर्ड के रख-रखाव और पुलिस अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यो का बारीकी से अवलोकन किया। इसके अलावा थाना परिसर की साफ-सफाई, आधारभूत सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने नियमित गश्ती को और अधिक प्रभावी बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने, लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने तथा वारंट और कुर्की की कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए। एसपी ने अपराधियों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई करने के साथ-साथ आम नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जनविश्वास मजबूत करने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी पुलिस पदाधिकारी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य करें।

पेपर लीक के विरोध में भाजपा का मशाल जुलूस, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

कुकड़ू : JSSC और JPSC परीक्षाओं में पेपर लीक को लेकर राज्य भर में भाजपा का विरोध तेज हो गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आह्वान पर कुकड़ू मंडल ने भी सड़कों पर मोर्चा खोल दिया। शाम को भाजपा कुकड़ू मंडल की ओर से विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। हाथों में जलती मशाल और "पेपर लीक सरकार मुदार्बाद" के नारों के साथ कार्यकताओं ने राज्य सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो। जुलूस का नेतृत्व कुकड़ू मंडल अध्यक्ष सुमन मुखजीर्ने किया। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि पेपर लीक प्रकरण में सरकार पूरी तरह विफल रही है और अब चुप्पी साधकर युवाओं के साथ अन्याय कर रही है।

मशाल जुलूस के दौरान भाजपा ने **सरकार से 3 प्रमुख मांगें रखीं:**

निष्पक्ष जांच : JSSC-JPSC पेपर लीक मामले की SIT से जांच कराई जाए। कड़ी कार्रवाई : पेपर लीक में शामिल माफिया और अधिकारियों पर तुरंत कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। इस्तीफा : नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री को तत्काल पद से इस्तीफा देना चाहिए। इस प्रदर्शन में कुकड़ू मंडल के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, मंडल के उपाध्यक्ष, महामंत्री, मंत्री, सोशल मीडिया प्रभारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि जब तक दोषियों को सजा और छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा, भाजपा का यह आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा। पूरे जुलूस के दौरान युवाओं के समर्थन में नारे गूंजते रहे और सरकार के खिलाफ आक्रोश साफ दिखाई दिया।

जिला पुस्तकालय को एंजल्स स्कूल, हजारीबाग की ओर से करीब एक हजार पुस्तकों का दान

हजारीबाग : ज्ञान और शिक्षा के प्रसार की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए हजारीबाग के एंजल्स स्कूल प्रबंधन द्वारा शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित नवनिर्मित जिला पुस्तकालय के लिए करीब एक हजार पुस्तकों का दान किया गया। यह योगदान जिला प्रशासन के पुस्तक दान अभियान को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा पुस्तकालय को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दान की गई पुस्तकों से जिला पुस्तकालय में अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा। विशेष रूप से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए ये पुस्तकें अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने में सहायक बनेंगी।

स्वच्छ रामगढ़। सुन्दर रामगढ़।। कार्यालय नगर परिषद्, रामगढ रामगढ़, झारखण्ड–825101 आपकी भागीदारी हमारी

दूरभाष नं0:– 6553-295014 ई.मेल:-nagarparishadramgarh@gmail.com

वेबसाईट :–http://udhd.jharkhand.gov.in/ULB/Ramgarh/Ramgarh.aspx

-: आम सूचना:-

विषय: निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2025 के अनुपालन हेतु निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2025 के तहत नगर परिशद् रामगढ़ क्षेत्र में निर्माण, विध्वंस, मरम्मत एवं पुनर्विकास से उत्पन्न अपशिष्ट के वैज्ञानिक संग्रहण, परिवहन एवं निपटान हेतु निम्न निर्देश जारी किए जाते हैं:

1. C&D Waste की परिभाषा

ईंट, कंक्रीट, प्लास्टर, लकड़ी, धातु, कांच, प्लास्टिक, मिट्टी, सड़क का मलबा, टाइल्स एवं अन्य सामग्री जो निर्माण/ ध्वस्तीकरण से उत्पन्न हो।

2. सभी नागरिकों, बिल्डरों, ठेकेदारों एवं संस्थाओं के लिए अनिवार्य प्रावधान

क्र॰सं॰	प्रावधन	विवरण	अभियुक्ति
1	पंजीकरण	20 वर्ग मीटर से अधिक का निर्माण /विध्वंस कार्य करने से पूर्व नगर निगम में पंजीकरण कराना अनिवार्य है	
2	पृथक्करण	त्रोत पर ही C&D कचरे को 4 श्रेणी में अलग करें: कंक्रीट/ईंट, मिट्टी/रेत, धातु/लकड़ी/प्लास्टिक, खतरनाक अपशिष्ट	
3	निपटान	C&D कचरा सड़क, नाली, सार्वजनिक स्थल या खाली भूखंड पर नहीं डालें। इसे नगर निगम द्वारा चिन्हित C&D संग्रहण केंद्र / प्रोसेसिंग प्लांट में ही जमा करें	
4	परिवहन	C&D कचरे के परिवहन हेतु ढका हुआ वाहन का उपयोग करें ताकि धूल उड़कर प्रदूषण न हो	
5	अपशिष्ट प्रबंधन योजना	50 टन से अधिक C&D Waste उत्पन्न होने पर कार्य प्रारंभ से पूर्व Waste Management Plan नगर परिशद् में जमा करना होगा	

अतः उक्त नियमों का उल्लंघन करने, खुले में कचरा फेंकने या बिना पंजीकरण कार्य करने पर निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2025 के अंतर्गत पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति / जुर्माना लगाया जाएगा।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद्, रामगढ़।

PR.NO.386353 District(26-27):D

जननायक कपूर्री ठाकुर को एनसीपी नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर के बताए गए मार्गों को आत्मसात करते हुए पर हजारीबाग में एनसीपी नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह एनसीपी के जिला अध्यक्ष महेश ठाकुर, सुनील चंद्रवंशी एवं वेद प्रकाश रवि सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने जननायक की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को याद किया। जिला अध्यक्ष महेश ठाकुर ने कहा कि ₹जननायक कपूर्री ठाकुर गरीबों, पिछड़ों और वंचितों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए किया। आज देश और बिहार को उनके विचारों की सबसे ज्यादा जरूरत है। एनसीपी उनके बताए रास्ते पर चलकर सामाजिक समरसता और समानता के लिए काम करती रहेगी। नेताओं ने कहा कि कपूर्री ठाकुर के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में शिक्षा, रोजगार और समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 02, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi) ,Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

RATE PURPOSE ONLY

Quotation Reference No : BCD/Bld. Div.No.- 02 Ranchi - 06/2026-27

Sealed Quotations are invited for the work

1.	Supplying, Installing, Testing and Commissioning of a Power Distribution Units for Server Rack, Anti Static Flooring for Server Room, Fire Doors, Rodent Repllant System, Water Leakage Detection System, Gas Suppression System for UPS Room, Access Control Devices, Power Distribution Panel, Networked Visual Security Architecture, Physical Access Control System (PACS), Multiple Input Display for server room in the premises of the Honrable's Jharkhand High Court Dhurwa, Ranchi.

for all Materials from Reputed Shop Keepers/ Manufacturers/Suppliers/Retailers/Distributors and Registered B.C.D. Contractors for following items. They should quote their rates for unit mentioned in the table. If they do not deals all of the below mentioned items then they are allowed to quote their rate for part of the items which ever they deals. The rates should be exclusive of all types of Taxes, GST, Contractor's Profit and overhead charges etc. but inclusive of Royalty. All Rates should be exclusive of Labour Cess.

Terms and Condition

1. The quotationer shall furnish Pan,GST registration no., ITR
2. The rate quoted by quotationer shall be firm and final.
3. The undersigned reserves the right to accept or reject/cancel any or all quotations without assigning any reason there of.
4. The Bidder Must submit the Manufacturer Authorization form.

नोट :–

(1) वेबसाईट में ई–कोटेशन प्रकाशन की तिथि : 07.08.2026 के अपराह्न 3:00 बजे।
(2) वेबसाईट में ई–कोटेशन अपलोड की अंतिम तिथि : 08.08.2026 के अपराह्न 3:00 बजे तक।
(3) ई–कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय 10.08.2026 अपराह्न 3:30 बजे।
(4) ई–कोटेशन आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची।
(5) ई–कोटेशन प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 : 7992430721

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer
Building Construction Department,
Building Division No.-02, Ranchi

PR 386368 Building(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग पथ प्रमण्डल हजारीबाग

निविदा आमंत्रण सूचना 01/2026–27 (गैर योजना)

1. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग पथ प्रमण्डल हजारीबाग।
2. परिमाण विपत्र विक्री की तिथि :– दिनांक 17.08.2026 कार्यालय अवधि तक।
3. निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय :– दिनांक 18.08.2026 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 18.08.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र विक्री का स्थान :–
   1 **मुख्य अभियंता या.**पथ निर्माण विभाग अभियंत्रण छात्रावास सं॰ 2, धुर्वा, राँची।
   2 **अधीक्षण अभियंता** पथ निर्माण विभाग पथ अंचल, हजारीबाग।
   3 **कार्यपालक अभियंता** पथ निर्माण विभाग पथ प्रमण्डल हजारीबाग।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :–
   1 **मुख्य अभियंता या.**पथ निर्माण विभाग अभियंत्रण छात्रावास सं॰ 2, धुर्वा, राँची।
   2 **अधीक्षण अभियंता** पथ निर्माण विभाग पथ अंचल, हजारीबाग।
   3 **कार्यपालक अभियंता** पथ निर्माण विभाग पथ प्रमण्डल हजारीबाग।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र0 सं0	अंचल का नाम	प्रमण्डल का नाम	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पुरा करने का समय
1.	हजारीबाग	हजारीबाग	वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत धोबियाडीह से धमना पथ भाया बरही चौक (शहरी बाजार अंश) में साधारण मरम्मति कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5000.00	तीन माह
2.			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत एस0 पी0 कोठी से हजारीबाग पावर स्टेशन (NH=-33) भाया कनहरी हील पथ में विशेष मरम्मति कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	दो माह
3.			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत हुरहुरू मुख्य पथ से बाबा पथ के अंतिम छोर तक पथ में साधारण मरम्मति कार्य।	5,00,000.00	10,000.00	750.00	दो माह
4			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत बड़कागाँव SH-07 पथ से बादम भाया विश्रामपुर चौक पथ में साधारण मरम्मति कार्य।	10,00,000.00	20,000.00	1,250.00	दो माह
5			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत ढेंगुरा मोड़ (SH-07) से ढेंगुरा रेलवे ब्रिज कुद (NH-100) पथ लिंक रोड डामोडीह सिरसी (SH-07) में साधारण मरम्मति कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5,000.00	तीन माह
6			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत हजारीबाग (संत कोलम्बस कॉलेज)–चुरचू–हत्यारी मोड (NH-33) पथ में साधारण मरम्मति कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5,000.00	तीन माह
7			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत पी.डब्लु.डी. पथ से लम्बोदर पाठक के घर के सामने से खिरगाँव होते हुए NH-100 तक विशेष मरम्मति कार्य।	11,00,000.00	22,000.00	2500.00	दो माह
8			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत पलमा–मस्केडीह–चौबे केशवारी पथ के कि0मी0 16.79 में साधारण मरम्मति कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5000.00	तीन माह
9			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत सर्किट हाउस से पी0डब्लु0डी0 पथ भाया एस0पी0 कोठी पथ का साधारण मरम्मति कार्य।	6,00,000.00	12,000.00	1250.00	दो माह
10			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत ईचाक–बरकट्ठा पथ का साधारण मरम्मति कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5000.00	दो माह
11			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत सुलताना (NH-100 पर) से छड़वा (MDR-070) पथ एवं रामनगर कस्तुरीखाप पेलावल, गदोखर लिंक पथ का साधारण मरम्मति कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5000.00	तीन माह
12			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत TOP (NH-100) मुकुन्दगंज (NH-33) भाया लालपुर औरैया पथ का साधारण मरम्मति कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5000.00	दो माह
13			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत विष्णुपुरी से महुडर पथ का साधारण मरम्मति कार्य।	5,00,000.00	10,000.00	750.00	दो माह
14			वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत कोर्रा चौक (NH-100) से जबरा रोड (जिब्राल्टर हाऊस) का साधारण मरम्मति कार्य।	6,00,000.00	12,000.00	1250.00	दो माह
15			**वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत हुरहुरू मुख्य पथ से बाबा पथ के अंतिम छोर तक पथ एवं नाली निर्माण कार्य।**	**12,00,000.00**	**24,000.00**	**2500.00**	**दो माह**
16			**वित्तीय वर्ष 2026–27 में गैर योजना मद् अन्तर्गत सुलताना (NH-100) से छड़वा (MDR-070) पथ एवं रामनगर कस्तुरीखाप–पेलावल–गदोखर लिंक पथ के पथांश में (कदमा) में आर0सी0सी0 गार्डवॉल का निर्माण कार्य।**	**20,00,000.00**	**40,000.00**	**5000.00**	**दो माह**

निविदा की शर्ते :–

(I) आवेदन पत्र के साथ पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड में निबंधन, UCAN रजिस्ट्रेशन, आयकर पैन कार्ड, G.S.T.I.N., आयकर सफाया/निर्धारण प्रमाण–पत्र, स्वच्छ चरित्र प्रमाण–पत्र तथा आवश्यक मशीन एवं उपकरण की सुस्पष्ट अभिप्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

(ii) परिमाण विपत्र का मूल्य भारतीय स्टेट बैंक अथवा राष्ट्रीकृत बैंक द्वारा जारी बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक जो निविदा इआमंत्रण/प्रकाान की तिथि के बाद का हो तथा संवेदक/संवेदक के फर्म के A/c से निर्गत हो के रूप ही स्वीकार्य होगा, तथा किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जायगा। बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक कार्यपालक अभियंता, प॰नि॰वि॰, पथ प्रमंडल, हजारीबाग (EE., RCD, Road Division, Hazaribag) के पदनाम से भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य शाखा, हजारीबाग (Payable at SBI, Hazaribag) में भुगतेय हो।

www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।
E-mail ID – eercdhazari-jhr@nic.in
Tel. No. – 06546-225818

कार्यपालक अभियंता
प॰ नि॰ वि॰, पथ प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 386375 Road (26-27)_D

असहमति तर्कों से हो, उपहास से नहीं

लोकतंत्र में विचारों पर सहमति-असहमति जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक है भाषा की मयार्दा। संसद में उठने वाली हर आवाज देश के लोकतांत्रिक संस्कारों का परिचय देती है। जब किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद के विचारों का उत्तर तथ्यों के बजाय व्यंग्य और उपहास से दिया जाता है, तब प्रश्न प्रश्न उठना स्वभाविक है, यह प्रश्न बौद्धिक विमर्श की गुणवत्ता का है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा लोकसभा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को "गोमूत्र विशेषज्ञ" कहकर संबोधित किए जाने के बाद देशभर के 215 वर्तमान एवं पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों का खुला पत्र इसी व्यापक चिंता को व्यक्त करता है। यह पत्र किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध में नहीं लिखा गया है। वस्तुतः इसका मूल आग्रह यह है कि लोकतांत्रिक असहमति का आधार तर्क, प्रमाण और शिष्ट भाषा होनी चाहिए। संसद की गरिमा भी तीखी आलोचना से अधिक इस बात से बढ़ती है कि आलोचना कितनी तथ्यपरक और मर्यादित रही। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व सरकार से कठिन प्रश्न पूछना है। वह पूछे; इससे कौन उसे रोक रहा है। सरकारी समितियों की संरचना पर सवाल उठाना भी उसका अधिकार है, पर यदि किसी सदस्य की योग्यता या विचारों पर आपत्ति है तो उसे तथ्यों के आधार पर चुनौती दी जानी चाहिए न कि उपहास उड़ाकर! प्रोफेसर वी. कामकोटि का नाम पिछले वर्ष तब चर्चा में आया था, जब उन्होंने गोमूत्र के कुछ संभावित औषधीय गुणों का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक अध्ययनों का हवाला दिया। उनके इन दावों का व्यापक विरोध भी हुआ और समर्थन भी। स्वयं प्रोफेसर कामकोटि ने अपने पक्ष में प्रकाशित शोधपत्रों और वैज्ञानिक अध्ययनों का उल्लेख किया। इनमें 2021 में प्रकाशित एक शोध में गोमूत्र के कुछ पेप्टाइड्स की एंटीमाइक्रोबियल गतिविधि का उल्लेख किया गया था। साथ ही उसी अध्ययन में यह भी स्पष्ट कहा गया कि अन्य संभावित जैविक प्रभावों की पुष्टि के लिए व्यापक और अतिरिक्त अनुसंधान आवश्यक हैं। यही विज्ञान की कार्यप्रणाली है। किसी निष्कर्ष को अंतिम सत्य मानने से पहले उसे लगातार परखा जाता है और नए प्रमाणों के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार किया जाता है। यही कारण है कि विज्ञान में किसी विचार का उत्तर व्यंग्य न होकर शोध, शोध और शोध होता है, अनेक बार तो प्राप्त परिणामों को तब तक संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, जब तक कि पूरी तरह से वैज्ञानिक आधार पर संतुष्ट नहीं हो जाते हैं, इसलिए यदि कोई दावा गलत भी है तो उसे प्रयोगशाला, शोधपत्र और वैज्ञानिक परीक्षण के माध्यम से गलत सिद्ध किया जाता है और यदि उसमें कुछ संभावना मौजूद है तो उसे और अधिक कठोर परीक्षणों से गुजारा जाता है। आज अनेक साक्ष्य इस बात के भी मौजूद हैं कि समय की धार पर अनेक वैज्ञानिक अवधारणाएं प्रारंभ में अस्वीकार्य मानी गईं, लेकिन बाद में प्रमाणों के आधार पर स्वीकार की गईं। वहीं अनेक लोकप्रिय मान्यताएं समय के साथ वैज्ञानिक परीक्षणों में गलत भी साबित हुईं। इसलिए विज्ञान में न तो अंधस्वीकृति का स्थान है और न ही पूर्वाग्रहपूर्ण अस्वीकृति का। हर विचार की कसौटी प्रमाण होते हैं। वस्तुतः वैज्ञानिक समुदाय की यही परंपरा मानव सभ्यता की प्रगति का आधार भी रही है। कहना होगा कि यह सिद्धांत राजनीति पर भी समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र में स्वीकार्य हैं, किंतु व्यक्तिगत उपहास लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता को कम करता है। संसद में प्रयुक्त शब्द देश की सार्वजनिक संस्कृति को प्रभावित करते हैं, इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों पर समान रूप से यह दायित्व है कि वे आलोचना को गरिमा और तथ्यों की सीमाओं के भीतर रखें। आज सांसद प्रियंका गांधी को लिखा गया 215 कुलपतियों और शिक्षाविदों का पत्र इसी सिद्धांत की याद दिलाता है। उनका कहना है कि किसी विद्वान के विचारों से असहमत हुआ जा सकता है, किंतु उसके संपूर्ण शैक्षणिक योगदान को एक राजनीतिक विशेषण तक सीमित कर देना स्वस्थ बौद्धिक संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

सूडोकु नवताल- 7873

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7872 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

पाक अधिकृत कश्मीर में बदलाव की तस्वीर

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में क्षेत्रीय विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के दौरान लगातार हालात हिंसक एवं तनावपूर्ण हुए हैं। रावलकोट और मीरपुर में हिंसा के चलते संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने गोली चलाकर 37 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। मानवाधिकार संगठनों ने पीओजेके के इन हालातों पर गंभीर चिंता जताई है।

गौरतलब है कि जेएएसी पिछले करीब दो माह से पीओजेके की तथाकथित विधानसभा की 12 विवादित सीटों को लेकर आंदोलन चला रही है। संगठन का आरोप है कि ये ह्यशरणार्थी निर्वाचन क्षेत्रह्य उन मतदाताओं को जरूरत से ज्यादा महत्व देते हैं, जो पीओजेके के मूल निवासी नहीं है। इनमें से ज्यादातर की वैधानिक पुष्टि भी नहीं हुई है। पाकिस्तान सरकार इन सीटों के जरिए अपनी पसंद की सरकार चुनवा कर मर्जी का प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। इसी मनमानी को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। इसके अलावा बिजली, सस्ता आटा और अन्य खाद्य सामग्री की कमी भी आक्रोश का कारण बनी हुई है। भारत ने इन इन चुनावों को पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश कहा है। जबकि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है।

पीओजेके में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक तीन चरणों में चुनाव होने हैं। चुनावों में कुल 45 सीटों में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। किंतु गुलाम जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटें मंजूर नहीं हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग जबरदस्त विरोध में उतर आए हैं। इस विरोध के चलते पहले 46 प्रदर्शनकारी और अब मतदान के दौरान 37 लोग मारे जा चुके हैं, सैंकड़ों लोग घायल हैं। पाक आर्मी और पुलिस के इस दमन एवं नरसंहार से आंदोलनकारियों का गुस्सा और भड़क गया है। इस नाराजगी को दबाने के लिए पुंछ, मीरपुर एवं मुजफ्फराबाद में बड़ी संख्या में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए हैं। दरअसल लोगों का गुस्सा इसलिए फूट रहा है क्योंकि ये चुनाव अंतरराष्ट्रीय समुदाय एवं मानवाधिकार आयोग को यह दिखाने के लिए कराए जा रहे हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र का पैरोकार है। लेकिन यह पूरा नाटक फरेब की नौटंकी के अलावा कुछ नहीं है। भारत भी इस चुनाव के विरोध में है। इस विरोध का प्रमुख कारण पीओजेके में विधानसभा की 45 निर्वाचित सीटों में से 12 सीटों का शरणार्थियों के लिए आरक्षित करना है। जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के कारण स्थानीय लोगों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। संगठन लंबे समय से इन सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बन गया है। इस मुद्दे के साथ-साथ आमजन बढ़ती महंगाई, गेहूं और आटे की उपलब्धता में कमी, बिजली दरों में वृद्धि, बेरोजगारी तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारों की मांग को भी आगे बढ़ा रहा है।

दरअसल शरणार्थियों के लिए सीटें आरक्षित करने का मतलब स्थानीय लोगों को जनप्रतिनिधित्व से बहिष्कृत करने का संवैधानिक उपाय पाकिस्तान ने मान लिया है। अतएव ये चुनावी फरेब पीओजेके पर अवैध कब्जे को वैध ठहराने का उपाय भर है। पाकिस्तान इस चुनाव के जरिए यह जताने का उपक्रम कर लेता है कि वह लोकतंत्र का पक्षधर होने के साथ भू-राजनीतिक शक्ति भी है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत को इस चुनावी हथकंडे को राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के परिदृश्य में इसे एक बड़े मुद्दे के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पेश करने के साथ हस्तक्षेप की मांग करने की जरूरत है।

हालांकि पीओके में हुई हिंसा को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाक पर करारा हमला बोला है। कहा है कि पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी ठहराना चाहिए। पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं को छुपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए झूठी खबरों और फर्जी वीडियो का सहारा ले रहा है। जबकि पीओजेके में आर्मी और पुलिस ने बर्बर कार्रवाही की है। हम उम्मीद करते है कि विश्व समुदाय पाक के इन कृत्यों के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा।

इसी बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के गलियारों से ऐसी खबर आई है, जिसने आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक कूटनीति के दोहरे मानदंडों को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान और चीन की साझा और बेहद महत्वाकांक्षी कोशिश को अमेरिका ने पूरी तरह से असफल कर दिया। इन दोनों देशों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसके आत्मघाती दस्ते ह्यमजीद ब्रिगेडह्य को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिस पर अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के साथ मिलकर वीटो लगा दिया है। दिलचस्प बात है कि खुद अमेरिका ने 2019 में बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी घरेलू फॉरेन टेररिस्ट आर्गेनाईजेशन सूची में शामिल किया था। बावजूद वैश्विक मंच पर चीन और पाकिस्तान के इस साझा प्रस्ताव को अमेरिका और उसके पष्चिमी सहयोगियों द्वारा रोका जाना बड़ा कूटनीतिक संदेश है।

यह वही चीन है, जिसने अतीत में भारत और अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकियों को वैश्विक प्रतिबंधित आतंकवादी सूची में डालने से जुड़े कई प्रस्तावों पर वीटों लगा दिया था। सुरक्षा परिषद् का यह घटनाक्रम संकेत देता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सरहदों पर ही नहीं बल्कि बंद कमरों में भी कुटिल कूटनीति के लिए लड़ी जाती है।

पीओजेके में वर्तमान नरसंहार को लेकर ब्रिटेन के 50 सांसदों ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदायों के समक्ष चिंता जताई है। भारत को पीओजेके में उभरे इस आंतरिक संकट और नरसंहार से सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि धूर्त पाकिस्तान इस ओट में अपनी पुरानी और नापाक चालें चलते हुए प्रशिक्षित आतंकियों की भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने की चाल चल सकता है। हालांकि भारतीय खुफिया एजेंसी आईबी ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस अराजकता और खून-खराबे की आड़ में नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ कराकर जम्मू-कश्मीर तथा भारत के अन्य नगरों में हिंसा व अशांति फैलाने की दृष्टि से आत्मघाती हमले करा सकती है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

इधर, पीओजेके में आमजनों पर सुरक्षा बलों की बर्बरता को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उचित ठहराया है। उन्होंने अधिकारों और पहचान दिए जाने की मांग कर रहे कश्मीरियों को भारत जैसा दुश्मन करार दिया है। आसिफ के इस बयान को इस तथ्य की स्वीकार्यता माना जा रहा है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग भारतीय जम्मू-कश्मीर की भूमि का हिस्सा हैं। हकीकत भी यही है। पीओजेके की परिधि में आने वाले गिलगित-बाल्टिस्तान वास्तव में भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य के हिस्सा हैं। बावजूद पाकिस्तान के नाजायज कब्जे में हैं। लेकिन यहां के नागरिकों ने इस बलात कब्जे को कभी नहीं स्वीकारा। यहां तभी से राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं और पाक सरकार इन लोगों पर दमन और अत्याचार का सिलसिला जारी रखे हुए है।

साफ है, पाक की आजादी के साथ गिलगिट-बाल्टिस्तान का मुद्दा जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसदी हिस्सा यहीं है लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्ताल भी कहा जाता है। पाक और बलूचिस्तान के बीच संघर्ष 1945, 1958, 1962-63, 1973-77 में होता रहा है। 1977 में पाकिस्तान द्वारा दमन के बाद करीब 2 दशक तक यहां शांति रही। लेकिन 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर अवैध कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आए, इनमें प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है।

यहां की विधानसभा को अपने बूते कोई कानून बनाने का अधिकार नहीं है। सारे फैसले एक परिषद लेती है, जिसके अध्यक्ष पाकिस्तान के पदेन प्रधानमंत्री होते हैं। लिहाजा चुनाव के बावजूद यहां विद्रोह की आग सुलगी रहती है। यह आग उन सब इलाकों में सुलगी रहती है, जो शिया बहुल हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में शिया और अहमदिया मुस्लिमों समेत सभी धार्मिक अल्पसंख्यक प्रताड़ित किए जा रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन के अप्रतिम : योद्धा बाल गंगाधर जे तिलक

विजय केसरी

स्वाधीनता आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के महान नेता लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का संपूर्ण जीवन स्वाधीनता आंदोलन, समाज सुधार, शिक्षा का प्रचार प्रसार को समर्पित रहा था। वे देश के पहले प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे, जिन्होंने राष्ट्रवाद को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया था। राष्ट्रवाद क्या है? देश के लिए राष्ट्रवाद क्यों जरूरी है? उन्होंने राष्ट्रवाद के विचारों से देश की जनता को रूबरू कराया था। वे अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की स्थापना काल के बड़े नेताओं में एक थे। इसके बावजूद उनकी गिनती गरम दल के नेताओं में होती थी। वे देश के अग्रणी विद्वानों में एक थे। उन्हें बाल कल से ही ब्रिटिश हुकूमत रास नहीं आ रही थी। वे बिल्कुल नहीं चाहते थे कि भारतवर्ष में ब्रिटिश का शासन हो। वे ब्रिटिश हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहते थे। देश में स्वशासन लाना चाहते थे। वे महाविद्यालय छात्र जीवन से ही स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय हो गए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्वाधीनता आंदोलन से जोड़ने में बाल गंगाधर तिलक की महती भूमिका रही थी। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत आगमन के बाद तिलक जी ने ही उन्हें सबसे पहले भारत भ्रमण का परामर्श दिया था। उनके परामर्श के बाद ही महात्मा गांधी भारत का भ्रमण किया था।

हम सबों को यह जानना चाहिए कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के पहले ऐसे लोकप्रिय नेता हुए थे, जिन्हें संपूर्ण भारतवर्ष जानने लगा था। बाल गंगाधर तिलक का देशभर में चल रहे स्वाधीनता आंदोलन पर नजर थी। वे भली भांति जान चुके थे कि ब्रिटिश हुकूमत बड़ी आसानी से देश छोड़ने वाले नहीं है। ब्रिटिश हुकूमत सिर्फ सत्याग्रह और अहिंसात्मक आंदोलन से भागने वाले नहीं है बल्कि उन्हें देश से खदेड़ने लिए खड़ा रूख भी जरूरी है। एक तरफ तिलक जी देश में चल रहे अहिंसात्मक आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे थे। वहीं दूसरी ओर गरम दल के नेताओं के साथ भी संपर्क बनाए हुए थे। वे किसी भी रूप में ब्रिटिश हुकूमत को देश से खदेड़ कर ही दम लेना चाहते थे। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान उन्होंने देशवासियों को जगाने के साथ राष्ट्रवाद की भावना भी भरने का कार्य किया था। मुस्लिम लीग के बड़े नेताओं द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के भाव को बाल गंगाधर तिलक बखूबी समझते थे। इसलिए उन्होंने राष्ट्रवाद की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का काम किया था। अगर देशवासी राष्ट्रवाद के रास्ते नहीं चलेंगे तो ब्रिटिश हुकूमत से देश मुक्ति तो मिल जाएगी लेकिन, मुस्लिम लीग के विचारधारा से संघर्ष एक नया संघर्ष शुरू हो जाएगा। एक दूरदर्शी वह दूरद्दष्टा के रूप में राष्ट्रवाद की अलग को जगाया था।

वे देश के जाने-माने विद्वानों में एक थे। उन्होंने महाविद्यालय की पढ़ाई के दौरान कोर्स की पुस्तकों के अलावा भारतीय दर्शन की किताबों का भी व्यापक रूप से अध्ययन किया था। उन्होंने, गीता, रामायण, महाभारत सहित चारों वेदों और पुराणों का भी अध्ययन किया था। वे पहले दर्जे के ऐसे समाजसेवी थे, जो सीधे रूप से आमजन से जुड़ गए थे। वे जानते थे कि जनता की सेवा से बढ़कर और कोई दूसरी बड़ी सेवा नहीं है। आगे चलकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी तिलक के ही जन सेवा को विस्तार दिया था। वे देश भर में व्याप्त अशिक्षा से बहुत दुःखी रहा करते थे। उनका मत था की जब तक देश में जन-जन तक शिक्षा नहीं पहुंचेगा, देश को आजादी मिलने के बावजूद देशवासी अशिक्षा का गुलाम रह जाएंगे। इसलिए उन्होंने देशवासियों को शिक्षित करने के लिए व्यापक रूप से शिक्षा जागरण का अभियान शुरू किया था।

उन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा।' का ऐतिहासिक नारा दिया था। इस नारा का समग्र देश में बहुत ही अनुकूल प्रभाव पड़ा था। लोग लंबे समय से ब्रिटिश हुकूमत के अधीन रहने के कारण आजादी के मायने भूल गए थे। जबकि सच्चाई यह थी कि स्वराज समस्त देशवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार था, उसे प्राप्त करना देशवासियों का धर्म था। यह नारा आगे चलकर स्वाधीनता आंदोलनकारियों के बीच नई ऊर्जा पैदा कर दी थी। यह नारा समस्त देशवासियों को जागृत करने के साथ जोड़ने का भी काम किया था। महात्मा गांधी ने बाल गंगाधर तिलक को आधुनिक भारत का निमार्ता कहा था। वहीं देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तिलक को भारतीय क्रांति का जनक कहा था।

बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के चिखली गांव में एक मध्यम वर्गीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे मात्र 64 वर्ष की उम्र में 1 अगस्त 1920 को इस दुनिया से विदा हो गए थे। देश की आजादी से 27 वर्ष पूर्व उनका जाना हो गया था। उनकी विदाई से संपूर्ण देश शोक में डूब गया था। उन्होंने अपने जीवन काल में जो राह स्वाधीनता सेनानियों को दिखाई थी, उनके शब्द एक - एक शक्तिमान ऊर्जा बनकर लोगों के दिलों दिमाग में घूमने लगे थे। तिलक के न होने के बावजूद उनके सपनों को साकार करने के लिए देशवासी फिर से स्वाधीनता आंदोलन की दौड़ में पूरी शक्ति के साथ कूद पड़े थे।

वे बचपन से ही गणित और संस्कृत में बहुत तेज थे। अन्याय के खिलाफ वे बचपन से ही निडर थे। उन्होंने पुणे के दक्कन कॉलेज से बीए गणित और संस्कृत किया था। आगे चलकर उन्होंने बॉम्बे यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने भारत के युवाओं में राष्ट्रवादी विचारों को बढ़ावा देने के लिए 1884 में दक्कन एजुकेशन सोसाइटी और 1885 में फर्ग्यूसन कॉलेज की स्थापना की। इसी दौरान उन्होंने जनता को जागरूक करने के लिए दो प्रसिद्ध अखबारों का प्रकाशन प्रारंभ किया था। मराठा नाम से अंग्रेजी में और केसरी नाम से हिंदी में। यह दोनों अखबार बहुत जल्द ही एक राष्ट्रीय अखबार में परिवर्तित हो गए थे। इन दोनों अखबारों के माध्यम से स्वाधीनता आंदोलन सहित राष्ट्रवाद के विचारों को जन-जन तक फैलने का काम किया जा रहा था।

वे 'गरम दल' के प्रमुख नेता थे। वे लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर काम करते थे, जिन्हें 'लाल-बाल-पाल' की त्रिमूर्ति कहा जाता था। वे, लाला लाजपत राय और विपिन चंद्र के साथ कई सभाओं में साथ-साथ क्रांतिकारियों को संबोधित करते रहे थे। उन तीनों क्रांतिकारियों को जोड़ी देशभर में मशहूर हो गई थी। एक बार ब्रिटिश लेखक सर वैलेंटाइन चिरोल ने बाल गंगाधर तिलक भारतीय अशांति का जनक कहा था। इस कथन से तिलक तनिक भी विचलित नहीं हुए थे बल्कि उसी मुस्तैदी के साथ क्रांतिकारियों से मिलजुल रहे थे। उन्होंने 1916 में देश में स्वशासन की मांग के लिए इंडियन होम रूल लीग की स्थापना की थी। उन्होंने देश भर की जनता को एकजुट करने के लिए महाराष्ट्र में गणेश उत्सव और शिवाजी उत्सव मनाने की सार्वजनिक शुरूआत की थी। ये दोनों उत्सव आजादी से पूर्व ही देश भर में लोकप्रिय हो गए थे। ये दोनों उत्सव देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का काम किया था । आज ये दोनों उत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ देशभर में मनाए जाते हैं।

बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के आरोप में 1908 से 1914 तक बर्मा की मांडले जेल में 6 साल की कठोर सजा काटनी पड़ी थी। जेल में रहने के दौरान उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'गीता रहस्य' लिखी, जो कर्मयोग पर आधारित है। लगातार देश सेवा और कठिन जेल यात्राओं के कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया था। 1 अगस्त 1920 को मुंबई में उनका निधन हो गया। बाल गंगाधर तिलक आज हमारे बीच नहीं है। उन्होंने जो देशवासियों को राह दिखाई है, हम सबों को उनके बताएं मार्ग पर चलने की जरूरत है। आज के बदली परिस्थिति में राजनीति कहां से कहां पहुंच गई है? यह बात किसी से छुपी नहीं गई है। बाल गंगाधर तिलक जैसे लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुबार्नी से देश को आजादी मिली थी।

युवाओं के हाथ में अराजकता का झंडा थमाने की विपक्षी रणनीति

संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों का एक गरिमामय इतिहास रहा है। संविधान ने नागरिकों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों को रखने और विरोध दर्ज कराने का मौलिक अधिकार दिया है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में देश की राजनीति में एक खतरनाक प्रवृत्ति देखने को मिली है, जहाँ लोकतांत्रिक आंदोलन की आड़ में उपद्रवी और अराजक तत्व हिंसा फैलाते हैं और राजनीतिक दल अपने संकीर्ण स्वार्थों के लिए उन दंगाइयों-उपद्रवियों को कभी मासूम जनता, मासूम छात्र और युवा या अन्नदाता बताकर देश में अराजकता फैलाने और लोगों को भड़काने की साजिश में जुट जाते हैं। हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों और उपद्रव के दौरान भी यही पटकथा दोहराई गई। उपद्रवियों और हिंसा फैलाने वालों को छात्रों का चोला पहनाकर पूरे देश के युवाओं की संवेदनाओं से खेलने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहला अवसर नहीं है; इससे पूर्व किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शन, और एसआईआर आंदोलन के दौरान भी विपक्ष ने अराजकता फैलाने वालों को ढाल बनाकर अपने राजनीतिक मंसूबों को साधने का प्रयास किया था। इसकी जड़ में जाया जाये तो पता चलता है कि जब-जब देश में बड़े कानून बने या प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम उठाए गए, तब-तब एक खास राजनीतिक तंत्र ने उन सुधारों का रचनात्मक विरोध करने के बजाय सड़कों पर हिंसा और व्यवधान उत्पन्न करने वाली शक्तियों को संरक्षण दिया। सीएए विरोधी आंदोलन, नागरिकता देने वाले कानून को नागरिकता छीनने वाला भ्रम बनाकर देश के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। हिंसा में लिप्त असामाजिक तत्वों के पक्ष में राजनीतिक बयानबाजी की गई।

इसी तरह से किसानों के नाम पर दिल्ली की सीमाओं को महीनों तक घेरा गया, जिससे आम नागरिकों और देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ। 26 जनवरी को लाल किले पर हुई ऐतिहासिक हिंसा और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के दोषियों का बचाव करने में भी राजनीतिक दलों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। जंतर-मंतर पर हालिया प्रदर्शनों के दौरान जब स्थिति बिगड़ी और उपद्रवियों द्वारा सुरक्षा बलों एवं आम जनजीवन को निशाना बनाया गया, तब पुनः वही घिसा-पिटा वृत्तांत गढ़ा गया कि सरकार निर्दोष छात्रों पर अत्याचार कर रही है। उधर, न्यायपालिका ने बार-बार स्पष्ट किया है कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार कानून हाथ में लेने या हिंसा फैलाने का लाइसेंस नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने कई मील के पत्थर साबित होने वाले फैसलों में यह सिद्धांत तय किया है। आंदोलन या विरोध के नाम पर सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले, कानून-व्यवस्था को भंग करने वाले और सार्वजनिक हिंसा में शामिल पूर्व के अपराधियों एवं उपद्रवियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को राजनीतिक दबाव में वापस नहीं लिया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय का यह रुख स्पष्ट करता है कि कानून की नजर में उपद्रवी केवल उपद्रवी होता है, चाहे वह खुद को छात्र कहे या आंदोलनकारी।

बहरहाल, अदालत के इस स्पष्ट और सख्त रुख के बावजूद, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज और अन्य नेताओं ने अदालती प्रक्रिया और फैसलों पर राजनीतिक बयानबाजी की। न्यायपालिका द्वारा आपराधिक मामलों को वापस न लेने के फैसले के खिलाफ जिस प्रकार की तीखी भाषा का प्रयोग किया गया, उसने न्यायिक मयार्दाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। अदालत को एक तरह से राजनीतिक चुनौती देना या सार्वजनिक रूप से दबाने का प्रयास करना न्याय तंत्र की निष्पक्षता पर सीधा हमला है। विपक्ष के वृत्तांत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका दोहरा रवैया और चयनात्मक संवेदनशीलता है। बात पैलेट गन के इस्तेमाल की भी जरूरत है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी संसद से लेकर सड़कों तक पेलेट गन की एक घटना को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचाए हुए हैं और संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहे हैं। निस्संदेह किसी भी नागरिक या छात्र का घायल होना दुखद है और उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लेकिन इस एक घटना को राजनीतिक ढाल बनाकर संसद की कार्यवाही को ठप करना, देश के करोड़ों रुपये और विधायी समय को बर्बाद करना कहाँ तक न्यायसंगत है? दूसरी तरफ, प्रतियोगी परीक्षाओं के तनाव, कोचिंग संस्थानों की लापरवाही और प्रशासनिक कमियों के चलते जब हाल ही में लगभग 21 छात्र-छात्राओं की अकाल मृत्यु (आत्महत्या और दुर्घटनाओं) हुई, तो उस गंभीर त्रासदी पर विपक्ष की ओर से वैसी संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई।

पैलेट गन की घटना पर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही बाधित की, प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं और आक्रामक बयान दिए, जबकि 21 छात्रों की मृत्यु पर सीमित या नाममात्र की बयानबाजी देखने को मिली। पेलेट गन की घटना में नेता पीड़ित के घर पहुँचे या मीडिया में उनके साथ दिखाई दिए, लेकिन 21 मृतक छात्र-छात्राओं के मामले में किसी प्रमुख विपक्षी नेता का परिवारों से मिलने पहुँचना भी आवश्यक नहीं समझा गया। जहाँ एक घटना में सरकार विरोधी माहौल बनाने का प्रयास हुआ, वहीं दूसरी घटना में राजनीतिक लाभ न दिखने के कारण उपेक्षा दिखाई दी। चाहे कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी हो या आम आदमी पार्टी, किसी भी बड़े नेता ने उन 21 मृतक छात्र-छात्राओं के पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका दर्द बाँटना जरूरी नहीं समझा।

दैनिक पंचांग

1 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

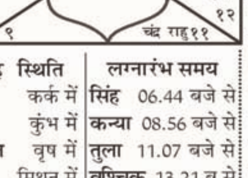

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	08.56 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.07 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.21 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.37 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.42 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.02 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.32 बजे से
		वृष	00.12 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मिथुन	02.10 बजे से
		कर्क	04.24 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 213 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 23.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 20.46 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 23.23 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 10.53 बजे तदनन्तर विष्टि 23.08 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 04' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872788 **जूलियन दिन** 2461253.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 17 **विशेष** जयापावर्ती व्रत समाप्त, 1 से 7 शिशु स्तनपान सप्ताह।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई जारी रखें नियमों का कड़ाई से हो अनुपालन : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले की उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से जिला खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, माइनिंग इंस्पेक्टर, सभी अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध संचालित अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को मेजर एवं माइनर मिनरल्स से संबंधित नियमों का गहन अध्ययन कर उनका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खनिज परिवहन में प्रयुक्त वाहनों एवं चालानों की नियमित एवं सघन जांच की जाए तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा अवैध खनन की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित अधिकारियों को खदानों का नियमित औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोयला चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने, कोयला परिवहन के दौरान सभी वाहनों को अनिवार्य रूप से तिरपाल से ढककर परिवहन सुनिश्चित कराने तथा उल्लंघन की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने सीपीग्राम एवं पीजी पोटल से संबंधित प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही सभी चेकपोस्टों पर नए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना एवं निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने तथा 15 अक्टूबर तक निर्धारित सभी मानकों का पालन करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने कहा कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को नियमित रूप से सघन वाहन जांच अभियान चलाने, रात्रिकालीन गश्ती बढ़ाने तथा खनन विभाग एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त छापेमारी अभियान संचालित करने के निर्देश दिए।

मौत का रास्ता बना एनएच-80, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा किया सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय से महज कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मदनशाही में सड़क की जर्जर हालत ने प्रशासनिक व्यवस्था की पोल दी है। हालत यह है कि सड़क में गड्ढे नहीं, बल्कि गड्ढे में सड़क नजर आ रही है। मिली जानकारी अनुसार मदनशाही की मुख्य सड़क पर कई सौ मीटर के दायरे में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। हाल की बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर जाने से पूरी सड़क तालाब में तब्दील हो गई है। इससे दोपहिया से लेकर चारपहिया वाहनों का चलना तो दूर, पैदल चलना भी दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की यह दुर्दशा नई नहीं है, लेकिन पिछले एक पखवाड़े में स्थिति और भी विकट हो गई है। स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार वाहन सवार गड्ढे में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। बताया जाता है कि कुछ दिन पूर्व जिला प्रशासन के काफिले का वाहन इसी गड्ढे में फंस गया था, जिसके बाद आनन-फानन में मिट्टी और गिट्टी डालकर सड़क को मोटरेबल बनाया गया था। लेकिन कुछ ही दिनों में सड़क की स्थिति फिर से जस की तस हो गई। इधर सूचना मिल रही है कि उक्त सड़क के मरम्मत कार्य की स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। लेकिन जब इस संबंध में स्थानीय लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों से बात की गई तो उन्होंने ऐसी किसी भी गतिविधि से इनकार किया। उनका कहना है कि मौके पर न तो कोई मजदूर दिख रहा है, न ही कोई सामग्री। स्थानीय लोगों ने बताया कि रोजाना दर्जनों वाहन इस गड्ढे में फंसते हैं।

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती अनियमितताओं के विरोध में एबीवीपी का हस्ताक्षर अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, साहिबगंज नगर द्वारा जेपीएससी एवं जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में सामने आई कथित अनियमितताओं, पेपर लीक एवं भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के विरोध में आज साहिबगंज महाविद्यालय के मुख्य गेट पर व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी अभ्यर्थियों ने भाग लेकर राज्य सरकार के विरुद्ध अपना शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर कर यह संदेश दिया कि वे अपने भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं करेंगे तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग पर एकजुट हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने की, जबकि प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इंद्रोजीत साह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि झारखंड के लाखों युवा वर्षों की कठिन मेहनत के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं, लेकिन लगातार सामने आ रही अनियमितताओं ने उनकी मेहनत और विश्वास दोनों को गहरा आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी तथा जब तक दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं होती और भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं बनाई जाती, तब तक परिषद का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। परिषद ने जेपीएससी एवं जेएसएससी परीक्षाओं को तत्काल रद्द कर पूरी प्रक्रिया की सीबीआई जांच कराने, उच्च शिक्षा में स्थानीय छात्रों के लिए तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पद समाप्त नहीं करने, पूरे प्रकरण की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने, भविष्य में पूर्णतः पारदर्शी एवं डिजिटल ऑडिट योग्य परीक्षा प्रणाली लागू करने तथा नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की।

सुहासिनी बेसरा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा शिक्षा व समाज सेवा में योगदान को किया याद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी की धर्मपत्नी एवं शिक्षाविद् स्वर्गीय प्रो. सुहासिनी बेसरा की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को पाकुड़िया स्थित एक निजी स्कूल परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम सहित पार्टी के कई पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि स्व. प्रो. सुहासिनी बेसरा एक कुशल शिक्षाविद्, समाजसेवी और सरल व्यक्तित्व की धनी थीं। शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर झामुमो के वरीय जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, हरिवंश चौबे, जिला सचिव माईकिल मुर्मू, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, जिला संगठन सचिव अनारुद्दीन मियां, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रूहुल अमीन, सांसद प्रतिनिधि कुणाल अल्फ्रेड हेम्ब्रम, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष इशाहक अंसारी, प्रखंड सचिव जेम्स सुशील हेम्ब्रम, प्रखंड उपाध्यक्ष एनामुल हक, हबीबुर रहमान उर्फ पोल्टु, निरोज मड़ैया समेत बड़ी संख्या में झामुमो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उधवा से हजारों कार्यकर्ता गुरु जी के प्रतिमा अनावरण में होंग शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड स्तरीय कमेटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू दा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के जिला युवा सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। बैठक में संगठन के मजबूती के साथ-साथ आगामी 4 अगस्त को साहिबगंज में आयोजित होने वाले ढिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के सफल आयोजन की रणनीति बनाई गई। युवा जिला सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू ने कहा कि जिला स्तरीय बैठक में केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा का सफल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है जिसमें कार्यकताओं को पंचायत स्तर एवं प्रखंड स्तर से कार्यक्रम स्थल तक लाने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा निर्देश प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि उधवा से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एकजुट होकर राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा जी के नेतृत्व में कार्यक्रम में भाग लेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता मान सम्मान के साथ समाज में स्थापित है यह गुरु जी की देन है। प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एवं प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हम सभी को एकत्रित होना है। मौके पर दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

संत रविदास जयंती पर भाजपा का 'समरसता संकल्प अभियान' शुरू, जिला कार्यशाला में बनी रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ने जिले में 'समरसता संकल्प अभियान' का शुभारंभ जिला स्तरीय कार्यशाला के साथ किया। राजापाड़ा स्थित राजवाड़ी परिसर में आयोजित कार्यशाला में 29 जुलाई से 20 फरवरी तक चलने वाले अभियान की रूपरेखा तय की गई। अभियान के तहत जिले के सभी मंडलों और बूथों पर समरसता, सामाजिक सद्भाव और संत रविदास के विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू ने की। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह और दुर्गा मरांडी मौजूद रहीं। बैठक में अभियान के सफल संचालन, संगठनात्मक तैयारियों, जनसंपर्क कार्यक्रमों और मंडल स्तर पर गतिविधियों को प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू ने कहा कि संत रविदास ने समाज को समरसता, समानता, सामाजिक न्याय और मानवता का संदेश दिया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और इन्हें समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकताओं से अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए घर-घर संपर्क, दीप प्रज्वलन, संगोष्ठी, सामाजिक संवाद, सेवा कार्य और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में मंचासीन पदाधिकारियों ने सभी मंडलों में अभियान के प्रभावी संचालन और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि यह अभियान सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री रूपेश भगत ने किया। उन्होंने अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी कार्यकताओं से संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, अनुग्राहित प्रसाद साह, विवेकानंद तिवारी, बृजमोहन चौबे, सोहन मंडल, सुलेमान मुर्मू सहित जिले के सभी मंडलों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में हिसाबी राय ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

एक नजर

दिव्यांग बच्चों की समय पर पहचान का निर्देश

साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों एवं रिसोर्स शिक्षकों/थेरेपिस्टों को प्रसस्त मोबाइल ऐप के माध्यम से विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग कराने का निर्देश जारी किया है। परिषद ने कहा है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत मान्यता प्राप्त 21 प्रकार की दिव्यांगताओं की प्रारंभिक पहचान के लिए यह अभियान चलाया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नामांकित सभी विद्यार्थियों की निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने को कहा गया है। निर्देश के अनुसार 31 जुलाई तक सभी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक प्रसस्त ऐप में लॉगिन कर उपलब्ध प्रशिक्षण सामग्री का अध्ययन करेंगे। इसके बाद 15 अगस्त तक स्क्रीनिंग कार्य की जिम्मेदारियों का वितरण किया जाएगा। 15 अगस्त से 15 सितंबर तक सर्वे पार्ट-1 तथा 1 सितंबर से 31 अक्टूबर तक सर्वे पार्ट-2 पूरा किया जाएगा। स्क्रीनिंग कार्य पूर्ण होने के बाद 1 से 15 नवंबर के बीच चिन्हित दिव्यांग बच्चों की सूची तैयार कर यू-डायस प्लस पोर्टल पर अद्यतन करने का निर्देश दिया गया है।

बाइक दुर्घटना में दो कांवरिये गंभीर घायल, एक रेफर

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलहाट-साहिबगंज के बीच निमार्णाधीन फोरलेन मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को अनियंत्रित होकर बाइक से गिरकर पश्चिम बंगाल के दो कांवरिया गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मुर्शिदाबाद जिले के लालबाग निवासी सनातन मंडल (25) और कनक देव नाथ (26) अपने अन्य साथियों के साथ बाइक से मोती झरना पूजा अर्चना करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान महाराजपुर के पास सड़क पर एक गड्ढे में अनियंत्रित होकर बाइक लेकर घुस गया और दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों घायलों को अन्य साथियों के द्वारा इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी के द्वारा दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति में कनक देवनाथ को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

जहरीला पदार्थ खाने से किशोरी मूर्छित

साहिबगंज : जिले के तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत दूधकोल गांव में शुक्रवार को एक 14 वर्षीय किशोरी गलती से जहरीले पदार्थ खा लेने से मूर्छित हो गई। परिजनों ने बताया कि सुबह गलती से दबा समझ कर घर में रखा जहरीले पदार्थ खा लेने से हालत बिगड़ गया। परिजनों को पता चलते ही आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी के देखरेख में इलाज किया जा रहा है। मामले की जानकारी संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई है।

एससी-एसटी एक्ट केस में घिरे झामुमो नेता सुरेंद्र यादव

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना में एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज होते ही झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सुरेंद्र यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केस दर्ज होने के बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। इसी कड़ी में जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने सुरेंद्र यादव के घर पर छापेमारी की और वहां से उनका लाइसेंसी राइफल और रिवॉल्वर तत्काल जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, जब्त हथियारों के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि फरार सुरेंद्र यादव की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार छापेमारी चल रही है और जल्द ही उन्हें हिरासत में ले लिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

धोखाधड़ी मामले का वारंटी गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेजा गया

पाकुड़ : जिले में धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को पाकुड़ नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पाकुड़ नगर थाना कांड संख्या 118/17 में माननीय न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आलोक में बेलपोखर गांव निवासी अभियुक्त सबिरुद्दीन शेख (पिता-संजुल शेख) को गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शुक्रवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि न्यायालय के वारंटों के निष्पादन को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत फरार वारंटियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई जारी है।

पीछे से हाइवा ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज: जिले के रांगा थाना क्षेत्र के झूमरबाद में शुक्रवार को तेज रफ्तार 16 चक्का हाइवा की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर चकनाचूर हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की तत्परता से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बरहरवा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल की पहचान उज्जवल कुमार साह के रूप में हुई है, जो राजमहल के पलाशडांगा का निवासी है। मिली जानकारी के अनुसार उज्जवल कुमार साह पतना चम्पाडे स्थित एक क्रेशर कंपनी में कार्य करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान झूमरबाद के समीप पीछे से आ रहे तेज रफ्तार 16 चक्का हाइवा (वाहन संख्या एनएल 0 ए-ई 7847) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाइवा और बाइक दोनों झूमरबाद होते हुए खैरबनी की ओर जा रहे थे। इसी बीच तेज गति से आ रहे हाइवा चालक ने लापरवाहीपूर्वक बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक हाइवा के नीचे आ गई और पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हालांकि बाइक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाइक से छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी रांगा थाना पुलिस को भी दी गई। सूचना पर थाना के एएसआई विजय कुमार यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त बाइक तथा हाइवा को जब्त कर थाना ले गए।

लकड़ी माफियाओं द्वारा एक विशालकाय शीशम के पेड़ को अवैध तरीके से काटा

साहिबगंज: जिले के राजमहल अंचल क्षेत्र के मखानी गांव के पास में वन संपदा की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी माफियाओं द्वारा एक विशालकाय शीशम के पेड़ को कथित रूप से अवैध तरीके से काटे जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष है और वन विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, लकड़ी माफियाओं ने बिना किसी वैध अनुमति के दिन-दहाड़े शीशम के पेड़ को काट दिया। आरोप है कि पेड़ काटने के दौरान माफियाओं में न तो प्रशासन का भय दिखा और न ही कानून का। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि यदि अवैध रूप से काटी गई लकड़ी का उठाव किया जाता है, तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन वन माफिया के द्वारा अवैध लकड़ी को रात के अंधेरे का इंतजार था रात होते ही वन माफिया के द्वारा कटे पेड़ को लोड करके लेकर चला जाता है और वन विभाग देखता रह जाता है। हालांकि, स्थानीय सूत्रों का कहना है कि अब तक मौके पर ठोस कार्रवाई नहीं होने से वन विभाग की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई होती तो वन माफिया के द्वारा कटा शीशम का पेड़ पकड़ा जाता परन्तु वन विभाग की लापरवाही से वन माफिया का मनोबल बढ़ता चला जा रहा है। इस मामले में वन माफिया पर कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में अवैध लकड़ी कारोबार करने वालों का मनोबल और बढ़ेगा तथा बहुमूल्य वन संपदा को लगातार नुकसान पहुंचेगा। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि शीशम जैसे बहुमूल्य पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से न केवल प्राकृतिक संपदा का नुकसान हो रहा है, बल्कि पर्यावरण संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई आवश्यक है ताकि वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पाकुड़ तालाब अतिक्रमण मामले में हाईकोर्ट सख्त, अधिकारियों की बढ़ीं मुश्किलें

पाकुड़ : जिले के बहुचर्चित तालाब अतिक्रमण मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए अवमानना वाद में एक और पक्षकार को शामिल कर उसे कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही पूर्व से नामित विपक्षी पक्षों की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने और न्यायालय में उपस्थिति नहीं होने पर भी अदालत ने नाराजगी जताई है। मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त 2026 को होगी। यह मामला अफरोज खान बनाम राज्य झारखंड एवं अन्य शीर्षक से दायर अवमानना वाद (सिविल) संख्या 88/2026 से संबंधित है। यह याचिका वर्ष 2015 में पारित उच्च न्यायालय के आदेशों के कथित उल्लंघन को लेकर दायर की गई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजेश शंकर की एकलपीठ में हुई। 31 जुलाई 2026 को पारित आदेश में न्यायालय ने कहा कि 10 जुलाई 2026 के पूर्व आदेश के बावजूद विपक्षी पक्ष संख्या-3 एवं 4 की ओर से अब तक कारण बताओ हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, उनकी ओर से सुनवाई के दौरान कोई अधिवक्ता भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि अगली तिथि से पहले जवाब दाखिल नहीं किया गया तो संबंधित पक्षों के विरुद्ध उचित आदेश पारित किया जाएगा।

एक नजर

युवक से मारपीट कर तीन हजार रुपए की छिनतई

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-9बी में एक युवक के साथ मारपीट कर 3,000 रुपए छीनने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पीड़ित के पिता रघुनाथ महतो ने हरला थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार 28 जुलाई की रात करीब 7:40 बजे पीड़ित आतिश कुशवाहा अपनी स्कूटी से सेक्टर-4 से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान बोकारो जनरल अस्पताल के सामने से एक अपाचे बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। जब आतिश अपने आवास सेक्टर-9बी, स्ट्रीट-12, क्वार्टर नंबर-337 पहुंचा, तो पीछा कर रहे तीनों युवक भी वहां आ धमके और उसे घेरकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने फोन करके तीन और लड़कों को बुला लिया और मारपीट शुरू कर दिया। हमलावरों में शामिल छोटू यादव ने जेब से 3,000 रुपए निकाल लिए। वहीं बंटी यादव ने आतिश की गर्दन दबाकर मारने की कोशिश की।

दो गैर जमानती वारंटी गिरफ्तार

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। गिरफ्तार वारंटियों में गिद्धौर थाना क्षेत्र के द्वारी गांव निवासी विजय राणा पिता बिनोद राणा तथा सिंदुआरी गांव निवासी विनोद दांगी पिता खिरोधर दांगी शामिल हैं। थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी अभियान में सशस्त्र बल के जवान भी शामिल रहे। थाना प्रभारी ने कहा कि न्यायालय के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसे अभियानों को आगे भी लगातार जारी रखा जाएगा।

नदी किनारे शुरू हुआ वृहद वृक्षारोपण अभियान

टंडवा (चतरा) : टंडवा प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को पशु बाजार से सब्जी मार्केट तक नदी किनारे वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरूआत समाजसेवी मिथिलेश गुप्ता एवं सुभाष दास ने पौधारोपण कर की। वन विभाग की ओर से रेंजर मुक्ति प्रकाश पन्ना के निर्देश पर वनकर्मी फलदार पौधों एवं बांस के गैवियन के साथ स्थल पर पहुंचे। अभियान के तहत नदी तट के किनारे लगभग एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मौके पर उपस्थित लोगों ने कहा कि इस पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि नदी तट की सुंदरता में भी उल्लेखनीय निखार आएगा। वृक्षारोपण से हरित क्षेत्र का विस्तार होगा और भविष्य में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

बोकारो सदर अस्पताल के फिजियोथेरापिस्ट ने ड्यूटी के बाद अपने कक्ष में पंखे से लटककर दी जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कैंप दो स्थित सदर अस्पताल में कार्यरत फिजियोथैरेपिस्ट सेक्टर 1 सी निवासी वीरेंद्र कुमार महतो (42 वर्ष) ने फिजियोथैरेपी कक्ष में गुरुवार की देर रात को पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मामले का खुलासा तब हुआ जब अस्पताल के गार्ड विशाल कुमार ने कक्ष में ताला नहीं लगा देखा और दरवाजा खोल दिया। गार्ड ने देखा कि वीरेंद्र कुमार महतो रस्सी के सहारे पंखे से लटके हुए हैं और उनकी मौत हो चुकी है। घटना की जानकारी तुरंत ही सिविल सर्जन डॉक्टर अभय भूषण प्रसाद और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर एनपी सिंह को दी गई। सूचना पाकर बीएस सिटी थाना के इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास दलबल के साथ अस्पताल पहुंचे। शव को पंखे से नीचे उतारा गया। पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। आसपास के कक्ष का मुआयना किया गया। कक्ष के अंदर से हर प्रकार के सबूत एकत्रित किये गये। शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसके बाद पोस्टमार्टम के आधार पर आगे की जांच की जाएगी। जानकारी के अनुसार वीरेंद्र कुमार महतो सदर अस्पताल में बतौर फिजियोथैरेपिस्ट पदस्थापित है। सेक्टर 1 से स्थित आवास में परिवार के साथ रहते हैं। दो-तीन दिन पहले गोमिया स्थित अपने गांव गए थे। इसके बाद गुरुवार को सुबह सीधे सदर अस्पताल स्थित अपने कार्य स्थल फिजियोथैरेपी कक्ष में चले गए। सुबह 9:00 बजे से लेकर शाम 3:00 तक कक्ष में काम किया। इसके बाद 3 बजे निकल गए घर भी नहीं गए। इसके बाद कब वापस लौटे किसी को पता नहीं चला। वीरेंद्र फिजियोथैरेपी कक्ष में प्रवेश करने के बाद दरवाजा अंदर से सटा दिया और रस्सी के सहारे पंखे से लटक गए।

देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने अस्पताल में साथ काम काम करने वाले कर्मचारियों से संपर्क किया। कर्मचारियों का एक दल तुरंत सिटी इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास को मामले की जानकारी दी। दास ने वीरेंद्र के मोबाइल को ट्रैकिंग पर डाला ट्रैकिंग से पता चला कि सदर के आसपास मोबाइल चालू अवस्था में था, जो अभी स्विच ऑफ बता रहा है। इधर-उधर खोज करने के दौरान ही गार्ड को अस्पताल में खोजने को लगाया गया। इसी दौरान गार्ड ने फिजियोथैरेपी कक्ष में वीरेंद्र को लटकता पाया।

पुलिस मामले की जांच में जुट गई है सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चल रहा है कि वीरेंद्र शाम 5:30 बजे के आसपास अस्पताल में पुनः प्रवेश किया। जानकारी अभी मिल रही है कि वीरेंद्र ने अपने अकाउंट से मोबाइल के जरिए अपनी पत्नी के अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करने के बाद मोबाइल को स्विच ऑफ कर दिया था। घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। बीएस सिटी थाना के इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाल जा रहा है। मोबाइल के सहारे भी जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिर क्या वजह है कि वीरेंद्र ने आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठाया। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि वीरेंद्र शांत स्वभाव और कार्य के प्रति ईमानदार कर्मचारी थे। कभी तनाव में नहीं देखा। अचानक इस तरह की घटना समझ से परे है। पुलिस जांच कर रही है।

ठेकेदारों ने रॉयल्टी नीति के खिलाफ उपायुक्त को सौंपा मेमोरेंडम, कार्रवाई का आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के ठेकेदार संघ ने शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय के बाहर सरकार की नई रॉयल्टी नीति के खिलाफ जमकर विरोध जताया और उपायुक्त को एक लिखित मेमोरेंडम सौंपा। ठेकेदारों ने कहा कि 27 अप्रैल 2026 को पारित किए गए बजट में रॉयल्टी संबंधी प्रावधानों ने ठेकेदारों के हितों का अनदेखा किया है और उनसे बिना मीनिंग चालान के बिल पास न करने की धमकी से उनके कामकाज पर भारी प्रभाव पड़ा है। संवेदक संघ के कार्यकारी मुरली चौधरी ने बताया कि झारखंड में मीनिंग घाट का चलन मौजूद ही नहीं है और बालू घाटों के ठेका भी नहीं निकाले गए हैं। फिर भी ठेकेदारों से कहा जा रहा है कि मीनिंग का चालान न देने पर उनके किसी भी बिल को पास नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कारण ठेकेदारों को भुगतान में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।

ठेकेदारों का आरोप है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे डीएमएफटी एवं अन्य परियोजनाओं पर संयुक्त चार्ज लगाए जाने के कारण भुगतान प्रक्रिया लंबी हो रही है। इस वजह से भुगतान प्राप्त करने में चार-पांच महीनों तक की देरी होती है, जिससे कई ठेकेदारों को कर्ज लेना पड़ता है और कुछ की घरेलू जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। ठेकेदारों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानी जातीं, वे आने वाली सरकारी निविदाओं का बहिष्कार करेंगे।

उपायुक्त ने ठेकेदारों से कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा की जा चुकी है और एक सप्ताह के भीतर इस पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। ठेकेदारों ने उपायुक्त के आश्वासन को स्वागतयोग्य बताया पर कहा कि वे नजरबंदी की निगाह से परिणाम की प्रतीक्षा करेंगे।

कार्यक्रम में मुरली चौधरी, अशोक कुमार, मनोहर नायक, राजकुमार पांडे, विनोद कुमार, सत्येंद्र कुमार, दूबे केवट, आशीष कुमार नायक, नरेंद्र महतो, टेक्लाल नायक, पवन नायक, वासुदेव नायक, महाराज सिंह चौधरी, देवांत कुमार, सुभाष सिंह, रहीम अंसारी, माथुर मंडल सहित बोकारो जिला ठेकेदार संघ के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

रोजगार की तलाश में ओडिशा गए मजदूर की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रोजगार की तलाश में घर से दूर जाना चंद्रपुरा प्रखंड के तुरियो पंचायत के एक परिवार के लिए दुखद साबित हुआ। काड़ामारा गांव निवासी 35 वर्षीय विजय सिंह की ओडिशा के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। शुक्रवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

ग्रामीणों के अनुसार विजय सिंह पिछले तीन महीने से ओडिशा के झारसुगुड़ा स्थित रूंगटा संस प्राइवेट लिमिटेड स्टील प्लांट में मजदूरी का काम कर रहा था। पिछले दो दिनों से उसकी तबीयत खराब थी। बुधवार सुबह अस्पताल से उसने वीडियो कॉल के माध्यम से अपनी पत्नी से बातचीत भी की थी। इसके बाद शाम में उसकी मौत की सूचना परिजनों को मिली।

मृतक की पत्नी ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण विजय रोजगार की तलाश में ओडिशा गया था। वह मेहनती व्यक्ति था और परिवार का पालन-पोषण करने के लिए कठिन परिस्थितियों में भी काम करता था।

परिजनों ने बताया कि विजय का घर भी काफी जर्जर स्थिति में है। खपड़ैल कच्चा मकान गिरने के कगार पर है, जिस कारण उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी। विजय सिंह अपने पीछे पत्नी, तीन बेटियों और एक बेटे को छोड़ गया है। उसकी मौत के बाद चार छोटे बच्चों और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसके पिता की भी करीब छह साल पहले मौत हो चुकी है।

चिन्मय विद्यालय में एनसीसी मासिक प्रशिक्षण आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थी राष्ट्रीय कैडेट कोर के माध्यम से अनुशासन के गुण सीख रहे हैं। विद्यालय में एनसीसी यूनिट 1 - नेवल यूनिट है, जहां विद्यार्थी नौसेना प्रशिक्षण, अनुशासन और नेतृत्व के गुण सीखते हैं। बुधवार, 29 जुलाई को विद्यालय में एनसीसी का मासिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें नौसेना के पेटी ऑफिसर एस. के. गुप्ता एवं पेटी ऑफिसर अमित सिंह उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थी कैडरों को नौसेना से जुड़ी बारीकियों के बारे में विस्तार से बताया एवं उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा एवं वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार उपस्थित रहे। साथ ही, विद्यालय के एनसीसी कॉर्डिनेटर प्रांजल साकिया भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने एनसीसी के विद्यार्थियों को सब-नेविगेशन और दिशा-निर्देश, भारतीय नौसेना में कैसे शामिल हों, सशस्त्र बल, जहाज, पनडुब्बी और विमानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्र कैडरों को अनुशासन की भी बारीकियों के बारे में बताया एवं उनसे ड्रिल भी कराई। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी अपनी रुचि एवं जिज्ञासा से जुड़े सवाल पूछे और भारतीय नौसेना के बारे में जाना।

फिजियोथेरेपिस्ट बीरेंद्र महतो की मौत मामले में पूर्व विधायक लम्बोदर महतो ने जांच की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो सदर अस्पताल के फिजियोथेरेपी विभाग में कार्यरत फिजियोथेरेपिस्ट बीरेंद्र महतो की मौत को लेकर गोमिया के पूर्व विधायक लम्बोदर महतो ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने मौत को संदिग्ध बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

इस मामले को लेकर शुक्रवार को पूर्व विधायक ने अस्पताल प्रबंधन, जिला प्रशासन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अधिकारियों से विस्तृत बातचीत की। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

पूर्व विधायक ने एनएचएम अधिकारियों से बातचीत के दौरान मामले की जांच और परिवार को सहायता उपलब्ध कराने की मांग रखी। वार्ता के बाद कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी।

सहमति के अनुसार, मृतक के परिवार के एक सदस्य को 15 अगस्त 2026 से पहले योग्यता के अनुसार आउटसोर्सिंग के माध्यम से अस्थायी रोजगार उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। वहीं, मृतक के पुत्र शैलेश की फिजियोथेरेपी की पढ़ाई पूरी होने के बाद एनएचएम के तहत सदर अस्पताल बोकारो में नियुक्ति के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने की बात कही गई है।

पूर्व विधायक लम्बोदर महतो ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा और मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

जेजे एक्ट के दायित्वों से इतर आवासीय विद्यालय पहुंची बाल कल्याण समिति

हंटरगंज (चतरा) : कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय, हंटरगंज में शुक्रवार को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम ने औचक निरीक्षण कर छात्रावास, भोजन, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक बनवारी रजक अनुपस्थित मिले, जबकि छात्र-छात्राओं ने छात्रावास की जर्जर स्थिति, बारिश के दौरान छत से पानी टपकने तथा मूलभूत सुविधाओं की कमी की शिकायत की। सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष नर्मदेश्वर सिंह के नेतृत्व में पहुंचे निरीक्षण दल में संरक्षण पदाधिकारी आलोक कुमार शर्मा, सदस्य प्रियंका अधिकारी, मुकेश पांडेय तथा कल्याण पदाधिकारी दिनकर कुमार शामिल थे। टीम ने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों के संबंध में संबंधित विभाग को विस्तृत प्रतिवेदन भेजकर आवश्यक कार्रवाई की अनुशंसा किए जाने की बात कही गई। सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष नर्मदेश्वर सिंह ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा एवं बेहतर आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां सामने आई हैं, उनकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को भेजी जाएगी, ताकि आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। यहां उल्लेखनीय है कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत बाल कल्याण समिति एक वैधानिक निकाय है, जिसके प्रमुख दायित्व देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के मामलों में संरक्षण, पुनर्वास, सामाजिक पुनर्स्थापन तथा अधिनियम के अनुरूप आदेश पारित करना है। वहीं सरकारी आवासीय विद्यालयों के प्रशासनिक संचालन, भवन अनुरक्षण, आधारभूत संरचना एवं नियमित शैक्षणिक व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं जिला प्रशासन के अधीन होती है। ऐसे में आवासीय विद्यालय के इस निरीक्षण ने बाल कल्याण समिति की वैधानिक भूमिका तथा संबंधित विभागों की प्रशासनिक जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा को भी जन्म दिया है। अब संबंधित विभाग द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन पर की जाने वाली कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर प्रखंड सभागार में शुक्रवार को पोषण सखियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इटखोरी परियोजना अंतर्गत गिद्धौर प्रखंड की सभी पोषण सखियों एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं के लिए समर अभियान के तहत किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता जिला समाज कल्याण विभाग, चतरा के जिला क्षेत्रीय प्रबंधक शंभू बड़ाईक ने की। उन्होंने बताया कि समर कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रत्येक माह पोषण ट्रैकर में चिन्हित कुपोषित बच्चों के प्रबंधन, उपचार एवं उनकी नियमित निगरानी की जा रही है। उन्होंने समर एप्लीकेशन में बच्चों का सूचीकरण, पाक्षिक फॉलोअप तथा बच्चों के विकास की सतत मॉनिटरिंग की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों से छूटे हुए बच्चों का गूगल लिंक के माध्यम से पंजीकरण, पोषण ट्रैकर के प्रभावी उपयोग तथा कुपोषण मुक्ति अभियान को सफल बनाने के विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर महिला पर्यवेक्षिका शांति देवी सहित गिद्धौर प्रखंड की सभी पोषण सखी एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कुपोषण उन्मूलन, बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

सिमरिया थाना दिवस में 7 मामलों की सुनवाई

सिमरिया (चतरा) : सिमरिया थाना परिसर में शुक्रवार को एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में श्थाना दिवसश का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे फरियादियों ने भूमि विवाद, आपसी रंजिश एवं अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। थाना दिवस में कुल 7 मामले सामने आए, जिनमें दोनों पक्षों की मौजूदगी में 4 गंभीर भूमि विवादों का मौके पर ही शांतिपूर्ण निपटारा कर दिया गया। प्रशासन की इस पहल से फरियादियों ने राहत की सांस ली। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि शेष 3 मामलों को समीक्षा के लिए सुरक्षित रखा गया है। आवश्यक जांच के बाद इन मामलों में भी जल्द कानूनी प्रक्रिया पूरी कर निष्पादन किया जाएगा। एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब ने भूमि एवं आपसी विवादों के मामलों में त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि आम जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से थाना दिवस आयोजित किया जाएगा, ताकि लोगों को छोटे-मोटे विवादों के समाधान के लिए बार-बार थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर राजस्व अंचल निरीक्षक अमर लाल, अमीन रविंद्र कुमार, शिवनाथ राम, पुलिसकर्मी विकास कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं फरियादी उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी तेज कान्हाचट्टी में हुई आदिवासी समाज की बैठक

कान्हाचट्टी (चतरा) : आगामी 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के सफल आयोजन को लेकर कान्हाचट्टी प्रखंड के कोल्हेया पंचायत अंतर्गत ग्राम डुमरिया कोटाप स्थित फाड़ी आम के पास आदिवासी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लखन सिंह भोक्ता ने की। बैठक में आदिवासी समाज के प्रखंड अध्यक्ष सिकेंद्र खरवार, संरक्षक बैजनाथ सिंह भोक्ता तथा सलाहकार डॉ. प्यारेलाल भोगता सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त को आयोजित होने वाले विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में समाज के लोग शामिल होंगे। इसके लिए गांव-गांव जाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने और लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने पर जोर दिया गया। बैठक में जल, जंगल और जमीन के अधिकार तथा वन पट्टा प्राप्त करने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। साथ ही आदिवासी समाज की विलुप्त होती पारंपरिक संस्कृति, लोकनृत्य, लोकगीत और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष बल दिया गया। प्रखंड स्तर पर आदिवासी समाज की एकजुटता को और मजबूत बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को कान्हाचट्टी में सरना समिति की अगली बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसमें प्रखंड के बेंगो कला, कोल्हेया, तुलबुल, मदगड़ा सहित सभी पंचायतों के आदिवासी समुदाय के अगुवा साथियों एवं प्रखंड समिति के पदाधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की गई। बैठक में कोटाप, डुमरिया, बिरलुटुदाग, हेमरा, लुट्टा, छेवटा सहित विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में आदिवासी महिला एवं पुरुष शामिल हुए।

बीएसएल में फॉरवर्ड थीम पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र द्वारा फॉरवर्ड झ फोर्जिंग ऑपरेशनल रिजल्ट्स विद अकाउंटेबिलिटी, रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड डिसिप्लिन विषय पर एक लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संयंत्र के 290 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में बीएसएल के निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशक सहित अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम के माध्यम से बीएसएल शीर्ष प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच पारदर्शी संवाद, विश्वास तथा जवाबदेही और अनुशासन की संस्कृति को और सुदृढ़ बनाने हेतु एक सशक्त मंच प्रदान किया गया। अपने उद्बोधन में शीर्ष प्रबंधन ने सुरक्षा, गुणवत्ता, लागत और समयबद्ध आपूर्ति की अहमियत को रेखांकित किया और कहा कि संसाधनों के इष्टतम उपयोग, निरंतर नवाचार और टीम वर्क के माध्यम से ही सतत परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। कर्मचारियों को व्यक्तिगत प्रयासों को सांगठनिक लक्ष्यों के साथ प्लांट परफॉर्मेंस में एक्टिव रूप से योगदान देने के लिए लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान फॉरवर्ड थीम के मूल तत्वों झ वार्षिक व्यवसाय योजना 2026-27 के लक्ष्यों पर फोकस, संसाधनों का इष्टतम उपयोग, नवाचार व टीम वर्क, सुरक्षा व गुणवत्ता के प्रति जवाबदेही तथा निष्पादन में अनुशासन झ पर विस्तार से चर्चा की गई। इस संवाद सत्र के माध्यम से कर्मियों ने शीर्ष प्रबंधन के साथ सीधे जुड़कर अपने सुझाव साझा किए तथा उत्पादकता एवं कार्यस्थल उत्कृष्टता से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की सहभागितापूर्ण कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से वार्षिक व्यावसायिक लक्ष्यों को हासिल करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। संवाद और सामूहिक स्वामित्व को प्राथमिकता देने की यह पहल संयंत्र के मानव संसाधन को एकजुट कर परिचालन दक्षता, अनुशासित निष्पादन और सतत प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो इस्पात संयंत्र में 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे 66 कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी सेल) एवं कार्यकारी अधिशासी निदेशक (संकार्य) उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री सेल) तथा मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के साथ संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। जुलाई 2026 में बोकारो स्टील प्लांट से कुल 12 अधिशासी एवं 54 अनधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। समारोह के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएँ) द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया। बोकारो स्टील प्लांट के यातायात/कच्चा माल विभाग में कार्यरत मुख्य महाप्रबंधक (यातायात/कच्चा माल) श्री मनोज कुमार टंकी के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी ने बोकारो स्टील प्लांट में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में 6000 करोड़ की लागत से लगेगा स्टील प्लांट, रोजगार और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट को बढ़ावा

पटना (एजेंसी) बिहार में लगातार उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है. ऐसे में गयाजी जिले में 6000 करोड़ रुपये से स्टील प्लांट लगाने की प्लानिंग की गई है. इसके लिए उद्योग विभाग और महाशक्ति ग्रुप के बीच एमओयू भी साइन किया गया है.: बिहार के गयाजी में स्टील प्लांट लगाया जाएगा. इसके लिए 6000 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे. गयाजी में बड़े एकीकृत इस्पात लगाने के लिए उद्योग विभाग और महाशक्ति ग्रुप के बीच एमओयू साइन किया गया है. प्रस्तावित परियोजना की उत्पादन क्षमता 1.0 से 1.5 मिलियन टन प्रति वर्ष होगी. परियोजना से हो सकेगा ये फायदा बिहार के लिए यह परियोजना बेहद खास मानी जा रही है. इस परियोजना से राज्य में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और निवेश को नई गति मिलेगी. साथ ही सहायक और लघु उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती भी मिल सकेगी. इस परियोजना को लेकर सीएम सम्राट चौधरी ने विश्वास जताया है कि इससे राज्य के औद्योगिक विकास के नए अध्याय की शुरूआत हो सकेगी. इस वजह से निवेश हो रहे आकर्षित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि बिहार सरकार राज्य में उद्योगों के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है. निवेशकों को बेहतर आधारभूत संरचना, पारदर्शी नीतियां और त्वरित प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे राज्य में बड़े निवेश आकर्षित हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि स्टील परियोजना के स्थापित होने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे. सीएम सम्राट ने जताया ये विश्वास मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी , उद्योग विभाग और निवेशक संस्थानों के एकसाथ प्रयासों से यह परियोजना निर्धारित समय सीमा में आगे बढ़ेगी और राज्य के औद्योगिक विकास के नए अध्याय की शुरूआत करेगी. यह कदम राज्य को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकेगा.

बिहार के इन 25 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश की चेतावनी, बिजली गिरने की भी संभावना

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम का मिजाज इन दिनों खुशनुमा बना हुआ है. इस बीच आज राज्य के 25 जिलों में आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. इस दौरान बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है. बिहार में इन दिनों कहीं बारिश तो कहीं लगातार बादलों की आवाजाही जारी रह रही है. ऐसे में राज्य के 25 जिलों में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में तेज बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई है. इस दौरान बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है. इन 25 जिलों में मौसम विभाग का अलर्ट मौसम विभाग ने जिन जिलों में अलर्ट जारी किया है, उनमें कैमूर, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, सारण, सिवान, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर, बांका और जमुई शामिल है. बिगड़े मौसम के दौरान लोगों से सावधान रहने की भी अपील की गई है. इन जिलों में रहेगा ज्यादा प्रभाव मौसम विभाग की माने तो, आज मॉनसून का प्रभाव पूर्वी चंपारण, सुपौल, अररिया, किशनगंज, कटिहार, बांका और कैमूर में ज्यादा रह सकता है. इन जिलों में भारी से भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है. बुधवार को पटना, बेतिया समेत कई जिलों में बारिश दर्ज की गई.

भगवा चोला, दानपेटी और संसद में 'शॉर्ट प्ले', पप्पू यादव का अनोखा प्रदर्शन, राहुल गांधी ने भी दिया दान

पटना (एजेंसी) राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर सांसद पप्पू यादव ने संसद परिसर में अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया. भगवा चोला पहनकर और हाथ में दानपेटी लेकर पहुंचे पप्पू यादव ने प्रतीकात्मक 'शॉर्ट प्ले' किया, जिसमें राहुल गांधी समेत कई विपक्षी सांसद भी शामिल हुए. संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया. राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी के आरोपों को लेकर वह भगवा चोला पहनकर और साधु के वेश में संसद भवन पहुंचे. उनके हाथ में एक दानपेटी भी थी, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. संसद परिसर में किया प्रतीकात्मक प्रदर्शन पप्पू यादव संसद परिसर में बैठकर विरोध जताने लगे. इस दौरान उन्होंने एक प्रतीकात्मक 'शॉर्ट प्ले' भी किया. वह पुजारी की भूमिका में नजर आए और वहां मौजूद सांसदों से दान लेना शुरू किया. प्रदर्शन का मकसद राम मंदिर के चढ़ावे के मुद्दे को अलग अंदाज में उठाना था. राहुल गांधी ने भी दानपेटी में डाले पैसे प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी वहां पहुंचे. उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से पप्पू यादव को दान दिया. समाजवादी पार्टी के कई सांसदों ने भी दान देकर प्रदर्शन का समर्थन किया. हालांकि, प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव दानपेटी में पैसे डालने के बजाय उन्हें अपने पास रखते दिखे. इसके बाद उन्होंने पैसे लेकर भागने का एक्टिंग किया. विपक्षी सांसदों ने भी इस नाटकीय प्रदर्शन में हिस्सा लिया और उन्हें पकड़ने का अभिनय किया. इस दौरान पप्पू यादव अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद के पैर छूते भी नजर आए. क्या बोले पप्पू यादव? पप्पू यादव ने कहा कि देशभर के करोड़ों श्रद्धालु भगवान राम के मंदिर में आस्था के साथ दान देते हैं. ऐसे में चढ़ावे से जुड़े किसी भी मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए. उन्होंने सवाल उठाया कि मंदिरों के चढ़ावे का ऑडिट क्यों नहीं होता, आरटीआई क्यों लागू नहीं होती और एसआईटी से जांच क्यों नहीं कराई जाती. उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के किसी न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके. विपक्ष ने भी उठाई जांच की मांग प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए. सभी ने राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की. विपक्ष का कहना है कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े मामलों में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें क्या है पूरा विवाद?

पप्पू यादव और विपक्षी दलों का आरोप है कि अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान और चढ़ावे के प्रबंधन में अनियमितताएं हुई हैं. इसी मुद्दे को लेकर वे सरकार से जवाब और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं. हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं. पहले भी अलग अंदाज में जता चुके हैं विरोध यह पहली बार नहीं है जब पप्पू यादव अलग अंदाज में संसद पहुंचे हों. 28 जुलाई को वह सिर पर पट्टी, हाथ में लाठी और घायल होने का प्रतीकात्मक रूप धारण कर संसद पहुंचे थे.

बांकीपुर में पिछले 4 चुनावों में इस बार सबसे कम हुई वोटिंग, क्या हो सकती है वजह

पटना (एजेंसी) पटना की बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई. पिछले 4 चुनावों में इस बार सबसे कम वोटिंग हो पाई. गुरुवार को महज 34.31 प्रतिशत ही मतदान हुए. ऐसे में मतदान प्रतिशत कम क्यों रहे, इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है. पटना की बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को महज 34.31 प्रतिशत वोटिंग हुई. यह पिछले नवंबर में हुए चुनाव (41.35 प्रतिशत) से करीब सात प्रतिशत कम है. इतना ही नहीं, आंकड़ों पर नजर डालें तो, इस बार पिछले चार चुनावों में सबसे कम वोटिंग हुई है. 2020 जो कि कोरोना महामारी का समय था, उस वक्त भी इस बार से ज्यादा प्रतिशत वोटिंग हुई थी. किस साल कितने प्रतिशत हुई वोटिंग? आंकड़ों की बात करें तो, 2010 में 36.96%, 2015 में 40.24%, 2020 में 35.91% और 2025 में 41.35% प्रतिशत वोटिंग हुई थी. जबकि इस बार वोटिंग प्रतिशत सिर्फ 34.31 में ही सिमटकर रह गई. इन आंकड़ों को देखते हुए अब यह चर्चा शुरू हो गई है कि आखिर इसकी वजह क्या रही और इस तरह के वोटिंग प्रतिशत से किसी पार्टी को फायदा हुआ या नहीं. कम वोटिंग प्रतिशत की क्या हो सकती है वजह? वोटिंग प्रतिशत कम होने को लेकर कई तरह की वजहें सामने आईं. मतदान वाले दिन कई वोटर्स के ओपिनियन सामने आए. उनमें से कुछ का यह कहना था कि बांकीपुर विधानसभा में रहने वाले कई लोग जिले से बाहर रहते हैं. चाहे वे रोजगार के मकसद से रह रहे हो या फिर पढ़ाई के. ऐसी स्थिति दोनों ही चीजें जरूरी होने की वजह से कई लोग वोट डालने के लिए घर लौटे ही नहीं. इतना ही नहीं, कई वोटर्स ने रूचि ही नहीं दिखाई. वोटिंग के लिए बने कई बूथों पर सुबह-सुबह मात्र एक-दो लोग ही मतदान के लिए पहुंचे थे. दोपहर के वक्त लोग थोड़ी ज्यादा संख्या में घर से निकले और मतदान किए लेकिन अचानक जब बारिश हुई तो फिर वोटिंग स्लो हो गई. इस तरह से कई वजहें कम वोटिंग प्रतिशत की मानी जा रही है. कितने बजे तक कितनी हुई वोटिंग? 30 जुलाई को शाम 6 बजे तक हुई वोटिंग के बाद 25 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो गई. टोटल 422 बूथों पर वोटिंग हुई. सुबह 9:00 बजे तक वोटिंग प्रतिशत 4.61 रहा. इसके बाद 11:00 बजे तक 11.50%, दोपहर 1:00 बजे तक 20.01%, 3:00 बजे तक 27.90%, शाम 5:00 बजे तक 33.57% और 6:00 बजे तक 34.31% वोटिंग हुई. 3 अगस्त को होगी वोटिंग गुरुवार की देर शाम सभी 422 मतदान केंद्रों से ईवीएम एएन कॉलेज के स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचाई गई. अब तीन अगस्त को मतों की गिनती होगी. सूत्रों के अनुसार, दोपहर 12 बजे तक रिजल्ट घोषित कर दिए जायेंगे. मतगणना के लिए 14 टेबल की व्यवस्था की गई है. कुल 30 राउंड में वोटों की गिनती पूरी होगी. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के कारण सीट खाली होने से यह उपचुनाव हुआ है.

पीके के सामने थाने में क्यों भिड़ गए जन सुराज के दो सीनियर नेता? पूर्व डीजी आरके मिश्रा ने किशोर मुन्ना को लगाई फटकार, VIDEO वायरल

पटना (एजेंसी) पटना के जक्कनपुर थाने में प्रशांत किशोर की मौजूदगी में जन सुराज पार्टी के दो सीनियर नेताओं के बीच आखिर ऐसा क्या हुआ कि मामला तीखी नोकझोंक तक पहुंच गया? रिटायर्ड डीजी आरके मिश्रा और पूर्व विधायक किशोर मुन्ना के बीच हुए इस विवाद का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मतदान से ठीक पहले जन सुराज पार्टी के दो वरिष्ठ और संस्थापक नेताओं के बीच पटना के जक्कनपुर थाने में तीखी बहस हो गई. उस समय पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर भी वहीं मौजूद थे. देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि दोनों नेताओं के बीच तल्खी खुलकर सामने आ गई. इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने पहुंचे थे प्रशांत किशोर जन सुराज पार्टी ने एक दिन पहले दावा किया था कि उसके करीब 20 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है, लेकिन गिरफ्तारी की वजह नहीं बताई जा रही है. इसी मामले की जानकारी लेने प्रशांत किशोर अपने नेताओं के साथ जक्कनपुर थाना पहुंचे थे. इस दौरान उनकी थानेदार ऋतुराज सिंह से भी तीखी बहस हुई. बातचीत के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया. वायरलेस सेट उठाने पर शुरू हुआ विवाद इसी बीच रिटायर्ड आईपीएस और पूर्व होमगार्ड डीजी आरके मिश्रा ने पटना के एसपी से बात करने के लिए टेबल पर रखा पुलिस का वायरलेस हैंडसेट उठा लिया. तभी पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना ने उन्हें रोकते हुए कहा कि वायरलेस सेट वापस रखिए. उन्होंने यह भी कहा कि अब आप डीजी नहीं हैं और इसे नहीं छू सकते. यह बात सुनते ही आरके मिश्रा नाराज हो गए. उन्होंने कहा कि वह रिटायर्ड डीजी हैं और एसपी से वायरलेस पर बात कर सकते हैं. उन्होंने किशोर कुमार मुन्ना से कहा कि हम कर सकते हैं आप नहीं कर सकते. इसके बाद दोनों में खूब बहस हुई. इसके बाद वहां मौजूद अन्य नेताओं और पुलिस अधिकारियों ने बीच-बचाव कर दोनों को शांत कराया. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें वीडियो वायरल होने के बाद बीजेपी ने साधा निशाना घटना का वीडियो सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने जन सुराज पर हमला बोला. बीजेपी की बिहार इकाई ने अपने आधिकारिक हैंडल पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, ₹सोचिए जब ये पूर्व डीजी जैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति के साथ बदतमीजी कर सकते हैं, तो आम जनता के साथ इनका व्यवहार कैसा होगा? बांकीपुर की जनता अहंकार नहीं, बल्कि फिर से सम्मान, संस्कार और सुशासन की राजनीति चाहती है.₹ दोनों नेता जन सुराज के संस्थापक चेहरों में शामिल किशोर कुमार मुन्ना कोसी क्षेत्र के चर्चित नेताओं में गिने जाते हैं. वह सहरसा जिले की सोनवर्षा राज सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं. विधानसभा चुनाव 2025 में उन्होंने सहरसा सीट से चुनाव लड़ा था, जहां वह तीसरे स्थान पर रहे. वहीं, आरके मिश्रा बिहार पुलिस के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हैं. उन्होंने दरभंगा विधानसभा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था और वह भी तीसरे स्थान पर रहे. दोनों नेता जन सुराज पार्टी की स्थापना के समय से ही प्रशांत किशोर के साथ जुड़े हुए हैं.

भरत तिवारी पर सबसे पहले गोली चलाने वाला STF जवान अरेस्ट, 24 जुलाई को ही CM सम्राट से मिला था परिवार

पटना (एजेंसी) भोजपुर में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में एक्शन लिया गया है. भरत पर सबसे पहले गोली चलाने वाले एसटीएफ जवान को अरेस्ट कर लिया गया है. मिली जानकारी के अनुसार, देर रात यह कार्रवाई की गई है. भोजपुर के बिलौटी गांव में भरत तिवारी का एनकाउंटर किया गया था. लगातार हो रही जांच के बीच गुरुवार देर रात फिर कार्रवाई हुई. भरत तिवारी को सबसे पहले गोली मारने वाले एसटीएफ के जवान को गिरफ्तार कर लिया गया है. बताया जा रहा है कि जांच के दौरान जो सबूत मिले हैं, उसी के आधार पर एसटीएफ जवान अक्षय कुमार को गिरफ्तार किया गया है. भरत के सरेंडर बाद मारी थी गोली जानकारी के मुताबिक, जिस जवान को अरेस्ट किया गया है, उस पर भरत तिवारी की मां आशा देवी ने भी हत्या का आरोप लगाया था. भरत तिवारी ने जब सरेंडर कर दिया था, उसके बाद एसटीएफ के जवान अक्षय कुमार ने ही सबसे पहले गोली चलाई थी. ऐसे में अब एसटीएफ जवान की गिरफ्तारी के बाद आगे की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है. पुलिस कई दिनों से कर रही थी छापेमारी गिरफ्तारी के बाद जवान को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जाएगा. बताया जाता है जांच के दौरान उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने के बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई. परिजनों को सीएम सम्राट ने दिया था आश्वासन 24 जुलाई को भरत तिवारी के परिजनों ने सीएम सम्राट चौधरी से मुलाकात की थी. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने परिवार से मुलाकात कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया था. सीएम ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी थी. उन्होंने कहा था कि स्वर्गीय भरत तिवारी जी के परिवार को न्याय मिलेगा. उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनकी बात सुनी और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया था. मामले में जांच जारी भरत तिवारी की कथित एनकाउंटर में मौत के बाद यह मामला काफी चर्चा में रहा. घटना को लेकर परिजनों और विभिन्न संगठनों ने न्यायिक जांच की मांग करते हुए आंदोलन भी किया था. मामले की जांच अभी जारी है और अन्य आरोपितों की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

पटना के इन इलाकों में बनाए जायेंगे 48 ई-चार्जिंग स्टेशन, परिवहन विभाग को भेजी गई जगहों की लिस्ट

पटना (एजेंसी) पटना के लोगों के लिए अच्छी खबर है. राजधानी और इसके आस-पास के इलाकों में 48 ई-चार्जिंग स्टेशन बनाए जायेंगे. इसे लेकर जिन जगहों को चिह्नित किया गया है, उसकी लिस्ट परिवहन विभाग को भेज दी गई है. पटना से अनुपम कुमार की रिपोर्ट पटना और इसके आस-पास के इलाकों में 48 ई-चार्जिंग स्टेशन बनाए जाने का फैसला लिया गया है. शहर में बढ़ रहे ई-व्हीकल की संख्या को देखते हुए चार्जिंग स्टेशन बनाए जायेंगे. पटना नगर निगम और नगर परिषद ने जगह चिन्हित कर परिवहन विभाग को भेज दिया है. परिवहन विभाग के विशेषज्ञ इन जगहों का निरीक्षण कर मानक के अनुसार फाइनल करेंगे. नगर निगम से मांगी गई थी जगह जानकारी के मुताबिक, परिवहन विभाग ने पीएम ई-ड्राइव योजना के अंतर्गत पटना शहर में ई-चार्जिंग स्टेशन का एक नेटवर्क बनाने के लिए नगर निगम से जगह मांगी थी. ऐसे ही गया-मसौढ़ी रोड, नौबतपुर और पालीगंज समेत अन्य जगहों पर भी ई-चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए संबंधित नगर परिषद से मांगी गई थी. इसके बनने से ई-गाड़ियों के शहर से बाहर जाने पर बैटरी डिस्चार्ज होने की स्थिति में बैट्री चार्ज कराई जा सके. निर्धारित रेट पर मिलेगी चार्जिंग की सुविधा इन सभी ई-चार्जिंग स्टेशनों पर निर्धारित शुल्क पर सार्वजनिक गाड़ियों के बैट्री की चार्जिंग हो सकेगी. रेट का निर्धारण प्रति घंटे और मिनट के हिसाब से होगा. अलग-अलग गाड़ियों के लिए अलग-अलग चार्ज होगा. लेकिन इन स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक बस और भारी गाड़ियों को ई-चार्जिंग की सुविधा नहीं मिल सकेगी, क्योंकि इन गाड़ियों को बहुत उच्च क्षमता के चार्जर की जरूरत होती है. साथ ही वैसे चार्जर को अपेक्षित मात्रा में हाई वोल्टेज बिजली की आपूर्ति के लिए एक डेडीकेटेड ट्रांसफार्मर की भी जरूरत होती है. पटना में यहां बनेंगे ई-चार्जिंग स्टेशन जानकारी के मुताबिक, पिंक सिटी मैरिज हॉल के पास, गया मसौढ़ी रोडकुलहरिया कॉम्प्लेक्स, बांकीपुर-1, सुभाष पार्क, बांकीपुर पी एंड एम मॉल बेसमेंट, इंडस्ट्रियल एरिया, अंबेडकर भवन के सामने, नाला रोड, 52 बीघा आर्य कुमार रोड, एम. टोली, वैशाली गोलंबर से दिनकर गोलंबर तक डिवाइडर, मलाही पकड़ी, रैन बसेरा के पास, मेदांता अस्पताल, एसबीआई एटीएम, लोहिया नगर पार्क के पास, जेपी सेतु मरीन ड्राइव गोलंबर के पास, जनार्दन घाट समेत अन्य जगहों पर स्टेशन बनाए जायेंगे.

सलमान खान हमेशा गाइडिंग लाइट रहेंगे

टेलीविजन पर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना का सफर कत्तई आसान नहीं रहा। सिंगल मदर की उंगली पकड़कर चॉल में संघर्षों में पली-बढ़ी महिमा आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों तीनों माध्यमों पर काम कर रही हैं।

सलमान खान की 'अंतिम' में हीरोइन के रूप में चुने जाने ने उनके जीवन की धारा मोड़ कर रख दी। वह कहती हैं, 'अपनी पूरी जर्नी का मैं दिल से सम्मान करती हूं। मैं लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। बस मेहनत करते रहिए, हार मत मानिए। किस्मत में जो होगा, वह मिलेगा, लेकिन हमें कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।'

मेरे पेट डॉग परिंदा ने प्यार के मायने समझाए प्यार-रोमांस को लेकर वह फलसफे के अंदाज में कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि प्यार हमारी जिंदगी में ऑक्सीजन का काम करता है, मगर मैं अपनी बात करूं, तो इस समय मेरी जिंदगी में सेल्फ इम्प्रूवमेंट और मेरा करियर मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। प्यार बहुत खूबसूरत चीज है, लेकिन हम सब अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से फैसले लेते हैं। कुछ लोग हमारी जिंदगी में आते हैं, कुछ चले जाते हैं। लेकिन आज मेरे आसपास बहुत अच्छे दोस्त हैं, मेरा परिवार है, इसलिए मैं अपने आपको पूरी तरह कंप्लीट महसूस करती हूं। परिंदा नामक मेरे पेट डॉग ने मुझे प्यार के असली मायने समझाए।

अपने जीवन और करियर में अपनी मां के योगदान को अहमियत देते हुए वह कहती हैं, 'मां-बाप का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। वो हमें दुनिया में लाई हैं, उससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने कमाना शुरू किया, तब मैंने मां से कहा कि अब आपको काम करने की जरूरत नहीं है। आज मेरी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि उन्हें एक आरामदायक और सुकून भरी जिंदगी दूं। लोग सोचते हैं कि शायद मैंने उन्हें कोई बड़ी गाड़ी दी होगी, बड़े-बड़े गिफ्ट दिए होंगे या छुट्टियों पर भेजा होगा। लेकिन सच कहूं तो उन्हें इन चीजों की जरूरत ही नहीं है। वो जहां हैं, जैसे हैं, बहुत खुश हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह हमेशा खुश रहें, चैन से रहें और उन्हें वो जिंदगी मिले, जिसकी वह हकदार हैं।'

सलमान खान की 'अंतिम' में दबंग खान के साथ काम करने को महिमा अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए 'अंतिम' बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी। टीवी से फिल्मों तक का सफर मुझे उसी फिल्म की वजह से मिला। अगर सलमान सर ने मुझमें वह क्षमता नहीं देखी होती और मुझे मौका नहीं दिया होता तो शायद आज मैं फिल्मों में काम ही नहीं कर रही होती। मेरी पूरी ट्रैजेक्टरी 'अंतिम' ने बदल दी। मैं उन अवसरों के लिए शुक्रगुजार हूं, जो मुझे मिले। आज मैं 'शोटाइम' और 'मुसाफिर कैफे' जैसे प्रोजेक्ट कर रही हूं। सलमान सर हमेशा मेरे लिए एक गाइडिंग लाइट रहेंगे। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म का मौका दिया और मुझ पर भरोसा किया। उसके बाद की जर्नी मेरी अपनी है।

विक्रांत मैसी के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट थी, अब हीरोइन हूं

आज महिमा मकवाना भले विक्रांत मैसी के साथ 'मुसाफिर कैफे' में हीरोइन बन कर आ रही हैं, मगर एक समय वे उनके साथ चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत में करीब पंद्रह साल पहले विक्रांत के साथ काम किया था। 'बालिका वधू' के समय मैं उनसे पहली बार मिली थी। मुझे याद है कि मैं उनके पास फोटो खिंचवाने गई थी और उन्होंने मेरे साथ तस्वीर खिंचवाई थी। आज इतने साल बाद हम दोनों एक-दूसरे के अपोजिट पूरा शो कर रहे हैं। यह अपने आप में बहुत खास एहसास है। विक्रांत बहुत ही स्वीटहार्ट इंसान हैं। वह शानदार अभिनेता हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वह बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करके सबसे बड़ी सीख मुझे उनका अनुशासन मिला। अपने क्राफ्ट को लेकर उनकी गंभीरता मेरे लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। विक्रांत में आज भी उतनी ही विनम्रता है। उनके साथ काम करने और अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक कैफे ओनर, जो एक रोमांटिक लड़की भी है, का रोल मैंने मैनिफेस्ट किया था और मुझे वो करने का मौका मिला।'

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज से पहले शहनाज गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज ने अपनी आवाज और अपने अंदाज में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज दी है, वहीं अब शहनाज का स्पेशल कवर वर्जन इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नजरिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज में गाया है, जिसमें नसीमा के जज्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्जन को लेकर शहनाज गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्जन रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्जन से भी जुड़ेंगे।' शहनाज पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज में महसूस करने का मौका देता है।

निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्जन के साथ शहनाज गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी कपूर

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की...

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं... 'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा, जिंदगी में का आए बदलावों के इर्द-गिर्द घूमती है कहानी

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी को पूरा जोर

बकौल सोनाली... 'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी रही

सोनाली बताती हैं...' फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर रखा है फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती हैं कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी, तोड़ी अपनी ग्लैमरस इमेज

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

द केरल स्टोरी की सफलता के बाद अब अच्छे किरदार मिल रहे हैं

अभिनेत्री अदा शर्मा की फिल्म 'द केरल स्टोरी' ने रिलीज के बाद दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ने के साथ-साथ अभिनेत्री के नए रास्ते खोल दिए। अदा शर्मा का मानना है कि इस फिल्म से मिली सफलता ने उन्हें इंडस्ट्री में खुद को बेहतरीन कलाकार के रूप स्थापित करने का अवसर दिया है, जिससे उनके लिए अब नए रास्ते खुल गए हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हुई खास बातचीत के दौरान बताया कि इस फिल्म के बाद उन्हें कई अलग-अलग और कठिन भूमिकाएं निभाने के मौके मिले। अदा ने कहा, 'मेरे साथ ऐसा हुआ कि जब आपकी फिल्म हिट होती है, तो ज्यादा लोग आप पर भरोसा करने लगते हैं और आपको बड़े काम देने के लिए तैयार होते हैं। अब मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिल रहे हैं, जिसका सपना हर अभिनेता देखता है।'

बता दें कि अभिनेत्री अदा शर्मा ने सुपरहिट फिल्म 'द केरल स्टोरी' में शालिनी नाम की एक पूर्व नर्सिंग छात्रा की भूमिका अदा करके दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। इसे सुदीप्तो सेन ने निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह ने निर्मित किया था। यह फिल्म जबरन धर्मांतरण और महिलाओं के आईएसआईएस में शामिल होने के दावों पर आधारित थी। अभिनेत्री अदा शर्मा को बड़ी पहचान उनकी सुपरहिट फिल्म 'द केरला स्टोरी' से मिली। फिल्म में उसके जीवन के सफर को दिखाया गया है कि कैसे एक मासूम लड़की आतंकवाद की शिकार बन जाती है।

फिल्म की शुरुआत शालिनी उन्नीकृष्णन (अदा शर्मा) नाम की एक लड़की से होती है, जो अफगानिस्तान-ईरान सीमा पर पकड़ी जाती है। पूछताछ के दौरान वह बताती है कि कैसे केरल में नर्सिंग की पढ़ाई के दौरान उसका ब्रेनवॉश किया गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी कमर्शियल सक्सेस रही थी। हालांकि, फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का सामना करना पड़ा था। कई लोगों ने इसे प्रोपेगेंडा बताया, जबकि समर्थकों ने इसे एक कड़वा सच करार दिया। तीखे विवाद और विरोध के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी, जिसके बाद साल 2026 में केरल स्टोरी 2 भी रिलीज की गई थी।

अमाल मलिक ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने का आरोप लगाया

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक ने वे सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जिनमें उन्होंने साथी म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर कई आरोप लगाए थे। हालांकि, म्यूजिशियन ने अब साफ किया है कि वे अपनी कही बातों पर अब भी कायम हैं।

अमाल ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने और दूसरों के काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर धमकाया जा रहा था। इसके अलावा, अमाल ने दावा किया कि तनिष्क ने एक महिला से शादी का वादा करने के बाद कथित तौर पर उसका भावनात्मक शोषण किया था।

सोच समझकर उठाया गया कदम एक्स पर शेयर किए गए एक नए बयान में अमाल ने बताया कि पोस्ट हटाने का फैसला सिर्फ अपनी टाइमलाइन को साफ-सुथरा रखने के लिए था। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ सोच के साथ उठाया गया था और वे अपनी बात पर कायम हैं कि उन्होंने जरूरी कदम उठा लिए हैं।

हटाए गए पोस्ट को लेकर हो रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमाल ने साफ किया कि वे पहले लगाए गए आरोपों से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पोस्ट हटाना सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कचरा हटाने का एक तरीका था न कि इस बात का संकेत कि उन्होंने अपना रुख बदल लिया है। सिंगर ने इस बात पर भी बात की कि उन्होंने अभी क्यों आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आरोप सार्वजनिक करने का फैसला लेने से पहले वे वर्षों तक चुप रहे। उन्होंने लिखा, 'अपने गुस्से को दबाए रखने के लिए लगभग 10 साल तक बहुत सब्र करना पड़ा। आज एक दशक बाद, मुझे आवाज उठानी पड़ी, क्योंकि कोई भी सही चीज के लिए खड़ा नहीं होना चाहता।' उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने घटिया लोग कहा।

पोस्ट हटाने के बाद भी, अमाल ने अपने ताजा बयान में तनिष्क बागची पर निशाना साधना जारी रखा। यह दावा करते हुए कि उन्होंने एक बहुत बुरे आदमी के बारे में सच सामने ला दिया है, अमाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि कर्म अपना असर दिखाएगा। उन्होंने तनिष्क को सीधे संबोधित करते हुए हिंदी में लिखा, 'बेटे, मुझसे तो औकात में ही रहना। जिंदगी भर के लिए ये चेतावनी दे रहा हूं।'। तनिष्क बागची ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

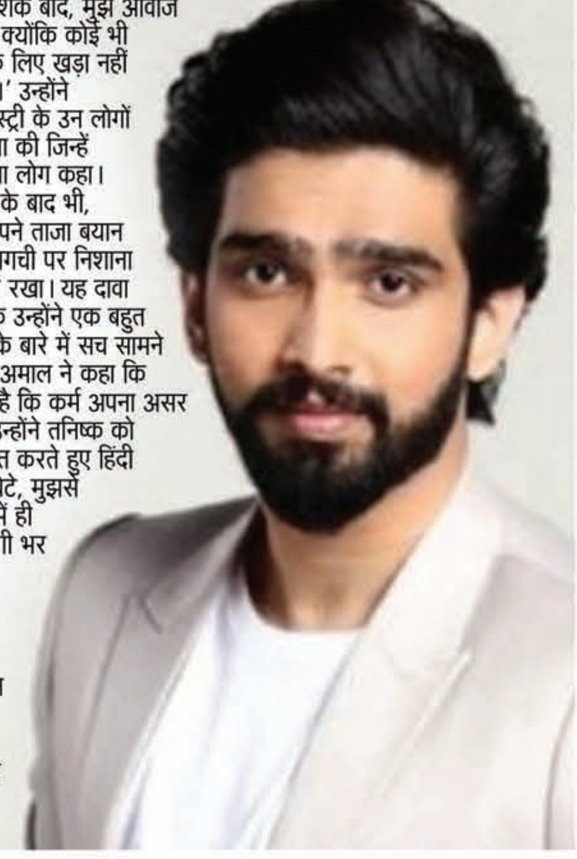

हैवान के स्टंट खुद कर रहे अक्षय

अक्षय कुमार की फिल्म 'हैवान' का 40 दिन का मुख्य शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। तकनीकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, अक्षय ने फिल्म के ज्यादातर हाई रिस्क एक्शन सीक्वेंस खुद किए हैं। फिल्म से जुड़े तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, अक्षय आज भी अपने अधिकतर एक्शन सीक्वेंस बिना बॉडी डबल के शूट करना पसंद करते हैं। कई बार टीम उन्हें स्टंट डबल इस्तेमाल करने की सलाह देती है, लेकिन वह जोखिम भरे शॉट भी खुद करने पर जोर देते हैं। यही वजह है कि 'हैवान' में उनका एक्शन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, 'हैवान' का मुख्य शेड्यूल करीब 40 दिनों में पूरा किया गया। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर केरल के घने जंगलों और प्राकृतिक लोकेशंस पर हुई है। जंगल आधारित कहानी के कारण फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग और अधिक भव्य नजर आएगा। हर बड़े एक्शन सीन से पहले कैमरा ब्लॉकिंग, फाइट डिजाइन, वायर सेटअप और सेफ्टी टेस्ट किए जाते हैं। अक्षय इन तैयारियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं। 'हैवान' का एक्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत होगा।

प्रीति गोल्ड मेडल से एक कदम दूर

5-0 की जीत के साथ फाइनल में धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के महिला 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की है। तीसरे राउंड में शानदार काउंटर अटैक और लगातार सटीक पंचों के दम पर प्रीति ने मुकाबले पर पूरा कंट्रोल बनाए रखा और अब गोल्ड मेडल मुकाबले में कनाडा की स्कारलेट डेलगाडो से भिड़ेंगी। बॉक्सर प्रीति ने भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।

भिवानी की रहने वाली 22 वर्षीय प्रीति एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं। भारतीय बॉक्सर ने मुकाबले के ज्यादातर समय म्वापे पर बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चालाकी से म्वापे को अपनी ओर आकर्षित किया और असरदार काउंटर-अटैक किए, जिसमें उनका 'लेफ्ट स्ट्रेट' पंच खास तौर पर कारगर रहा।

फाइनल मुकाबले से पहले क्या बोलीं प्रीति पवार?

जीत के बाद प्रीति नें कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने वही किया जिसकी मैंने तैयारी की थी। गोल्ड मेडल के लिए मुझे कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैं कभी भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में नहीं लेती और हमेशा अपने कोच के साथ मिलकर विस्तार से तैयारी करती हूं। मुझे खुशी है कि मैं उन योजनाओं को सही ढंग से लागू कर पा रही हूं।'

प्रीति के खिलाफ म्वापे को करना पड़ा संघर्ष

मुकाबले के दौरान म्वापे को सटीक पंच लगाने में काफी संघर्ष करना पड़ा और जब भी प्रीति ने कॉम्बिनेशन स्ट्राइक (लगातार कई पंच) किए, तो म्वापे को मार खानी पड़ी। जाम्बियन बॉक्सर के संघर्ष का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्हें पहले दो राउंड में तीन बार 'एट-काउंट' (रेफरी द्वारा गिनती) का सामना करना पड़ा।

प्रीति पवार की बड़ी उपलब्धियां

साल 2026 में प्रीति ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। इसके अलावा इसी साल उन्होंने गोल्ड ग्रांड प्रिक्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में 54 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रीति ने 2025 में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, वो पहली बार सुर्खियों में साल 2022 एशियन गेम्स में आई जब उन्होंने इस ब्रोंज मेडल जीता था।

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग में भारत की ओर से पहले रिकॉर्ड बन चुका है। भारतीय बॉक्सर 10 मेडल पक्का कर चुके हैं जो बॉक्सिंग में सर्वाधिक है। बर्मिंघम में भारत ने 7 मेडल जीते थे। 7 में से 3 गोल्ड, एक सिल्वर और 3 ब्रोंज मेडल शामिल था।

एक बेटे की मां और पीएचडी होल्डर सीमा कालीरमन ने मचाया तहलका

रोमांचक मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल किया अपने नाम

***नई दिल्ली।** जब किस्मत और मेहनत साथ हो तो फिर बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही भारत की डिस्कस थ्रोअर महिला खिलाड़ी सीमा कालीरमन के साथ हुआ है। सीमा ने ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। सीमा ने 58.65 मीटर का अपना बेस्ट थ्रो फेंका और मेडल जीता।*

सीमा के महज दो थ्रो ही सही थे और बाकी फाउल के कारण अमान्य घोषित कर दिए गए थे। इन्हीं दो में से एक ने उन्हें मेडल दिला दिया। उन्हें कैमरून की मोनी नोरा अतिम टक्कर दे रही थीं। आखिरी थ्रो में अगर वह 58.65 मीटर से ज्यादा का थ्रो फेंक देतीं तो सीमा के हाथ से मेडल चला जाता, लेकिन किस्मत ने यहां उनका साथ दिया और कैमरून की खिलाड़ी पीछे रह गईं।

जमैका की समांथा हॉल ने 61.66 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर अपने नाम किया।

सीमा हैं पीएचडी होल्डर

सीमा के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, वह तीन साल के बेटे की मां हैं और साथ में वह फिजिकल एज्यूकेशन में डॉक्टरेट हैं। हरियाणा से आने वाली 27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद पिछले साल नेशनल गेम्स में वापसी की थी। उनका बेटा तीन साल का है और ऐसे में उनके लिए खेल के लिए समय निकालना काफी मुश्किल भरा रहता है। इस दौरान उनके पति रवींद्र जो उनके कोच भी हैं उन्होंने सीमा की हौसल अफजाई की।

रवींद्र खुद नेशनल स्तर के डिस्कस थ्रोअर रह चुके हैं। उनके मार्गदर्शन से ही सीमा ने अपने करियर के मुश्किल पड़ाव को पार किया और यहां तक का सफर तय किया। मां बनने के बाद सीमा को तमाम तरह की दिक्कतें आ रही थीं। वह सही से थ्रो भी नहीं कर पा रही थीं, लेकिन पति की मदद से उन्होंने सारी बाधाओं को पार किया।

सीमा ने जारी रखी परंपरा

ये उनका बड़े मंच पर पहला मेडल है। इसी के साथ उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में भारतीय महिलाओं के मेडल जीतने की परंपरा को जारी रखा है। यह भारत का महिला डिस्कस थ्रो में नौवां मेडल है। इसी के साथ सीमा कॉमनवेल्थ गेम्स में डिस्कस थ्रो में मेडल जीतने वाली भारत की छठी महिला खिलाड़ी हैं।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाने पर भड़के हर्षा

मुंबई, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने क्या कहा?

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है।'

रेड-बॉल क्रिकेट में अभी सीमित अनुभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम

ईस्ट जोन की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जिससे गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन टीम: ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, शुभ्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनीश दास।

दलीप ट्रॉफी 2026-27

जसप्रीत बुमराह के फिटनेस टेस्ट के नतीजे आए सामने

***मुंबई, एजेंसी।** भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को BCCI के बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने श्रीलंका के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए खेलने की मंजूरी दे दी है। बुमराह को फिटनेस के आधार पर चुना गया था क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। इस चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर रहना पड़ा था।*

BCCI के एक सीनियर अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, 'जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने COE के जरूरी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।' श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त को गाले में शुरू होगी और दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना जरूरी

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए भारत को अपने बचे हुए 9 टेस्ट मैचों में से 7 जीतने होंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी धरती पर होने वाली सीरीज से पहले श्रीलंका सीरीज को 2-0 से जीतना बहुत जरूरी है, क्योंकि न्यूजीलैंड का दौरा एक मुश्किल चुनौती हो सकता है।

वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर

भारत को पहले से ही हर्षित राणा और नितीश रेड्डी की सेवाएं नहीं मिल रही हैं, जो क्रमशः हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं और आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से खेल से दूर हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ का बड़ा ऐलान, भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।भारतीय फुटबॉल इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब भारत की टीम फीफा रैंकिंग के टॉप 5 में मौजूद किसी टीम से भिड़ेगी। ब्राजील मौजूदा रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। ब्राजील के फुटबॉल महासंघ ने भी इस मैच का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील की टीम सितंबर 2026 में ऑस्ट्रेलिया के साथ भी दो मुकाबले खेलेगी। 2026 फीफा वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद यह पूर्व विश्व विजेता टीम का पहला मैच होगा।

कब और कहां खेला जाएगा यह मुकाबला?

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को ञ्श्र2ठ्ठ्य1द्वद्यद्द और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

ढ्ढस्नस्न के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है।

पत्नी और तीन बेटों की हत्या पर पति को फांसी, 2 लाख जुर्माना भी

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक जघन्य हत्याकांड के दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने पत्नी और तीन मासूम बेटों की गला रेतकर निर्मम हत्या करने वाले जितेंद्र कुशवाहा को फांसी की सजा के साथ-साथ दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह वीभत्स घटना 26 अगस्त, 2021 को कसया थाना क्षेत्र के कुड़वा दिलीप नगर के गुरमिया गोपाल टोला में घटी थी। दोषी जितेंद्र कुशवाहा ने अपनी पत्नी लीलावती और बेटों आकाश (8), विकास (6) व रिंकू (4) का धारदार हथियार (सब्जी काटने वाला पहसुल) से गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना की जानकारी मृतक लीलावती के पिता रामजीत कुशवाहा ने पुलिस को दी थी, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था और धारदार हथियार भी बरामद किया गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) ने बताया कि इस मामले में कुल 12 गवाहों की गवाही हुई। सभी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने जितेंद्र कुशवाहा को दोषी करार दिया।

कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा विधायक को सुना दी खरी-खरी, राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी पर मचा घमामान

चैन्नई (एजेंसी)। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा विधायक यशपाल सुवर्ण की कथित विवादित टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि उडुपी के विधायक के पास कांग्रेस नेता पर इस तरह की टिप्पणी करने की कोई नैतिक या राजनीतिक साख नहीं है। खादर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अपमानजनक बयान तटीय कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपरा को नहीं दर्शाते। उन्होंने इसे क्षेत्र की लोकतांत्रिक चर्चा पर एक ''काला धब्बा बताया और कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने बयानों में गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए। यह विवाद मंगलवार को उडुपी में आयोजित भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान सामने आया, जहां यशपाल सुवर्ण ने राजनीतिक मुद्दों को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उनकी टिप्पणियों के बाद कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई गई।यूटी खादर ने कहा कि तटीय कर्नाटक में लंबे समय से राजनीतिक मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हमले लोकतांत्रिक व्यवस्था और निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर करते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नीतियों और मुद्दों पर बहस करें, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचें। खादर ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन उसे सम्मानजनक भाषा और स्वस्थ संवाद के जरिए व्यक्त किया जाना चाहिए।

19 साल बाद कोलकाता लौटेंगी तसलीमा नसरीन

कोलकाता (एजेंसी)। करीब 19 साल के लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेशी लेखिका तसलीम नसरीन एक बार फिर कोलकाता लौट रही हैं। अपनी चर्चित किताब 'द्विखंडितो'को लेकर हुए विरोध और विवाद के बाद वर्ष 2007 में उन्हें कोलकाता छोड़ना पड़ा था। अब 1 अगस्त को वह शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी, जिसे वह कभी अपना दूसरा घर मानती थीं। वापसी को लेकर तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह अपने ही देश लौट रही हैं। उनके अनुसार, बंगाल उनके लिए कभी सीमाओं या कंटीले तारों में बंटा हुआ नहीं रहा। पूर्वी बंगाल का हिस्सा भले ही उनके लिए बंद हो गया हो, लेकिन पश्चिम बंगाल आज भी उनके लिए अपना घर है।

तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से कोलकाता नहीं छोड़ा था, बल्कि परिस्थितियों के कारण उन्हें शहर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि कोलकाता केवल रहने की जगह नहीं थी, बल्कि वहां उनके दोस्त, पाठक और अपनापन था। उनके मुताबिक, उनसे जीवन के 19 महत्वपूर्ण साल छिन गए, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। लेखिका ने अपनी वापसी को अभिव्यक्ति की आजादी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि धमकियां और कट्टरपंथी विरोध किसी लेखक को जगह छोड़ने के लिए मजबूर कर सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने लेखकों के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों पर भी बात की। तसलीम नसरीन ने कहा कि तकनीक ने जहां विचार व्यक्त करने के नए रास्ते खोले हैं, वहीं ऑनलाइन ट्रोलिंग और संगठित विरोध के जरिए लेखकों को डराने के तरीके भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और परंपरा के नाम पर महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश आज भी जारी है। हालांकि, उन्होंने युवा पीढ़ी और महिलाओं में बढ़ती सवाल करने की प्रवृत्ति को बदलाव की उम्मीद बताया। उनका कहना है कि सामाजिक परिवर्तन विरोध और बहस के जरिए ही आगे बढ़ता है। नई पीढ़ी और नए लेखकों को संदेश देते हुए तसलीम नसरीन ने कहा कि हर मुद्दे पर सवाल करना चाहिए, चाहे वह धर्म, सत्ता, राजनीति या परंपरा से जुड़ा हो। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे दूसरों के पूर्वाग्रहों को अपनी सोच का आधार न बनाएं। तसलीम नसरीन को उम्मीद है कि उनका कोलकाता दौरा केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा और वह भविष्य में इस शहर में बिना किसी डर के आ-जा सकेंगी।

बांका में श्रावणी मेले का हुआ आगाज, कांवड़िया पथ पर उमड़ा जन सैलाब

पटना (एजेंसी)। बिहार के बांका में श्रावणी मेले का आगाज हो चुका है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़िया पथ पर बोलबम और हर-हर महादेव के जयघोष लग रहे हैं। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कांवरिया पथ पर व्यापक तैयारियां की गई है। मेला शुरू होते ही सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी पर सक्रिय हो गए। जिला सीमा स्थित बदुआ नदी तट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। वॉच टावर से निगरानी की जा रही है, जबकि भ्रमणशील पुलिस दस्ता भी पूरे कांवरिया पथ पर गश्त कर रहा है। पर्यटन विभाग एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थापित सूचना केंद्रों ने भी काम करना शुरू कर दिया है, जहां श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। पीएचईडी विभाग की ओर से बनाए गए शौचालय और स्नानागार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोल दिए गए हैं। जोरीपार और शिवलोक में भी प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती दिखीं। जिलेबिया मोड़ स्थित उपनियंत्रण कक्ष ने भी कार्य शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग का चिकित्सा शिविर भी चालू हो गया है, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार और उपलब्ध कराया जा रहा है। सावन माह का पहला दिन होने के कारण गुरुवार दोपहर तक कांवड़िया पथ पर भीड़ अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन शाम तक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी।

तीस्ता विवाद पर भारत की नई कूटनीति हो रही सफल!

भारत से छीनकर चीन को दिया था तीस्ता प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से लंबित तीस्ता रिवर प्रोजेक्ट को लेकर कूटनीतिक गलियारों में एक बड़ा सकारात्मक अपडेट सामने आया है। ढाका में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने इस संवेदनशील विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत का एक नया रास्ता निकाला है। यह पहल ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट भारत के हाथ से फिसलकर चीन की झोली में जाने की चर्चाएं जोरों पर थीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा था। बुधवार को ढाका में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान के साथ हुई दिनेश त्रिवेदी की हाई-प्रोफाइल बैठक के बाद जारी बयान ने चीन से लेकर बांग्लादेश तक हलचल तेज कर दी है। इस मुलाकात का सबसे बड़ा केंद्र तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि जैसे संवेदनशील विवाद रहे। पत्रकारों द्वारा भारत से छिनते दिख रहे तीस्ता प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि के नवीनीकरण जैसे लंबित मुद्दों पर सवाल पूछे जाने पर भारतीय उच्चायुक्त ने बहुत सहजता से स्थिति को संभाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मुलाकात भले ही मुख्य रूप से एक शिष्टाचार भेंट थी, लेकिन भारत और बांग्लादेश के बीच ऐसा कोई भी मसला नहीं है जिसे दोनों देश आपस में बैठकर बातचीत से हल न कर सकें। त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि आखिरकार बात दोनों देशों के लोगों की है। जो भी दोनों लोकतंत्रों और उनके नागरिकों के हित में होगा, उसे ही प्राथमिकता दी जाएगी। उनके इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि तीस्ता प्रोजेक्ट को लेकर भारत ने बातचीत का एक नया रास्ता खोल दिया है, जिससे बांग्लादेशी हुकूमत और कूटनीतिक हलकों में नई हलचल शुरू हो गई है।

भारतीय उच्चायुक्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात का अपडेट देते हुए लिखा कि उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि भारत पारस्परिक हितों एवं आपसी लाभ पर आधारित एक सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुख द्विपक्षीय साझेदारी के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों से जुड़े सहयोग को सभी क्षेत्रों में और गहरा करने पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उच्चायुक्त ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद चिनॉय से भी मुलाकात की, जहां भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं हर चीज को सकारात्मक नजरिए से देख रहा हूं। हमारी बेहद सकारात्मक और सार्थक बैठक हुई।

पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे संसद, राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने डाला चंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में हाथ में दानपेटी लेकर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का प्रतीकात्मक नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई सांसदों ने दानपेटी में चंदा डालकर इस मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने हाथों में बैनर और तख्तियां भी थाम रखी थीं। एक प्रमुख बैनर पर लिखा था, अमित शाह संसद से गायब क्यों? विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। सांसदों ने आरोप लगाया कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। मानसून सत्र के दौरान विभिन्न राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार टकराव देखने को मिल रहा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर शुक्रवार का प्रदर्शन भी इसी राजनीतिक गतिरोध का हिस्सा रहा, जिससे संसद की कार्यवाही भी एक बार फिर बाधित हुई है।

कम प्रीमियम में 10 साल का लाइफ कवर, वित्तीय जिम्मेदारियों को सुरक्षित करने का एक स्मार्ट तरीका

एजेंसी

नयी दिल्ली : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस प्लान में अब 10 साल के लाइफ कवर का विकल्प साथ आता है। यह प्लान उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है, जिनकी तय वित्तीय जिम्मेदारियाँ हैं, जैसे होम लोन, बच्चों की पढ़ाई का खर्च या बिजनेस लोन। इससे ग्राहक अपनी सबसे ज्यादा वित्तीय जिम्मेदारियों वाले समय में कम प्रीमियम पर अधिक लाइफ कवर ले सकते हैं। इस प्लान में 67,100 रुपए तक की मुफ्त हेल्थ और वेलनेस सेवाएँ, 3 लाख रुपए का इंस्टेंट क्लेम भुगतान और लाइलाज बीमारी का पता चलने पर 100% राशि का भुगतान जैसी सुविधाएँ भी शामिल हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन, श्री राजीव अरोड़ा ने कहा, "वित्तीय सुरक्षा को लेकर ग्राहकों की अपेक्षाएं उनके जीवन के लक्ष्यों के साथ लगातार बदल रही हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस में हमारा ध्यान ग्राहकों की वित्तीय यात्रा के अलग-अलग चरणों में उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं को सुरक्षित रखने में मदद करना है। आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस प्लान इसी ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह 10 साल की पॉलिसी अवधि के साथ हमारे सुरक्षा उत्पादों के पोर्टफोलियो का विस्तार करता है, जिसमें किफायती प्रीमियम के साथ ऐसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो ग्राहकों को सार्थक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैयार की गई हैं। उन्होंने कहा, "99.3% के उद्योग में अग्रणी क्लेम सेटलमेंट रेशियो और वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में औसतन 1 दिन के क्लेम सेटलमेंट टर्नअराउंड टाइम के साथ, हम ग्राहकों और उनके परिवारों के लिए उस समय हमेशा मौजूद हैं, जब उन्हें हमारी सबसे अधिक जरूरत होती है।

तृणमूल के बागी सांसदों की बैठक से तीन सांसदों ने बनाई दूरी

वापसी की अटकलों के बीच सियासत तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित सांसदों की बैठक, जिसे मंगल मिलन नाम दिया गया था, अब राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई है। इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर नया मोर्चा बनाने वाले बागी सांसदों को भी आमंत्रित किया गया था। अधिकांश बागी सांसद बैठक में पहुंचे, लेकिन तीन सांसदों की अनुपस्थिति ने नए राजनीतिक संकेतों को जन्म दे दिया।

जानकारी के अनुसार, बैठक से दूरी बनाने वालों में यूसुफ पठान, अबू ताहेर खान और खलीलुर रहमान शामिल हैं। ये तीनों सांसद उस दिन संसद में मौजूद थे, लेकिन एनडीए की बैठक में शामिल नहीं हुए। उनकी गैरमौजूदगी की पुष्टि केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी की। इसके बाद इन सांसदों की राजनीतिक रणनीति और भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

इस घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने दावा किया कि ये तीनों सांसद एनडीए की विचारधारा से सहज नहीं हैं और पार्टी में वापसी का रास्ता तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे तृणमूल कांग्रेस में लौटना चाहते हैं तो औपचारिक आवेदन दे सकते हैं, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व इस पर विचार करेगा। रॉय ने यह भी कहा कि ये सांसद स्वतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सोच रखते हैं तथा एनडीए के साथ उनका वैचारिक मेल नहीं बैठता। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने अपने बागी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग और तेज कर दी है। पार्टी ने लोकसभा अध्यक्ष से दल-बदल विरोधी कानून के तहत बागी सांसदों को तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग की है। तृणमूल का आरोप है कि केंद्र सरकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर पार्टी में विभाजन कराने का प्रयास कर रही है।

इसी मुद्दे को लेकर संसद परिसर में तृणमूल के निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी ने सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने गले में 20 गद्दार लिखा पोस्टर पहनकर बागी सांसदों के खिलाफ नाराजगी जताई और उन्हें तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग दोहराई। उधर, कोलकाता में तृणमूल नेता कुणाल घोष ने भी भाजपा और लोकसभा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर तृणमूल कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के टिकट पर चुने गए और बाद में अलग होकर नए समूह में शामिल हुए 20 सांसदों के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

तीन सांसदों की बैठक से गैरहाजिरी और तृणमूल की ओर से वापसी के संकेतों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि ये सांसद आगे किस राजनीतिक राह का चयन करते हैं और दल-बदल कानून के तहत लंबित कार्रवाई पर क्या फैसला होता है।

सीजेपी का तंज कहा- कंगना ही नहीं सभी को होना चाहिए स्टूडेंट ऑफ लाइफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में प्रदर्शनकारियों पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी सांसद कंगना रनौत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कंगना की ओर से सौरव दास की छात्र होने की स्थिति पर सवाल उठाए जाने के बाद अब दास ने पलटवार करते हुए उन्हें सीखने की सलाह दी है। सौरव दास ने कहा कि वह छात्र नहीं बल्कि पत्रकार हैं और उन्होंने कभी खुद को छात्र नहीं बताया। उन्होंने कहा कि वह 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ हैं और हर व्यक्ति को जीवनभर सीखते रहना चाहिए। दास ने कंगना पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी यह समझना चाहिए कि उम्र बढ़ने से समझदारी नहीं आती, बल्कि सीखने की इच्छा से आती है। दास ने कहा, मैं पत्रकार हूं और मैंने कभी छात्र होने का दावा नहीं किया। मैं स्टूडेंट ऑफ लाइफ हूं। हर व्यक्ति को ऐसा होना चाहिए, क्योंकि लगातार सीखने से ही सोच और समझ विकसित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की उम्र अधिक होने के बावजूद अगर वह नई चीजें सीखना बंद कर देता है तो उसकी समझ सीमित रह जाती है। दरअसल, विवाद तब शुरू हुआ जब कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सौरव दास की उम्र और छात्र होने के दावे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि इंटरनेट पर जानकारी के मुताबिक दास 28 वर्ष के हैं और फिर भी खुद को छात्र बताते हैं, जो समझ से परे है। कंगना ने अपने सार्वजनिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा था कि वह कम उम्र से ही काम कर रही हैं और उन्हें अपने करियर की उपलब्धियों पर गर्व है। कंगना ने दास को बेरोजगार बताते हुए उन्हें कोई कौशल सीखने और कमाई पर ध्यान देने की सलाह भी दी थी। इसके जवाब में दास ने कहा कि कंगना को उनकी ही पार्टी में गंभीरता से नहीं लिया जाता और नई पीढ़ी भी उनकी बातों को महत्व नहीं देती। इससे पहले कंगना ने संसद में सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर टिप्पणी करते हुए प्रदर्शन में शामिल युवतियों पर आपत्तिजनक आरोप लगाए थे। इसके बाद सीजेपी और कंगना के बीच राजनीतिक और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

पेपर लीक पर नया कानून और सख्तः परीक्षा माफिया पर शिकंजा कसने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और संगठित नकल के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के मकसद से केंद्र की मोदी सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा से पारित कराया है। यह विधेयक 2024 के एंटी-पेपर लीक कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लाया गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि नए प्रावधान परीक्षा माफिया पर कड़ी कार्रवाई, समयबद्ध जांच और दोषियों को शीघ्र सजा सुनिश्चित करने वाले है। जिससे सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल होगा।

संशोधन के तहत, पेपर लीक या अन्य अनुचित साधनों में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा को तीन से पांच वर्ष के बजाय अब पांच से 10 वर्ष तक बढ़ाया गया है। अधिकतम जुर्माना भी 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है। वहीं, यदि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी, आईटी कंपनी, प्रिंटिंग एजेंसी या अन्य सेवा प्रदाता धोखाधड़ी में शामिल होते हैं, तब उन पर पांच करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकेगा। संगठित परीक्षा माफिया के खिलाफ भी कानून को अधिक कठोर किया गया है। इसतरह के मामलों में न्यूनतम सजा अब सात वर्ष और जुर्माना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। दोषी पाए जाने वाले सेवा प्रदाताओं को आठ वर्ष तक किसी भी सार्वजनिक परीक्षा से जुड़े कार्य से प्रतिबंधित रखा जा सकेगा, जिससे उन्हें भविष्य में इसतरह के कृत्यों से रोका जा सके।

जांच प्रक्रिया को समयबद्ध और अधिक कुशल बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच दो माह के भीतर पूरी करने तथा आरोपपत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर मुकदमे के निपटारे का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें नामित की जाएंगी। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र सरकार विशेष जांच दल (एसटीएफ) का गठन भी कर सकेगी। यह कानून यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, आईबीपीएस तथा एनटीए द्वारा आयोजित नीट, जेईई, सीयूईटी सहित केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित सभी प्रमुख सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन ही तय करेगा कि यह पेपर लीक और परीक्षा माफिया पर कितनी प्रभावी रोक लगा पाता है।

शिंदे की सेना के नेता हो रहे दीपके के फैन, होने लगी मुलाकात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल शिवसेना के विधान परिषद सदस्य बच्चु कडू ने गुरुवार को छत्रपति संभाजीनगर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके से मुलाकात की। कडू ने स्पष्ट किया कि यह मुलाकात निजी तौर पर हुई है और इसका उनकी पार्टी या सरकार से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने खुद को एक आंदोलनकारी बताते हुए कहा कि वह दूसरे आंदोलनकारी से मिलने आए हैं। कडू ने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने और छात्रों के मुद्दों को उठाने के लिए अभिजीत दीपके की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना किसी भी व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है और आंदोलन करना कोई अपराध नहीं है।

दीपके को मिल रही कथित धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कडू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को उन लोगों से बातचीत करनी चाहिए जो धमकियां दे रहे हैं और गलत व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन को दबाने के बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए।

इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट भी अभिजीत दीपके से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने दीपके के लिए सुरक्षा की मांग उठाई थी। शिरसाट छत्रपति संभाजीनगर के वालुज एमआईडीसी क्षेत्र में दीपके के परिवार से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि हर माता-पिता की तरह दीपके के परिवार को भी उसकी सुरक्षा की चिंता है।

शिरसाट ने कहा था कि अभिजीत दीपके ने एक नई पहल शुरू की है और उनके प्रयासों पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि दीपके के महाराष्ट्र लौटने पर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चर्चा की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया था कि उन्होंने पहले परिवार से मुलाकात इसलिए नहीं की थी, क्योंकि इसे राजनीतिक रंग दिया जा सकता था। दीपके ने बोस्टन विश्वविद्यालय से जनसंपर्क विषय की पढ़ाई की है। शिरसाट के अनुसार, उन्हें अमेरिका में नौकरी का अवसर भी मिला था, लेकिन उन्होंने छात्रों के लिए काम करने का रास्ता चुना। मंत्री ने कहा कि दीपके के माता-पिता चाहते थे कि वह नौकरी करें, लेकिन उन्होंने सामाजिक मुद्दों को प्राथमिकता दी।

शिरसाट ने यह भी कहा कि दीपके का आंदोलन छात्रों की मांगें पूरी होने के बाद खत्म हो गया, लेकिन उनके प्रयास ने एक बड़े बदलाव की शुरुआत की। उन्होंने दावा किया कि दीपके का राजनीति से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने आंदोलन का श्रेय लेने के बजाय समाज के समर्थन को महत्व दिया। इस बीच, कडू की मुलाकात के बाद मामले ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर चर्चा तेज कर दी है।

संसद में वंदे मातरम बिल पास होने के साथ जानें अपमान करने पर होगी कितनी सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को दोनों सदनों ने पारित कर दिया। इस ऐतिहासिक विधेयक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का जानबूझकर अपमान करने को राष्ट्रीय गान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान से जुड़े मौजूदा प्रावधानों के समान ही दंडनीय अपराध बनाना है।

सदन में तीखी बहस और विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच यह विधेयक दोनों सदन से पारित हुआ। इस नए कानून के लागू होने के बाद, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करता है या इस गाने में बाधा डालता है, तब उस गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें तीन साल तक की जेल, जुर्माना, या दोनों की सजा का प्रावधान है। यह कदम राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही वंदे मातरम को भी कानूनी सुरक्षा देगा। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग कर सदन से वॉकआउट कर दिया। सीपीआई(एम) के जॉन ब्रिटास और कांग्रेस के प्रमोद तिवारी सहित कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ़ ऑर्डर उठाने का प्रयास किया, लेकिन उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने सदन में व्यवस्था न होने का हवाला देकर इसकी अनुमति नहीं दी। आप के संजय सिंह ने विधेयक का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि इस उस पार्टी द्वारा पेश किया गया है जिसके मूल संगठन ने कभी अपने मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया।

लेकिन गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के विरोध का जवाब देकर कहा कि यह संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने वंदे मातरम के गहरे ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें 1875 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा इसकी रचना, 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसका गायन और सरला देवी चौधरानी द्वारा 1905 में इसका पूरा संस्करण प्रस्तुत करना शामिल है। राय ने 1937 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा गीत को केवल दो छंदों तक सीमित करने के फैसले की आलोचना की और 1938 में सुभाष चंद्र बोस के इसके पूर्ण संगीत संयोजन को तैयार कराने के प्रयासों का भी जिक्र किया। राय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पहल पर 1947 में स्वतंत्रता दिवस पर ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित पूरे गीत और 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें वंदे मातरम और राष्ट्रगान को समान दर्जा दिया गया था। उन्होंने कहा कि बिल का विरोध करना राष्ट्रीय नेताओं के विचारों को नजरअंदाज करने और तुष्टीकरण की राजनीति के समान है। मोदी सरकार में मंत्री ने चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाकुल्लाह खान जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने अपने अंतिम क्षणों में वंदे मातरम का नारा लगाया था। राय ने तर्क दिया कि गीत का विरोध करने से उन लोगों का मनोबल बढ़ता है जो भारत के टुकड़े करने के नारे लगाते हैं। उन्होंने बिल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन से जोड़ते हुए राजनीति से ऊपर उठकर उठाया गया कदम बताया, जो भारतीय लोगों की भावनाओं को दर्शाता है। तीखी बहस और विपक्ष के वॉकआउट के बाद, विधेयक को दोनों सदनों ने पारित कर दिया।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902